THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 140 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.8 2083 गुरुवार, 20 अगस्त-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **KOMPALLY** Ph: 7303083789, RENAULT **NACHARAM** Ph: 7303083785, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHAD NAGAR** Ph: 9311700675.

मंदिर में मिला 3 दिन का नवजात, अंधेरे में पैरेंट्स के छोड़कर जाने की आशंका

गुरुग्राम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मानेसर के बाबा भीष्मदास मंदिर में बुधवार सुबह तीन दिन का नवजात बच्चा मिला। बच्चे को किसी ने मंदिर परिसर में छोड़ दिया था। जानकारी के अनुसार, आसपास के लोगों के आशंका जताई कि स्वजन देर रात बच्चे को मंदिर में छोड़कर चले गए। सुबह जब पुजारी और श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो उन्हें बच्चा रोता हुआ मिला। सूचना मिलते ही मानेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे को कब्जे में लेकर तुरंत नजदीकी अस्पताल में दाखिल कराया।

डॉक्टरों के अनुसार, बच्चा स्वस्थ है और उसे किसी तरह की कोई चोट नहीं है। मानेसर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि बच्चे को छोड़ने वाले स्वजन की पहचान की जा सके।

पांच मंजिला होटल में भीषण आग से
नौ की मौत, छह घायल; 80 को बचाया, मरने वालों में बांग्लादेशी भी

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में बुधवार तड़के एक पांच मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। यह इमारत मध्य कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित है और इसमें कई होटल चलते हैं। पुलिस के मुताबिक, आग रात करीब 1:45 बजे लगी। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमों ने राहत और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि इमारत से करीब 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री कौशिक चौधरी ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि मरने वालों में भारतीयों के साथ बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा कि इमारत की स्थिति बेहद खराब थी और उसमें कई होटल चल रहे थे।

आग लगने की शुरुआती वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग के सही कारण का पता फोरेंसिक जांच के बाद ही चलेगा।

मंत्री ने कहा कि इमारत के प्रबंधन ने सुरक्षा और निर्माण से जुड़े जरूरी नियमों का पालन नहीं किया था। होटल के संचालन में भी कई अनियमितताएं होने की बात सामने आई है। मामले में एक पुलिसकर्मी ने बताया कि होटल में धुआं बहुत ज्यादा भर गया था, इसके कारण दमकलकर्मियों को सीढ़ियों से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और फिलहाल इमारत को ठंडा करने का काम चल रहा है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल प्राथमिकता होटल में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना और आग लगने के कारणों का पता लगाना है। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल अग्निशमन विभाग का मुख्यालय होटल के पास ही स्थित है।

10 किलो से अधिक चरस के साथ पकड़ा गया शख्स, कीमत 10 करोड़ रुपये से भी ज्यादा

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बांद्रा रेलवे स्टेशन से एक आरोपी को 10 किलो 10 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10.10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एंटी नारकोटिक्स सेल की डीसीपी पूर्णिमा चौगुले श्रृंगी के मुताबिक, वर्ली एएनसी को सूचना मिली थी कि बिहार का रहने वाला एक व्यक्ति ट्रेन के जरिए ड्रग्स की खेप लेकर मुंबई पहुंचने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बांद्रा रेलवे स्टेशन पर निगरानी बढ़ाई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की उम्र 31 साल है और वह ऑटो ड्राइवर है। आरोपी बिहार के मोतिहारी स्टेशन से ट्रेन में सवार हुआ था और बांद्रा पहुंचा। पुलिस से बचने और भीड़ में आसानी से घुलने-मिलने के लिए उसने ट्रेन के जनरल डिब्बे में सफर किया। बांद्रा स्टेशन पर पहुंचते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से 10 किलो 10 ग्राम चरस बरामद हुई।

आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी मिला है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ड्रग्स कैरियर के तौर पर काम कर रहा था। उसका काम ड्रग्स की खेप मुंबई लाकर किसी दूसरे व्यक्ति को सौंपना और फिर वापस लौट जाना था। अब एंटी नारकोटिक्स सेल यह पता लगाने में जुटी है कि चरस की यह खेप कहां से आई थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चरस की खेती देश के किसी हिस्से में हुई थी या फिर इसे नेपाल अथवा किसी अन्य देश से मुंबई लाया गया था। इसके अलावा खेप मुंबई में किसे सौंपी जानी थी और पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 21 अगस्त तक पुलिस हिरासत (पीसी) में भेज दिया।

एनआरसी की मांग पर मणिपुर में सड़कें जामः बंद से थमा घाटी का पहिया; सरकार ने किया मांग का समर्थन

इंफाल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में जनगणना से पहले नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस (एनआरसी) लागू करने की मांग को लेकर एक छात्र संगठन की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की राज्यव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को घाटी के पांच जिलों में आम जनजीवन प्रभावित रहा। बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी ठप रहीं, हालांकि घाटी के कुछ इलाकों में निजी वाहन चलते नजर आए।

हड़ताल का असर मुख्य रूप से घाटी के जिलों तक सीमित रहा, जबकि पहाड़ी जिलों में सामान्य गतिविधियां जारी रहीं। इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हड़ताल समर्थकों ने बांस के खंभे और बड़े पत्थर रखकर सड़कें जाम कर दीं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया और 'नो एनआरसी, नो सेंसस' यानी 'एनआरसीनहीं तो जनगणना नहीं' लिखे पोस्टर लगाए।

मेयर के प्रचार पर 25 लाख रुपए खर्च करने का दावा गलतः बीएमसी

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है, जिनमें दावा किया गया था कि मुंबई मेयर के प्रचार के लिए 25 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। बीएमसी ने आधिकारिक बयान में कहा कि अलग-अलग मीडिया आउटलेट्स में ऐसी खबरें आ रही हैं कि मुंबई मेयर के प्रचार पर 25 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस मामले से जुड़े तथ्य स्पष्ट किए गए हैं। बयान में कहा गया, बृहन्मुंबई महानगरपालिका कई सोशल मीडिया चैनल चलाता है।

इन प्लेटफॉर्म को मैनेज करने के लिए टेक्निकल मैनपावर की जरूरत होती है। मेयर कार्यालय के सोशल मीडिया को मैनेज करने का खर्च उस एजेंसी के जरिए किया जाता है, जिसे पूरे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए नियुक्त किया गया है। बीएमसी के मुताबिक, महानगरपालिका के अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को संभालने के लिए पहले से ही 'रनटाइम सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' को निर्धारित टेंडर प्रक्रिया के तहत नियुक्त किया गया है।

यह एजेंसी सोशल मीडिया संचालन के लिए तकनीकी जनशक्ति उपलब्ध कराती है। बीएमसी ने बताया कि अगस्त 2026 से जुलाई 2027 तक एक साल की अवधि के लिए इसी एजेंसी को सेवा विस्तार देने का प्रस्ताव स्थायी समिति में पहले ही मंजूर हो चुका है। इसी नियुक्त एजेंसी के जरिए मेयर कार्यालय के सोशल मीडिया हैंडलिंग के लिए भी तकनीकी जनशक्ति उपलब्ध कराई जा रही है। बीएमसी ने स्पष्ट किया कि मेयर ने इसके लिए किसी अलग एजेंसी की नियुक्ति या अलग से प्रचार कार्य का निर्देश नहीं दिया है। साथ ही, महानगरपालिका ने मीडिया से अपील की है कि इस मामले में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश न किया जाए।

'पापा ने पहले मम्मी को मारा, फिर दीदी को', डबल मर्डर का चश्मदीद बना 8 साल का मासूम

इंदौर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र के झलारिया गांव में हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। घरेलू विवाद के बाद आरोपी पिता सुनील चौहान पर अपनी पत्नी अनीता की हत्या करने और दोनों बच्चों को तालाब में फेंकने का आरोप है। इस घटना में जहां सुनील चौहान की पत्नी अनीता और उसकी 11 वर्षीय बेटी माही की मौत हो गई, जबकि 8 वर्षीय बेटा अजय किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। दोहरे हत्याकांड के 8 साल के चश्मदीद ने उस खौफनाक रात की कहानी बताते हुए दोहरे हत्याकांड की पूरी पोल खोल दी। मासूम ने बताया कैसे उसके पिता ने विवाद के बाद पहले उसकी मां की हत्या कर दी और फिर उसकी बहन को भी मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद सामने आया अजय का वीडियो इस पूरे मामले का सबसे दर्दनाक पहलू है। मासूम ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने पहले उसकी मां को मारा और फिर उसकी बहन को भी तालाब में फेंक दिया।

एनसीबी ने किया विदेशी नागरिकों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी ने विदेशी नागरिकों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एनसीबी ने इस मामले में 14.787 किलो एम्फेटामाइन, 67.840 किलो स्यूडोएफेड्रिन, 318 ग्राम कोकीन और 6 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद ड्रग्स की कुल कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई है।

यूपी एसटीएफ की खुफिया जानकारी पर एनसीबी और यूपी एसटीएफ ने 18 जुलाई 2026 को दिल्ली के राजू पार्क, खानपुर में ज्वाइंट ऑपरेशन किया। ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत 5.087 किलो एम्फेटामाइन बरामद हुआ और नाइजीरियाई नागरिक ओबासे प्रोस्पर ओगबोरोन्जोर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी जून 2023 में मेडिकल वीजा खत्म होने के बाद भी भारत में अवैध रूप से रह रहा था।

आरोपी करीब 68 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड केस में यूपी एसटीएफ का वांछित आरोपी था। इसके बाद 21 जुलाई को गुरुग्राम के हंस एन्क्लेव में छापेमारी की गई। यहां से 9.7 किलो एम्फेटामाइन और 67.84 किलो स्यूडोएफेड्रिन बरामद हुआ और नाइजीरियाई नागरिक अबुची जॉर्ज ओकोरी गिरफ्तार हुआ।

अबुची का मेडिकल अटेंडेंट वीजा जून 2015 में समाप्त हो गया था, इसके बाद भी वह भारत में अवैध रूप से रह रहा था। जांच में मिली बैकवर्ड लिंक के आधार पर दिल्ली के महरौली स्थित एक ठिकाने पर 3 अगस्त को कार्रवाई की गई। महरौली से 318 ग्राम कोकीन और 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस कार्रवाई में दो नाइजीरियाई नागरिक उचेन्ना स्टीफन न्वांको और चिकीजी जोशुआ इग्वे गिरफ्तार किए गए। दोनों आरोपी 13 साल से ज्यादा समय से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। कार्रवाई के दौरान एक अफ्रीकी महिला ने भागने की कोशिश में बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे वह घायल हो गई।

फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और उसकी पहचान की जा रही है। एनसीबी का फोकस सिर्फ ड्रग्स की खेप पकड़ने पर नहीं, बल्कि पूरे ड्रग तस्करी नेटवर्क, उसके सूत्रधारों और सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने पर है। एनसीबी ने होटल, गेस्ट हाउस, मकान मालिक और रहने की अन्य सुविधा देने वालों से विदेशी नागरिकों के ठहरने से जुड़ी कानूनी जानकारी समय पर संबंधित अधिकारियों को देने की अपील/निर्देश पर जोर दिया है।

न मां बची, न दादा-दादी
मासूम बेटे ने तैरकर बचाई जान,आखिर क्यों पूरे परिवार ने गोदावरी नदी में लगाई छलांग?

राजमुंदरी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी (राजामहेंद्रवरम) स्थित गोदावरी नदी के किनारे से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली पारिवारिक त्रासदी सामने आई है। पिथापुरम में पदस्थ पंचायत राज विभाग के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नुकाराजू ने अपने परिवार के साथ गोदावरी नदी में कूदकर सामूहिक आत्महत्या का प्रयास किया। इस दर्दनाक घटना में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले मासूम बच्चे कार्तिकेय को मछुआरों ने तैरते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि उसके दादा नुकाराजू का शव बरामद हुआ है। कार्तिकेय की मां सौजन्या और दादी मीना की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जो परिवार कल तक एक साथ हंसता-खेलता था, वह पल भर में तबाह हो गया।

नदी में बहे कार्तिकेय ने हिम्मत नहीं हारी और तैरता रहा, जिसके बाद स्थानीय मछुआरों ने उसकी जान बचाई। लेकिन अब इस मासूम के सामने अपनों को खोने का पहाड़ जैसा दुख खड़ा है। न मां है, न दादा, न दादी। 5वीं का यह छात्र समझ नहीं पा रहा है कि उसके हंसते-खेलते परिवार को किसकी नजर लग गई। सदमे में डूबा कार्तिकेय न कुछ खा पा रहा है और न सो पा रहा है। नुकाराजू और उनकी बेटी सौजन्या द्वारा कथित तौर पर लिखे गए सुसाइड नोट से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

नोट में आरोप लगाया गया है कि एक व्यक्ति उनके परिवार को लगातार प्रताड़ित कर रहा था। उसने मदद का झांसा देकर बैंक विवरण, पैसे और कीमती सामान हड़प लिए। पत्र में परिवार को जान से मारने की धमकियां देने के साथ-साथ धर्म परिवर्तन करने का अनुचित दबाव बनाने का भी आरोप लगाया गया है।

सफल एंजियोप्लास्टी के बाद एम्स से डिस्चार्ज हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को सफल एंजियोप्लास्टी के बाद बुधवार को दिल्ली एम्स से छुट्टी दे दी गई है। 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद केंद्रीय मंत्री को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। भर्ती के बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की और कोरोनरी एंजियोग्राफी से जुड़े मेडिकल टेस्ट भी किए थे। एम्स की डॉ। रीमा दादा के मुताबिक, बेचैनी के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। एंजियोग्राफी के बाद उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में रखा गया और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया गया था।

14 अगस्त को अस्पताल ने बयान जारी कर बताया था कि मंत्री का स्वास्थ्य स्थिर है। इसके बाद 17 अगस्त को उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। 18 अगस्त को एम्स की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि उनकी हालत अब स्थिर है और वह अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

अब सफल उपचार के बाद उन्हें आज छुट्टी दे दी गई है। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने मंत्री को बेचैनी होने की वजह या एंजियोग्राफी टेस्ट में क्या सामने आया, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। एंजियोप्लास्टी दिल की बंद या संकीर्ण धमनियों को खोलने और रक्त प्रवाह को ठीक करने की प्रक्रिया है। इसे पर्क्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेन्शन (सीपीआई) भी कहा जाता है। जेपी नड्डा केंद्र सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ-साथ रसायन और उर्वरक मंत्रालय का भी कामकाज संभालते हैं।

दूध नहीं, पाम ऑयल और स्टार्च से बन रहा एनालॉग पनीर, ओडिशा के कटक और भद्रक में विभाग ने मारा छापा

भुवनेश्वर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा में सिंथेटिक या एनालॉग पनीर की बिक्री को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। राज्य के कई जिलों में खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। कटक, भद्रक समेत विभिन्न क्षेत्रों में पनीर, दही और छेना की गुणवत्ता की जांच के लिए छापेमारी की गई, जिससे उपभोक्ताओं के बीच भी चिंता का माहौल बन गया है।

बाजार में कुछ स्थानों पर ऐसा पनीर बेचा जा रहा है, जो दूध के बजाय पाम ऑयल, मिल्क पाउडर, स्टार्च और अन्य सामग्री मिलाकर तैयार किया जाता है। कम लागत और कम समय में तैयार होने के कारण इसकी बाजार में मांग बढ़ रही है।

हालांकि इसका स्वाद और रंग-रूप सामान्य पनीर जैसा होने से आम उपभोक्ता आसानी से इसकी पहचान नहीं कर पाते। भद्रक में भी पैकेटबंद पनीर की बिक्री को लेकर सवाल उठे हैं।

पत्नी बोली-जहाज नष्ट होने पर भी पति को आए व्हाट्सऐप मैसेज
सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा-कैप्टन जिंदा हैं या मर चुके हैं?

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कैप्टन आशीष कुमार से जुड़े दुखद रहस्य को सुलझाने को कहा।

1 मार्च, 2026 को होर्मुज स्ट्रेट में उनके जहाज एमटी स्काईलाइट पर मिसाइल हमले के बाद वे लापता हो गए थे।

कैप्टन आशीष कुमार की पत्नी अंशु कुमारी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की पीठ ने केंद्र सरकार से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। मामले में अगली सुनवाई आगामी सोमवार यानी 24 अगस्त, 2026 को होगी।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कैप्टन आशीष कुमार मिसिंग केस में उनकी पत्नी अंशु कुमारी की याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे आशीष कुमार के बारे में पता करें और एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें। इस पर मेहता ने कहा कि वे सोमवार (24 अगस्त) तक जवाब देंगे।

तरुण तेजपाल के खिलाफ एससी पहुंची गोवा सरकार, कहा- रेप केस में सजा बढ़ा दें

गोवा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने रेप केस में पत्रकार तरुण तेजपाल की सज़ा बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। सरकार ने 10 साल की सजा को बढ़ाकर उम्रकैद करने की मांग की है। राज्य सरकार ने साफ किया है कि वह बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती नहीं दे रही है, जिसमें तेजपाल को 2013 के इस मामले में दोषी ठहराया गया था। सरकार सिर्फ सजा की अवधि को 10 साल से बढ़ाकर उम्रकैद करने की मांग कर रही है। याचिका में कहा गया है कि सज़ा, तेजपाल द्वारा किए गए अपराधों की प्रकृति और गंभीरता के हिसाब से बहुत कम है। 6 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने तरुण तेजपाल को रेप का दोषी ठहराया और 10 साल की कठोर सजा सुनाई थी।

हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया जिसमें 'तहलका' के पूर्व एडिटर तेजपाल को बरी कर दिया गया था। हाई कोर्ट के फैसले के बाद तरुण तेजपाल ने कहा कि वो राजनीति के शिकार हुए हैं। वो फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

सीएम विजय ने किए दो बड़े एलान
स्वास्थ्य बीमा कवर पांच गुना बढ़ा और दूध खरीद मूल्य में भी बढ़ोतरी

चेन्नई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय ने बुधवार को राज्य के लोगों और दूध उत्पादकों के लिए दो बड़े फैसलों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सालाना स्वास्थ्य बीमा कवर को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का एलान किया। इसके साथ ही सरकारी डेयरी कंपनी आविन के लिए दूध खरीद मूल्य 38 रुपये से बढ़ाकर 41 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मिलने वाली सालाना बीमा राशि को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं किसी व्यक्ति के लिए सुविधा नहीं, बल्कि उसका मूल अधिकार हैं।

विजय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों की आय या वे किस इलाके में रहते हैं, इसकी परवाह किए बिना सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए कई नई पहल भी शुरू कर रही है। मुख्यमंत्री ने राज्य की सरकारी डेयरी कंपनी आविन द्वारा किसानों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमत भी बढ़ाने का ऐलान किया। अब दूध उत्पादकों को 38 रुपये के बजाय 41 रुपये प्रति लीटर मिलेंगे। इसमें सरकार की ओर से तीन रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि भी शामिल होगी।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में नियम 110 के तहत यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद दूध उत्पादकों की आय और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

इस फैसले से राज्य के 3.16 लाख से अधिक दूध उत्पादकों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, दूध खरीद मूल्य बढ़ाने से राज्य सरकार पर हर महीने करीब 30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। सीएम विजय ने इस मुद्दे पर पिछली डीएमके सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने दूध उत्पादकों के लिए खरीद मूल्य बढ़ाने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया।

जहरीली शराब पीने से दो की मौत, 19 लोग अस्पताल में भर्ती; हिरासत में लिए गए चार तस्कर

भावनगर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के भावनगर जिले में कथित तौर पर नकली शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मामले में पुलिस ने चार शराब तस्करों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी प्रभावित लोगों ने एक आईएमएफएल (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) ब्रांड की नकली बोतलों से शराब पी थी। भावनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि नकली बोतलों में भरी शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। 19 अन्य लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि गुजरात 'ड्राई स्टेट' है। राज्य में शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है। इसके बावजूद अवैध रूप से शराब की बिक्री और तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है

सारे मंदिर इसलिए बन रहे हैं ताकि चोरी हो सके : रेणुका चौधरी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी ने राम मंदिर चढ़ावा मामले, वंदे मातरम विवाद और राजनीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। राम मंदिर चढ़ावा मामले में एसआईटी द्वारा चंपत राय को क्लीन चिट दिए जाने पर रेणुका चौधरी ने कहा कि ये पहले ही अपेक्षित था कि बड़े लोगों को बचाने के लिए निचले स्तर पर काम कर रहे लोगों को कुर्बान कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, सारे मंदिर अभी इसलिए बनाए जा रहे हैं ताकि चोरी की जा सके। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का श्राप इनको लगा है। बता दें कि एसआईटी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दे दी। मंदिर में दान के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा दोनों ने 27 जून को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मंदिर में दान के प्रबंधन और संग्रह से संबंधित जांच के तहत एसआईटी ने दोनों से पूछताछ की। वहीं, वंदे मातरम के पूरे गीत को राजनीतिक और हिंदू-मुस्लिम से जोड़कर देखे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, उस समय जो माहौल था, उस कारण से फैसला हुआ था। आज ये लोग किस कारण से कर रहे हैं, वो जानें और भगवान जाने।

वैसे तो भगवान राम भी इनसे हटकर बैठे हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर रेणुका चौधरी ने कहा, एक लोकतंत्र में हम कोई हाथ-ज्योतिषी बनकर नहीं कह सकते। किसी ने सोचा था कि कोर्ट की एक टिप्पणी पर एक 'कॉकरोच पार्टी' बन जाएगी?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 140 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.8 2083 गुरुवार, 20 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उड़ान से पहले विमान से टकराया पक्षी

अमृतसर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर में स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पुणे जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-1694 को बर्ड हिट की घटना के बाद रद्द कर दिया गया। फ्लाइट को 18 अगस्त को अमृतसर से पुणे के लिए रवाना होना था, लेकिन उड़ान से पहले ही विमान के साथ बर्ड हिट की घटना सामने आ गई। जानकारी के मुताबिक, विमान से पक्षी के टकराने के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को ऑपरेट नहीं किया गया। इसके बाद एयरलाइन की ओर से फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया।

एयरपोर्ट डायरेक्टर को भेजे गए लेटर में भी फ्लाइट रद्द किए जाने की पुष्टि की गई है।

कैबिनेट के अहम फैसले

13,000 करोड़ रुपये से होगा रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

नई दिल्ली , 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की नई मंजूरियां दी हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि यह निवेश देश के महत्वपूर्ण हिस्सों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और आर्थिक विकास को गति देगा।

सरकार ने देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया है। विभिन्न रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और चौगुनीकरण से माल ढुलाई और यात्री ट्रेनों की गति में तेजी आएगी, जिससे यात्रा का समय कम होगा और क्षमता बढ़ेगी।

खड़गपुर - भद्रक (रणिताल) चौथी लाइन: यह परियोजना 3,352 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जाएगी।

भद्रक - हरिदासपुर चौथी लाइन: इस लाइन के विस्तार पर 1,583 करोड़ रुपये खर्च होंगे। गुम्मडिपूंडी - गुडूर तीसरी और चौथी लाइन: दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना पर 2,229 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कटक - पारादीप तीसरी और चौथी लाइन: यह महत्वपूर्ण परियोजना 2,286 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होगी, जो ओडिशा के औद्योगिक और बंदरगाह क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है।

सड़क मार्ग पर भी बड़ा निवेश

रेलवे के साथ-साथ, सरकार ने सड़क अवसंरचना को भी प्राथमिकता दी है। बिहार में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक चार-लेन राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर 3,591 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इस क्षेत्र में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा और व्यापार व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

कुल निवेश और इसका महत्व

इन सभी रेल और सड़क परियोजनाओं को मिलाकर कुल निवेश 13,041 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बड़े पैमाने पर किया गया निवेश न केवल देश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर ढंग से जोड़ेगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा।

>14

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

सुप्रीम कोर्ट का आदेश; कहा- उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था।

यह मकान उनकी खुद की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामला तब सामने आया, जब गुप्ता की 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसडीएम ने 15 नवंबर 2022 को बेटे की बेदखली का आदेश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने 9 अगस्त 2023 को इसे बरकरार रखते हुए बेटे और बहू को मकान खाली करने का निर्देश दिया।

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता।

>14

चाइनीज आर्मी की एक्टिविटी जरूर बढ़ी है..

अरुणाचल प्रदेश सीमा पर पीएलए को लेकर मंत्री किरेन रिजिजू का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर चीन की सेना के अतिक्रमण के दावों को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बहुत बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत-चीन सीमा का मुद्दा एक गंभीर विषय है, लेकिन इस संवेदनशील मुद्दे पर फर्जी दावे न करें। उन्होंने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की तस्वीर साफ करते हुए आगाह किया है कि हम पिछली गलतियों को दोहराना नहीं चाहते।

किरेन रिजिजू ने इंटरव्यू दिया है, जिसका कुछ हिस्सा उन्होंने अपने एक्स पर पोस्ट करके शेयर किया है। वीडियो के साथ केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री ने लिखा है,'भारत-चीन सीमा मुद्दा एक गंभीर विषय है। ऐसे संवेदनशील मामले में गलत दावे न करें। हम अतीत की भूल नहीं दोहराना चाहते। सरकार स्थानीय लोगों की चिंताओं का समाधान करेगी और भारतीय क्षेत्र की रक्षा करेगी।'

'सीमाएं रेखांकित नहीं हैं, वहां पिलर्स नहीं हैं'

उन्होंने कहा कि 'यह दावा किया जा रहा है कि चीन 60 किलोमीटर घुस गया, तो ऐसे दावे नहीं करना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में चीन-भारत के बीच में बड़ी लंबी सीमा है। जिस सीमा को रेखांकित नहीं किया गया है, वहां पिलर्स नहीं हैं। बॉर्डर डिफाइन नहीं है। यह अभी का मुद्दा नहीं है।' बॉर्डर में प्रॉब्लेम है। हमारे अरुणाचल के गांवों के कुछ लोग बॉर्डर प्रॉब्लेम को लेकर जो चिंता जाहिर की है वो सही है। किरेन रिजिजू, केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री:

कांग्रेस सरकार की नीतियों पर निशाना साधा

किरेन रिजिजू अरुणाचल प्रदेश से ही बीजेपी के लोकसभा सांसद हैं। उनका कहना है कि सीमा रेखांखित नहीं होने के चलते भारत और चीन के बीच तनाव होता रहता है। मेन प्रॉब्लेम ये है कि चीन ने पहले से रास्ता बनाना शुरू किया, हाइवे बनाए। इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए। उनके मुताबिक 'कांग्रेस के समय में जो डिफेंस मिनिस्टर थे एंटनी साहब, उन्होंने पार्लियामेंट में ये बयान दिया कि भारत सरकार की यह पॉलिसी है कि अरुणाचल प्रदेश में बॉर्डर साइड में रास्ता नहीं बनाना है, इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बनाना है। और चाइना बनाता आ रहा है। हमारा रास्ता बनाने का काम तो 2014 के बाद शुरू हुआ। मोदी जी ने पॉलिसी को चेंज किया।

अमेरिकी राजदूत बोले- जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा

श्रीनगर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा जम्मू-कश्मीर पर भारत का अहम हिस्सा है। गोर ने जम्मू -कश्मीर की अपनी यात्रा के दौरान कहा, मैं पहली बार इस जगह का दौरा कर रहा हूं। यह एक अविश्वसनीय रूप से खूबसूरत जगह है। गोर ने सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ मुलाकात के बाद मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर की यात्रा को लेकर जारी अपनी एडवाइजरी पर फिर से विचार करेगा। गोर ने कहा, अमेरिका यात्रा चेतावनियां जारी करता है और समय-समय पर उनकी समीक्षा भी करता है। मैं आज यहां कोई बड़ा ऐलान नहीं कर सकता, लेकिन हम इस पर विचार करेंगे।जम्मू-कश्मीर खूबसूरत इलाका है और बहुत से अमेरिकी यहां आकर इसकी सुंदरता और यहां मौजूद अवसरों को देखना पसंद करेंगे।

महुआ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

बार-बार समन के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हुईं सांसद

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की एक अदालत ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। मामला कथित तौर पर महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण से जुड़ा है। कृष्णानगर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट की तामील की रिपोर्ट 28 अगस्त को अदालत के सामने पेश करने का भी निर्देश दिया है।

मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया। इसके बाद अदालत ने उन्हें पेश होने के लिए पूर्व-संज्ञान समन जारी किए थे। अदालत ने कहा कि महुआ मोइत्रा को कई बार समन भेजे गए। इसके बावजूद वह कोर्ट में पेश नहीं हुईं। मंगलवार को भी न्यायाधीश ने टीएमसी सांसद को अगले दिन अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। बुधवार को जब वह अदालत नहीं पहुंचीं, तो तीसरे न्यायिक मजिस्ट्रेट ने तत्काल गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कोर्ट के आदेशों की लगातार अनदेखी से यह साफ होता है कि आरोपी अदालत के आदेश का पालन करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। ऐसे में अदालत के पास गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली-नीट का सिस्टम फूलप्रूफ, तोड़ना मुश्किल

एससी ने कहा- टेक्नोलॉजी समझने वाले अफसर भर्ती करें, उन्हें बार-बार ट्रांसफर न करें

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचाने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी।

>14

अतीक के करीबी बिल्डर जेपी दुबे की 25 करोड़ की जमीन जब्त, गैंगस्टर एक्ट में प्रयागराज पुलिस ने कसा शिकंजा

प्रयागराज, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अतीक अहमद के करीबी माने जाने वाले बिल्डर जेपी दुबे के खिलाफ प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत उसकी करीब 25 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली। बता दें कार्रवाई पीपल गांव, रहीमाबाद और कटौला गौसपुर में स्थित जमीनों पर की गई। पुलिस ने संबंधित जमीनों को कुर्क करने के बाद वहां कुर्की का बोर्ड लगाया और मुनादी भी कराई। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई अपराध से अर्जित संपत्ति की पहचान के बाद की गई है। जेपी दुबे के खिलाफ हाल ही में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, जेपी दुबे के खिलाफ अलग-अलग थानों में पहले से आठ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि वह अतीक अहमद के संरक्षण में जमीनों पर अवैध कब्जे और प्लॉटिंग का कारोबार करता था। कुछ दिन पहले जमीन विवाद में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमले के मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सपा नेता आज़म ख़ान के कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ा मामला

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रामपुर समाजवादी पार्टी के नेता आज़म ख़ान के ठिकानों पर आज अहले सुबह से ईडी की छापेमारी जारी है। ईडी की ये छापेमारी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में काले धन के इस्तेमाल को लेकर दर्ज मामले में कार्रवाईसे संबंधित है। आज़म खान के ख़िलाफ़ दर्ज करीब कई दर्जन मामलों की लिस्ट ईडी से साथ शेयर हुई थी। जानकारी के मुताबिक ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी पर भी छापेमारी की जा रही है। आजम खान के रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली सहित कुल 10 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई जारी है।

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) के लखनऊ ज़ोनल ऑफ़िस ने आज मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में 10 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जांच के सिलसिले में की गई। यह जांच सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के फंड को प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर्स के ज़रिए दूसरी जगह लगाने और बाद में उनके इस्तेमाल (जिसमें यूनिवर्सिटी/ट्रस्ट के लिए संपत्ति बनाना भी शामिल है) से जुड़ी है।

जांच में कुछ कॉन्ट्रैक्टर्स और ट्रस्ट के बीच पैसों के लेन-देन का भी पता चला है। साथ ही, सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से फ़ायदा उठाने वाले कॉन्ट्रैक्टर्स ने फंड को ट्रस्ट/यूनिवर्सिटी की तरफ़ मोड़ दिया, जिसमें भारी डोनेशन और कंस्ट्रक्शन का काम शामिल है। इस तलाशी का मकसद अपराध से हुई कमाई, फ़ाइनेंशियल रिकॉर्ड, दस्तावेज़ और डिजिटल सबूतों का पता लगाना है, जो सरकारी फंड को दूसरी जगह लगाने और उनके इस्तेमाल से जुड़े हैं।

जौहर यूनिवर्सिटी का क्या है मामला?

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से जौहर यूनिवर्सिटी सुर्खियों में है और इसका मामला कानूनी पेच में फंसा है। यूनिवर्सिटी पर कथित अनियमितताओं के कारण इसकी 40 में से 38 इमारतों को गिराए जाने का खतरा मंडरा रहा है, हालांकि, इस पर कोर्ट ने रोक लगा दी है। मुरादाबाद कमिश्नर कोर्ट ने यूनिवर्सिटी की 38 इमारतों को गिराने के रामपुर विकास प्राधिकरण यानी आरडीए के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है और कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होने वाली है।

ट्रस्ट के रजिस्ट्रेशन पर फंसा मामला

जौहर यूनिवर्सिटी के मामले को लेकर सबसे पहली कार्रवाई 17 जून के नोटिस के बाद हुई थी, जिसमें टैक्स डिपार्टमेंट ने 23 जून को एक और नोटिस भेजा था, जिसमें यूनिवर्सिटी चलाने वाले मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन कई नियमों के उल्लंघन की वजह से रद्द कर दिया गया था। इसके साथ ही, यह आदेश भी दिया गया कि ट्रस्ट अपना स्टेटस बदलकर 'एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स' कर ले।

'ये लोग चाहते नहीं की आजम खान जिन्दा रहें' ईडी रेड के बीच योगी के मंत्री का बयान

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के जौहर यूनिवर्सिटी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 19 अगस्त, बुधवार को छापेमारी की। अब इस मामले में योगी सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजभर ने कहा कि - सपा के लोग चाहते नहीं कि आजम खान जिन्दा रहें। राजभर ने कहा- इसके लिए अखिलेश यादव और सपा नेता जिम्मेदार हैं। वे नहीं चाहते कि आजम खान जिंदा रहें। ये वही लोग हैं जो रात में योगी आदित्यनाथ से मिलते हैं और दिन में बीजेपी की आलोचना करते हैं। रात में वे उन्हें बताते हैं कि क्या हुआ है और इन चीजों की जांच कराने के लिए कहते हैं, और फिर सुबह छापेमारी शुरू हो जाती है। इस घटना के लिए अखिलेश यादव और सपा नेता ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं।

फिर अयोध्या लौटे गोपाल राव

राम मंदिर में किए दर्शन, चंपत राय से मुलाकात के बाद चर्चाएं तेज

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बीच एक बार फिर गोपाल राव के अयोध्या पहुंचने से चर्चाएं तेज हो गई हैं। बुधवार को अयोध्या पहुंचे गोपाल राव ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से भी मुलाकात की। दोनों के बीच हुई मुलाकात को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद गोपाल राव 15 जुलाई को अयोध्या से बाहर चले गए थे। इसके बाद संघ स्तर से भी उनके दायित्व और केंद्र को लेकर बदलाव किए जाने की चर्चा सामने आई थी। संघ ने उनका केंद्र अयोध्या से बदल दिया है।

ऐसे में करीब एक माह बाद उनका अयोध्या लौटना और राम मंदिर में दर्शन के साथ चंपत राय से मुलाकात करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद बदले घटनाक्रम के बीच उनकी अयोध्या वापसी को लेकर मंदिर और संघ से जुड़े लोगों के बीच चर्चाएं शुरू हो गई हैं। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट शासन को सौंपे जाने और रिपोर्ट ट्रस्ट को उपलब्ध कराए जाने के बाद मंदिर व्यवस्था से जुड़े कई लोगों की भूमिका को लेकर भी चर्चा चल रही है। ऐसे में गोपाल राव की वापसी को इस पूरे घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

गाजियाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, मोदीनगर से भोजपुर की ओर बाइक पर जा रहे दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। दोनों भागने लगे और रास्ते में बाइक गिरने के बाद खेतों की ओर दौड़ पड़े। पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने पीछा कर रही पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी सागर खान और नोएडा निवासी शिवम उर्फ डमरू के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने 28 जुलाई को परतापुर से नोएडा जाते समय एक व्यक्ति से कार में लूटपाट करने की बात कबूल की है। आरोपियों के पास से पीड़ित का लैपटॉप, कुछ रुपये और निजी पहचान संबंधी दस्तावेज लूटे जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, दो 315 बोर के तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस, लूटा गया लैपटॉप और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इसके अलावा गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र में बुधवार को स्वाट, सर्विलांस टीम और नंदग्राम पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मोरटी तिराहे पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर की बाइक सवार दो संदिग्धों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी।

पूर्व सैनिकों से जमीन के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा

एसडीपीओ बोले- 69 लोगों को जमीन दिखाकर की फर्जी रजिस्ट्री ; केस दर्ज

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पटना के बिहटा में पूर्व सैनिकों को जमीन दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये के कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आईआईटी अमहरा थाना क्षेत्र में सामने आये इस मामले में एक पूर्व सैनिक की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने करीब 69 पूर्व सैनिकों से जमीन उपलब्ध कराने के नाम पर राशि लेने और बाद में कथित तौर पर फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री कराने का आरोप लगाया है। पुलिस अब जमीन से जुड़े दस्तावेज, रजिस्ट्री और लेन-देन की जांच कर रही है।

पूर्व सैनिक राघवेंद्र कुमार ने अमहरा थाना में दिए आवेदन में बताया है कि सैनिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन इंडिया लिमिटेड के माध्यम से करीब 69 पूर्व सैनिकों को जमीन उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया था। शिकायत में संस्था के चेयरमैन लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश राणा और कैप्टेन अर्जुन कुमार सिंह को पार्टनर बताया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, पूर्व सैनिकों को जमीन दिखायी गयी और इसके बाद उनसे राशि ली गयी। आरोप है कि बाद में जमीन की रजिस्ट्री में कथित रूप से फर्जीवाड़ा किया गया। आवेदन में जमीन और उससे जुड़े लेन-देन में करोड़ों रुपये की राशि शामिल होने का दावा किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पूर्व सैनिकों को जमीन उपलब्ध कराने का भरोसा देकर उनसे पैसे लिये गये। इसके बाद जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया में कथित अनियमितता की गयी। मामले में शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कराने और दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

3 करोड़ जीएसटी भरो

सिक्योरिटी गार्ड को मिला नोटिस, 1 साल तक काटता रहा चक्कर, अब जगी उम्मीद

कानपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर में सिक्योरिटी गार्ड ओमजी शुक्ला के नाम पर कथित तौर पर करोड़ों रुपये के फर्जी कारोबार का मामला सामने आया है। करीब एक साल से पीड़ित इंसाफ के लिए दर-दर भटक रहा था। अब पुलिस कमिश्नर के सामने मामला पहुंचने के बाद कार्रवाई की उम्मीद जगी है। दरअसल, ओमजी शुक्ला को सीजीएसटी की ओर से उनके नाम पर 17 करोड़ 48 लाख के कपड़ा कारोबार का नोटिस भेजा गया था। इस कारोबार पर 3 करोड़ 15 लाख रुपये का टैक्स मांगा गया था।

उनका कहना है कि उन्होंने कभी इतना बड़ा कारोबार किया ही नहीं। यह पूरा मामला कथित फर्जीवाड़े और उनके नाम व दस्तावेजों के गलत इस्तेमाल से जुड़ा है।

उन्होंने बताया कि वह नोटिस मिलने के बाद से लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे थे। उन्होंने जीएसटी अधिकारियों और पुलिस से भी मदद की गुहार लगाई, लेकिन लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले का असर इतना गंभीर हुआ कि कथित फर्जीवाड़े के चलते ओमजी का राशन कार्ड तक कट गया और उनकी नौकरी भी चली गई। इसके बाद से वह आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलते हुए लगातार इंसाफ की तलाश में भटक रहे थे। अब पुलिस इस बात की जांच करेगी कि ओमजी के नाम पर करोड़ों रुपये का कारोबार किसने किया, उनके दस्तावेजों या पेन का इस्तेमाल कैसे हुआ और फर्जी तरीके से जीएसटी का नोटिस उनके नाम पर कैसे पहुंचा। एक साल से न्याय के लिए भटक रहे ओमजी को अब कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

वह पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप और तत्काल कार्रवाई के आदेश के लिए उनका धन्यवाद कर रहे हैं। पीड़ित को उम्मीद है कि जांच के बाद पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा होगा और उसे न्याय मिल सकेगा।

पशु तस्करी में उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी निलंबित, नेता और प्रधान तक की मिलीभगत सामने आई

मीरजापुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लालगंज ब्लाक के सोनबरसा स्थित गो-आश्रय स्थल से गोवंशीय पशुओं की तस्करी के मामले में शासन ने उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा। तेजेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है। उन पर गो-आश्रय स्थल में संरक्षित पशुओं के निरीक्षण और देखभाल में लापरवाही बरतने का आरोप है। शासन स्तर से उनके विरुद्ध जांच जारी है। निलंबन के बाद चुनार के उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. युद्धवीर सिंह को लालगंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। गत 31 जनवरी को सोनबरसा के गो-आश्रय स्थल से गोवंशीय पशुओं की तस्करी का मामला सामने आया था।

इस प्रकरण में अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष और दुबार देवघटा सोनवर्षा के ग्राम प्रधान श्याम बहादुर पटेल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने श्याम बहादुर पटेल को प्रधान पद से हटा दिया था। जांच में ग्राम पंचायत अधिकारी कृष्णलाल को भी दोषी पाए जाने पर निलंबित किया गया।

महामंडलेश्वर सतुआ बाबा की फर्जी आईडी से ठगी का प्रयास, एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग

वाराणसी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महामंडलेश्वर संतोष दास सतुआ बाबा के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लोगों को संदेश भेजकर पैसों की मांग की। सतुआ बाबा ने चौक थाने में मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई है। सतुआ बाबा ने पुलिस को बताया कि फर्जी आईडी से लोगों को मेसेज भेजे जा रहे हैं। सतुआ बाबा आश्रम के पीठाधीश्वर के नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है।

इन संदेशों में खुद को सतुआ बाबा बताकर पैसे मांगे जा रहे हैं। साथ ही, अभद्र और अमर्यादित बातें भी की जा रही हैं। इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब एक संत ने फोन पर इसकी सूचना दी। सतुआ बाबा ने पुलिस से तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

उन्होंने एफआईआर दर्ज करने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इसका उद्देश्य किसी अन्य व्यक्ति को इस ठगी का शिकार होने से बचाना है। चौक इंस्पेक्टर दिलीप कुमार मिश्रा ने बताया कि साइबर सेल से इसकी जांच कराई जा रही है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में पलटी कार तीन लोगों की मौत; 6 की हालत गंभीर

बदायूं, 19 अगस्त (एजेंसियां)। गंगा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह भीषण हादसा हो गया। करीब साढ़े तीन बजे कुत्ता सामने आने के कारण एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। दुर्घटना कुंवरगांव थाना क्षेत्र में किमी संख्या- 175 पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। पुलिस के मुताबिक अर्टिगा टैक्सी में चालक समेत नौ लोग सवार थे। सभी नेपाल के अलग-अलग स्थानों के रहने वाले थे और रुपैडिहा नेपाल से चंडीगढ़ जा रहे थे। एंबुलेंस से मृतकों के शव सीएचसी वजीरगंज और घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के स्वजन को सूचना देकर तीनो शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए है।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को उम्रकैद

बगहा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बगहा में पत्नी की निर्मम हत्या के मामले में सिविल कोर्ट ने आरोपी पति को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वहीं दंपती के दोनों नाबालिग बच्चों के भविष्य को देखते हुए बिहार सरकार को परवरिश योजना के तहत दोनों बच्चों को हर महीने चार-चार हजार रुपये देने का आदेश दिया गया है। ये मामला धनहा थाना क्षेत्र के बैरा बाजार टोला मुसहरी का है। यहां बुनिलाल यादव के बेटे सुभाष यादव पर अपनी पत्नी रीना देवी की हत्या का आरोप था। मामले में 30 जुलाई 2020 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अभियोजन के अनुसार मोटरसाइकिल और भैंस को लेकर हुए विवाद के बाद सुभाष यादव ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को जलाने और साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई। शव को तीन टुकड़ों में काटकर अलग-अलग बोरियों में डालकर फेंक दिया गया था। बाद में मृतका के गले से मिली संदूक की चाबी के आधार पर उसकी पहचान रीना देवी के रूप में हुई।

फिर भिड़े कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा विधायक आशु मलिक

मीटिंग में बहस का वीडियो वायरल

सहारनपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में वहां पर सियासी जोड़-तोड़ भी जारी है। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस फिर से साथ चुनाव लड़ने की योजना पर काम कर रहे हैं। हालांकि दोनों में सीट शेयरिंग को लेकर विवाद बना हुआ है। बयानबाजी भी चलती रहती है। सांसद इमरान मसूद भी लगातार सीट शेयरिंग की बात करते रहे हैं। अब एक बैठक में भी मसूद की समाजवादी पार्टी के विधायक के साथ तीखी नोकझोंक हो गई।

बात सहारनपुर की है। यहां जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक उस समय चर्चा में आ गई, जब कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा विधायक आशु मलिक के बीच सवाल उठाने को लेकर बहस हो गई और फिर तीखी नोकझोंक भी हो गई। बैठक में मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य जनप्रतिनिधियों के बीच दोनों नेताओं के बीच हुई बहस का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान विधायक आशु मलिक जनता से जुड़े सवाल उठाने की बात कह रहे थे। इसी दौरान मसूद ने कहा कि आप दूसरों को बोलने ही नहीं दे रहे हैं। इस पर आशु मलिक ने पलटकर कहा, "ऐसे काम नहीं चलेगा।" उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े सवाल हैं तो उन्हें उठाया ही जाएगा। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक तीखी बहस चलती रही। बैठक में मौजूद अधिकारियों और अन्य जनप्रतिनिधियों के बीच हुई इस नोकझोंक ने वहां के माहौल को गर्म कर दिया। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई और दोनों नेता बैठक में आगे की कार्यवाही में शामिल होते नजर आए।

हालांकि इमरान और आशु मलिक के बीच राजनीतिक टकराव कोई नया नहीं है। पिछले करीब दो सालों से दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर मतभेद सार्वजनिक तौर पर सामने आते रहे हैं। ऐसे में दिशा की बैठक में हुई बहस को भी इसी राजनीतिक खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है। दिशा की यह बैठक करीब चार घंटे तक चली और प्रशासन की ओर से पूरी कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई। अब बैठक के दौरान हुई नोकझोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दोनों नेताओं के बीच एक बार फिर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल इस घटनाक्रम को लेकर सांसद मसूद और आशु मलिक की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'चाचा और चच्चा देंगे सपा को गच्चा', अखिलेश के दावों पर बीजेपी का पलटवार

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर एक पोस्ट किया है, जिस पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने सपा मुखिया पर निशाना साधते हुए कहा कि वो मौजूदा काँग्रेस के साथ गठबंधन से परेशान हैं। उन्हें तो अपने चाचा शिवपाल यादव की आज़म खान से मुलाक़ात पर ध्यान देना चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश यादव की 'एक्स' पोस्ट पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव मौजूदा कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने सांसद इमरान मसूद से बयान दिलवाकर समाजवादी पार्टी पर अत्यधिक दबाव बनाने की कोशिश कर रही है।

इसलिए अखिलेश यादव नए गठबंधन और पार्टनर की तलाश में भाजपा गठबंधन सहयोगियों पर डोरे डाल रही है। बीजेपी नेता ने कहा कि सपा मुखिया जानबूझकर अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने तो अपनी पार्टी के भीतर शिवपाल यादव की आजम खान के साथ हुई मुलाक़ात पर ध्यान देने चाहिए। चाचा और चच्चा दोनों मिलकर सपा को गच्चा दे देंगे। वहीं यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और एनडीए की सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) के नेता आशीष पटेल ने भी अखिलेश यादव के दावे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'अपना दल ट्वीट और रीट्वीट का खेल नहीं खेलता, हम ज़मीन पर जनता के बीच काम करने और अपने गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े रहने में विश्वास रखते हैं।'

जापान की तकनीक और यूपी के स्केल का मेल बनेगा विकास का नया मॉडल : सीएम योगी

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि जापान की प्रिसिजन, गुणवत्ता, तकनीक और विनिर्माण उत्कृष्टता तथा उत्तर प्रदेश के स्केल, कौशल, बाजार और मजबूत बुनियादी ढांचे का मेल दोनों देशों के बीच औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान साझेदारी अब केवल निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास, साझा तकनीक और साझा समृद्धि की साझेदारी है। नई दिल्ली में आयोजित उत्तर प्रदेश-जापान निवेश सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में स्पष्ट नीति, साफ नीयत और दृढ़ संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश निरंतर सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए सुरक्षा, स्थिरता और गति का माहौल तैयार किया गया है। पिछले 9 वर्षों में प्रदेश के बजट, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय में करीब तीन गुना वृद्धि हुई है। इसी अवधि में महिला श्रमबल भागीदारी में भी तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर लॉजिस्टिक्स, प्रतिस्पर्धी औद्योगिक लागत और सुशासन का लाभ है। मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक नेटवर्क, औद्योगिक गलियारों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा है। प्रदेश में 17 हवाई अड्डे, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, सात शहरों में मेट्रो नेटवर्क, देश की पहली रैपिड रेल और दो समर्पित माल गलियारे मौजूद हैं।

इसके साथ ही वाराणसी में देश का पहला शहरी सार्वजनिक परिवहन रोपवे विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के साथ प्रदेश निवेशकों को वैश्विक स्तर की निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक आधार का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां, 35 हजार से अधिक बड़े उद्योग और 22 हजार से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 25 साल की कैद

मुरादाबाद में 7 महीने के भीतर पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला ; गर्भवती हो गई थी पीड़िता

मुरादाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में युवक को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। पॉक्सो कोर्ट ने उसे 25 साल कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 1.03 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने यह फैसला महज 7 महीने के अंदर सुनवाई पूरी करते हुए सुनाया है। मामला कटघर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता के पिता ने 26 जनवरी 2026 को कटघर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तहरीर के मुताबिक, गांव के रहने वाले राशिद ने 14 साल की लड़की को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया, जिससे किशोरी गर्भवती हो गई थी। इसके बाद आरोपी ने उसका गर्भपात करा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। मामले की सुनवाई पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 की विशेष न्यायाधीश छाया शर्मा की अदालत में हुई। पुलिस ने मामले की विवेचना तेजी से पूरी कर समयबद्ध तरीके से गवाहों के बयान और साक्ष्य कोर्ट में पेश किए। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने राशिद को दोषी करार देते हुए 25 साल की कैद और 1 लाख 3 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 अगस्त, 2026 5

मेरा हैदराबाद

सुविचार: एक समय ऐसा आता है जब सबकुछ ठीक नहीं चलता तभी अपने आपको स्थिर रखना।

सरकार वाईएसआर राज्य धरोहर संग्रहालय को उसके पुराने गौरव को बहाल करेगी: जूपल्ली

मंत्री ने 2,500 साल पुराने मिस्र के ममी का भी निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार डॉ. वाईएसआर राज्य धरोहर संग्रहालय को पुनर्स्थापित करने और उसे उसकी पूर्व प्रतिष्ठा वापस दिलाने के लिए व्यापक उपाय करेगी। जूपल्ली कृष्णा राव ने बुधवार को नामपल्ली के पब्लिक गार्डन्स स्थित संग्रहालय का दौरा किया और वहां रखी विभिन्न दीर्घाओं और दुर्लभ पुरातात्विक और ऐतिहासिक कलाकृतियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कांस्य, बौद्ध, मूर्तिकला, तोप और चित्रकला दीर्घाओं का जायजा लिया और अधिकारियों से प्रदर्शित वस्तुओं और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मंत्री ने संग्रहालय के 2,500 साल पुराने मिस्र के ममी का भी निरीक्षण किया, जो इसके महत्वपूर्ण आकर्षणों में से एक है, और अधिकारियों को इसके सुरक्षित और वैज्ञानिक संरक्षण के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मंत्री जी को सूचित किया कि जर्मन विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर, मिस्र की ममी के संरक्षण के लिए 82 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि संग्रहालय में मौजूद पुरातात्विक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कलाकृतियों के समृद्ध संग्रह को जनता के ध्यान में लाया जाना चाहिए और हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण विरासत आकर्षण के रूप में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को देश और विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करने और पर्यटकों के बीच संग्रहालय की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएँ बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय के अनूठे धरोहर संग्रहों को लोकप्रिय बनाने और अधिक पर्यटकों को संग्रहालय में आने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। मंत्री ने कहा कि संग्रहालय के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक धनराशि की शीघ्र रिहाई के लिए कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने पुरातत्व विभाग को संग्रहालय के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार, भवन और चित्रकला के संरक्षण के लिए व्यापक अनुमान तैयार करने का निर्देश दिया। पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. अर्जुन राव को एक सप्ताह के भीतर अनुमान तैयार करके प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जीर्णोद्धार कार्य बिना किसी देरी के शुरू किए जाएं। मंत्री ने कहा कि सरकार तेलंगाना की समृद्ध पुरातात्विक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और इसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों सहित व्यापक जनसमूह के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तीन नशीले पदार्थों के तस्कर गिरफ्तार

16.4 लाख रुपये मूल्य की एमडीएमए और ओजी कुश जब्त

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबौली पुलिस और साइबराबाद की विशेष अभियान टीम (एसओटी) ने तीन कथित नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 95.41 ग्राम एमडीएमए और 50 ग्राम ओजी कुश जब्त किया है, जिनकी कुल कीमत 16.40 लाख रुपये है। इस अभियान के दौरान 16 उपभोक्ताओं को भी पकड़ा गया। ये गिरफ्तारियां एनडीपीएस अधिनियम के तहत गच्चीबोवली पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के संबंध में की गई हैं। पुलिस ने सबसे पहले 11 अगस्त को वट्टिनागुलापल्ली स्थित किंगडम पब रोड के पास कोरिपेला यशवंथ साई शनमुख (26) को 16 अन्य उपभोक्ताओं के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर खुलासा किया कि उसने एमडीएमए केरल के त्रिशूर निवासी मोहम्मद रजल अब्दुल गफूर (26) और बेंगलुरु निवासी नवीना केडी (22) से प्राप्त किया था। सूचना के आधार पर, पुलिस टीमों ने केरल और कर्नाटक में अभियान चलाया। रज़ल को 18 अगस्त को त्रिशूर में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसने यशवंथ को 44.41 ग्राम एमडीएमए की आपूर्ति करने की बात स्वीकार की और दावा किया कि उसने इसे सैम नामक एक नाइजीरियाई नागरिक से प्राप्त किया था। नवीना को उसी दिन बेंगलुरु के बेगुर में गिरफ्तार किया गया। उसके घर की तलाशी में कथित तौर पर 51 ग्राम एमडीएमए और 50 ग्राम ओजी कुश बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि उसने खुलासा किया कि ड्रग्स केरल के उसके दोस्त अनेश्वर से मंगाई गई थीं। जब्त की गई संपत्ति में 11.40 लाख रुपये मूल्य का एमडीएमए, 5 लाख रुपये मूल्य का ओजी कुश और दो मोबाइल फोन शामिल हैं। गिरफ्तारियां सी.एच. श्रीनिवास, डीसीपी, सेरिलिंगमपल्ली जोन, शोभन कुमार, डीसीपी, एसओटी साइबरबाद, टी. गोवर्धन, अतिरिक्त डीसीपी–आई, एसओटी साइबरबाद, उदय रेड्डी, अतिरिक्त उपायुक्त, सेरिलिंगमपल्ली जोन, जी. वेंकट रमना गौड, एसीपी, नरसिंगी डिवीजन, एसओटी साइबरबाद टीम और एसएचओ, गाचीबोवली पुलिस स्टेशन, डीआई गाचीबोवली और गाचीबोवली पुलिस कर्मियों के सीधे पर्यवेक्षण में की गईं।

व्हाट्सएप बॉस बनकर धोखाधड़ी करने का मामला

साइबर पुलिस ने 10 दिनों में 1 करोड़ रुपये बरामद किए

लखनऊ निवासी जल संयंत्र व्यवसायी दीपक कुमार गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने 1 करोड़ रुपये के बॉस का रूप धारण करके किए गए साइबर धोखाधड़ी के मामले में 37 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, और धोखाधड़ी की पूरी राशि 10 दिनों के भीतर बरामद कर पीड़ित को वापस कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, एक साड़ी की दुकान के लेखाकार को 4 अगस्त को एक फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल के माध्यम से वित्तीय अनुरोध प्राप्त हुआ, जिसे उसने दुकान मालिक का समझा। अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए, उसने पीड़ित के करूर वैश्य बैंक खाते से 1 करोड़ रुपये इंडसइंड बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिए। पुलिस ने रॉयल मोडा प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित एक कॉर्पोरेट चालू खाते के माध्यम से धन का पता लगाया, जिसका कथित तौर पर धन की हेराफेरी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस ने 8 अगस्त को उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी जल संयंत्र व्यवसायी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें साइबरबाद लाया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और अदालत के हस्तक्षेप के बाद, एक दिन के भीतर उचित आदेश प्राप्त कर लिए गए, जिससे 14 अगस्त को पीड़ित को पूरे 1 करोड़ रुपये वापस मिल गए। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से की गई आगे की जांच में अन्य राज्यों में चल रहे साइबर अपराध मामलों से संबंध सामने आए हैं। पुलिस धन के व्यापक लेन–देन और अन्य आरोपियों की संलिप्तता की जांच कर रही है। इस मामले की जांच इंस्पेक्टर ए. मनमोहन, एसआई श्रीनिवासुलु और उनकी टीम ने साइबरबाद के डीसीपी, साइबर क्राइम के. पुष्पा के मार्गदर्शन और एसीपी, साइबरबाद के ए. रविंदर रेड्डी के पर्यवेक्षण में की।

बिरला विज्ञान केंद्र 22 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीपी बिरला पुरातत्व, खगोल विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (जीपीबीएएएसआरआई), आईएसजी हैदराबाद चैप्टर के सहयोग से, 22 अगस्त को हैदराबाद के जीपी बिरला सेंटर स्थित जीपीबीसी हॉल में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 मनाएगा। इस कार्यक्रम में चंद्र अन्वेषण और अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर किया जाएगा। समारोह में पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसके बाद मिश्रा धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति का मुख्य भाषण होगा। डॉ. मूर्ति अंतरिक्ष में भारत: विकसित भारत 2047 के लिए एक दृष्टिकोण विषय पर बोलेंगे।

कथित धारा 22–ए विवाद की सीबीआई जांच होनी चाहिए : महेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक दल के नेता अलेटी महेश्वर रेड्डी ने बुधवार को राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर नए सिरे से हमला करते हुए भूमि लेनदेन में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया और प्रतिबंधित भूमि सूची से जुड़े विवाद की सीबीआई जांच की मांग की। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए महेश्वर रेड्डी ने कहा कि इस मामले पर राजस्व मंत्री की माफी से ही आरोपों की गंभीरता का पता चलता है। उन्होंने सवाल उठाया कि कथित तौर पर करोड़ों रुपये की जमीनें प्रतिबंधित सूची में कैसे शामिल की गईं और दोषियों की पहचान के लिए व्यापक सर्वेक्षण की मांग की। यादगिरिगुट्टा में 42 एकड़ जमीन से जुड़े आरोपों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कथित धारा 22–ए विवाद की सीबीआई जांच की भी मांग की। पोंगुलेटी पर निशाना साधते हुए महेश्वर रेड्डी ने कहा कि मंत्री ने पहले बमों के विस्फोट की बात कही थी और व्यंग्यपूर्वक उन्हें पोंगुलेटी बॉम्बुला रेड्डी कहकर संबोधित किया। उन्होंने विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर पोंगुलेटी को खुली बहस के लिए चुनौती दी और कहा कि वे आरोपों से संबंधित दस्तावेजी सबूत पेश करेंगे। भाजपा नेता ने फीनिक्स कंपनियों और राघवा हाइट्स से संबंधित संस्थाओं से जुड़े कथित लेन–देन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कई पंजीकृत दस्तावेजों का हवाला देते हुए वित्तीय जिले और हाई–टेक सिटी में जमीन के लगातार हस्तांतरण का आरोप लगाया। उन्होंने पालमुरु–रंगारेड्डी सिंचाई परियोजना से संबंधित कार्यों के अनुमानों को 1,400 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 4,300 करोड़ रुपये करने पर भी सवाल उठाया और मंत्री के परिवार से जुड़ी कंपनियों के संभावित हितों के टकराव का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि अगर पोंगुलेटी प्रस्तावित बहस में शामिल नहीं होते हैं तो पार्टी संबंधित दस्तावेज ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों को सौंप देगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भाजपा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खुला पत्र लिखकर आरोपों पर उनकी प्रतिक्रिया मांगेगी।

भाजपा युवा मोर्चे के पांच जिला अध्यक्षों के नाम घोषित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव के निर्देशों के बाद अपनी युवा मोर्चा की पांच संगठनात्मक इकाइयों के लिए नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। नवनियुक्त युवा मोर्चा के जिला अध्यक्षों में वनापर्ती के लिए नल्लावोथुला अरविंद, हनमकोंडा के लिए पुन्नम वेणु, मुलुगु के लिए मदारी श्रीकांत, गोलकोंडा–गोशामहल के लिए एम राहुल यादव और हैदराबाद सेंट्रल के लिए वलदास भरत गौड़ शामिल हैं। ये नियुक्तियाँ तेलंगाना भर में भाजपा के युवा विंग और संगठनात्मक नेटवर्क को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

बालिकाओं की तस्करी के मामले में 33 दोषियों को सजा

नौ पीड़ित बालिकाओं को 5-5 लाख रुपये मुआवजा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बालिकाओं की तस्करी, उन्हें देह व्यापार में धकेलने और यौन शोषण के मामले में हैदराबाद के हका भवन स्थित विशेष पॉक्सो सत्र न्यायालय ने बुधवार को 33 आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

अदालत ने पांच दोषियों को उम्रकैद तथा 28 अन्य को अलग–अलग अवधि की कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही नौ पीड़ित बालिकाओं को पांच–पांच लाख रुपये के हिसाब से कुल 45 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया। यह मामला अपराध संख्या 14/2015 से संबंधित है, जो वर्ष 2015 में सीआईडी हैदराबाद पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। महिला सुरक्षा विभाग के नेतृत्व में हुई जांच में पॉक्सो अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। 17 जुलाई 2015 को एक पीड़िता ने सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई थी।

गांव में कृषि कार्य करने वाली पीड़िता को एक परिचित व्यक्ति ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया और बाद में उसे तीन आरोपियों के संपर्क में लाया। आरोप है कि उसे अलग–अलग स्थानों पर ले जाकर जबरन देह व्यापार में धकेला गया और कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। करीब चार महीने तक आरोपियों के नियंत्रण में रहने के बाद पीड़िता वहां से भागकर सीआईडी कार्यालय पहुंची और शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर विभिन्न देह व्यापार केंद्रों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 45 आरोपियों को हिरासत में लिया और नौ नाबालिग बालिकाओं समेत कई पीड़ितों को मुक्त कराया। अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने के बाद वैज्ञानिक एवं व्यापक जांच की गई और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। विशेष सत्र न्यायाधीश उदय भास्कर राव ने सुनवाई के बाद 33 आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने नौ पीड़ित बालिकाओं को पांच–पांच लाख रुपये, कुल 45 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

यह राशि कानून के तहत पहले से मिले मुआवजे के अतिरिक्त होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। आरोपियों पर लगाए गए जुर्माने की राशि भी पीड़ितों को मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया गया। इस मामले की जांच उपाधीक्षकों सुरेश बाबू और के. श्रीनिवास राव तथा निरीक्षक के. बालराम रेड्डी ने की। मामले की निगरानी निरीक्षक के. सत्यनारायण रेड्डी ने की, जबकि सरकारी अधिवक्ता एवं अतिरिक्त लोक अभियोजक मरेल्ली रमादेवी ने अदालत में पैरवी की। सीआईडी महिला सुरक्षा विभाग ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की तस्करी तथा यौन शोषण जैसे गंभीर अपराधों में वैज्ञानिक जांच और प्रभावी अभियोजन के जरिए दोषियों को सजा दिलाना इस फैसले की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पीड़ितों की सुरक्षा, पुनर्वास और मुआवजा सुनिश्चित करने के साथ अपराधियों को कानून के सामने लाना विभाग का प्रमुख लक्ष्य है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Army No. 14304438H, Rank-Nk, Nk Name- Pathan Dariya Khan, resident of 181, Kapul Colony Nizampatnam Village and Mandal, Bapatla District, A.P I want to change my spouse name from P. ASS IRAPPAN @ PATHAN ASSIRAPPAN to PATHAN ASIRIFUN. changed My spouse date of birth from 10-09-1955 (PPO ORDER), 20-09-1955 20-08-1957, vide Affidavit No.BX 066378 dt.13-08-2026 before Ranga Reddy District

I, KUMARI GURIYA is legally wedded Spouse of Service No 15160529L RHM Kranti Kumar Singh Residing at Ward No-12, Loualagan West, Loualagan, Chousa, Dist-Madhepura, State-Bihar, PIN-852213. I have changed my name from KUMARI GURIYA to *GURIYA DEVI* and DOB is *10/02/1991* dated 18 August 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri -Dist.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बेटिंग ऐप मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के सामने पेश हुईं एक्ट्रेस निधि अग्रवाल

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु एक्ट्रेस निधि अग्रवाल बुधवार को हैदराबाद में एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के अधिकारियों के सामने पेश हुईं। यह पेशी बेटिंग ऐप के प्रमोशन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में हुई।

इससे पहले ईडी ने एक्ट्रेस को नोटिस भेजा था। उन पर आरोप था कि उन्होंने बेटिंग ऐप को प्रमोट करने के लिए हवाला के ज़रिए पेमेंट लिया था। हालांकि, काम की पहले से तय प्रतिबद्धताओं के कारण, उन्होंने अधिकारियों से पेश होने के लिए और समय मांगा था।

वह अपना बयान दर्ज कराने और कथित लेन–देन से जुड़े सवालों के जवाब देने के लिए एजेंसी के सामने पेश हुईं। ईडी ने पहले बेटिंग ऐप को प्रमोट करने में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में 21 सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी प्रमोशन से जुड़े वित्तीय लेन–देन की चल रही जांच के तहत पहले ही कई सेलिब्रिटीज़ से पूछताछ कर चुकी है।

जांच में उन पैसों के स्रोत और बहाव की पड़ताल की जा रही है, जिनका भुगतान कथित तौर पर सेलिब्रिटीज़ को बेटिंग प्लेटफॉर्म को एंडोर्स करने के लिए किया गया था।

हरीश ने लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की शिकायतों के तत्काल समाधान की मांग की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को तेलंगाना भवन में पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप–सदनकर्ता टी. हरीश राव से मुलाकात की और उन्हें अपनी शिकायतों से अवगत कराया। हरीश राव ने उनकी चिंताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त की और मांग की कि तेलंगाना सरकार राज्य भर में लगभग 6,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के साथ तुरंत बातचीत करे और उनके लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान करे। उन्होंने आईएएस अधिकारी लोकेश कुमार द्वारा बी.टेक, एम.टेक और सिविल इंजीनियरिंग जैसी योग्यताओं वाले युवा पेशेवरों के खिलाफ की गई कथित टिप्पणियों की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के लिए अपनी वास्तविक समस्याओं का समाधान तलाश रहे शिक्षित युवाओं के बारे में इस तरह से बोलना अत्यंत गैरजिम्मेदाराना है। उन्होंने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान सर्वेक्षकों के प्रति कथित व्यवहार की भी निंदा की।

उन्होंने कहा, जब सर्वेक्षकों ने अपनी शिकायतें रखने के लिए कदम उठाए, तो उन पर जो कुछ भी हाथ लगा उससे हमला करने का प्रयास इस सरकार के अहंकार और मनमानी का प्रतिबिंब है। बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को युवाओं की ताकत को कम आंकने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 6,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक न केवल स्वयं का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि उन पर निर्भर 6,000 परिवारों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, सरकार को यह समझना चाहिए कि अगर 6,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों और उनके परिवारों को बेबस कर दिया गया तो क्या हो सकता है। इससे पहले कि स्थिति इतनी बिगड़ जाए, मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को तुरंत सर्वेक्षकों को बुलाकर उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनकी शिकायतों का समाधान करना चाहिए।

अगस्त में बारिश धीमी रहने से किसान चिंतित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मॉनसून का सीज़न आधा बीत चुका है और अब तक तेलंगाना में सामान्य 488.8 मिमी के मुकाबले कुल 430.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो 12 प्रतिशत की कमी है। पिछले साल इसी समय राज्य में लगभग 600 मिमी बारिश हुई थी।

जुलाई के विपरीत, तेलंगाना में अगस्त में मॉनसून का प्रदर्शन अब तक धीमा रहा है। तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के बारिश के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में सामान्य मासिक बारिश 215.8 मिमी होती है, और 19 अगस्त तक राज्य में 90.8 मिमी बारिश हुई है, जो बारिश में 31 प्रतिशत की कमी है।

जून में मॉनसून की शुरुआत धीमी रही, जिसमें सामान्य 130.3 मिमी के मुकाबले 104.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 12 प्रतिशत की कमी थी। हालांकि, जुलाई में मॉनसून में सुधार हुआ और राज्य में सामान्य 227.4 मिमी के मुकाबले 224 मिमी बारिश हुई।

33 ज़िलों में से कुल 17 ज़िलों में अभी सामान्य बारिश की स्थिति है। कामारेड्डी एकमात्र ऐसा ज़िला है जो 23 प्रतिशत अधिक बारिश के साथ 'अधिक बारिश' वाली श्रेणी में है। कुल 15 ज़िले बारिश की कमी वाली श्रेणी में आ गए हैं। हैदराबाद और उसके आस–पास के सभी ज़िले, जिनमें रंगारेड्डी और संगारेड्डी शामिल हैं, सामान्य श्रेणी में हैं, जबकि मेडचल–मलकाजगिरी और यादाद्री भोंगिर ज़िले बारिश की कमी वाली सूची में हैं।

वायरल बुखार और फ़्लू जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लगातार बारिश और ज़्यादा नमी के कारण वायरल बुखार, इन्फ़्लूएंज़ा जैसी बीमारियों और वेक्टर–जनित (मच्छर/कीड़ों से फैलने वाली) बीमारियों के मामलों में तेज़ी से मौसमी बढ़ोतरी हुई है। राज्य के प्रमुख अस्पतालों जैसे फीवर हॉस्पिटल (नल्लाकुंटा), गांधी हॉस्पिटल (सिकंदराबाद), बस्ती दवाखानों, प्राइवेट नर्सिंग होम और क्लीनिकों के ओपीडी (ओपीडी) में वायरल बुखार के आम लक्षणों वाले मरीज़ों की संख्या बढ़ रही है।

सीनियर डॉक्टरों के अनुसार, ज़्यादातर मरीज़ों में ऐसे लक्षण दिख रहे हैं जो कई बीमारियों में एक जैसे होते हैं; यानी उनमें इन्फ़्लूएंज़ा, सामान्य सर्दी–जुकाम, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे ही शुरुआती लक्षण दिखाई दे रहे हैं। हेल्थकेयर सेंटर्स पर मरीज़ जो आम लक्षण बता रहे हैं, उनमें अचानक तेज़ बुखार, शरीर और जोड़ों में तेज़ दर्द, बहुत ज़्यादा थकान और कमज़ोरी, और सिरदर्द शामिल हैं।

फीवर हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉ. मूसा खान कहते हैं, बारिश के मौसम में वायरल बुखार फैलने में नमी वाली स्थितियों की बड़ी भूमिका होती है। ये ज़्यादातर पानी और वेक्टर (मच्छर/कीड़े) से फैलने वाली बीमारियाँ होती हैं। आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों वाले इलाकों में रहने वाले परिवारों को मच्छरों से बचाव करना चाहिए, क्योंकि साल के इस समय बीमारियों के लिए यही मुख्य कारण होते हैं। हम वायरल बुखार में थोड़ी बढ़ोतरी देख रहे हैं, लेकिन ज़रूरी बात यह है कि परिवार कुछ आसान सावधानियाँ बरतकर सुरक्षित रह सकते हैं।

डॉक्टरों ने बताया है कि अभी जो लक्षण दिख रहे हैं, उनमें आम तौर पर अचानक तेज़ बुखार, शरीर में तेज़ दर्द (मायल्जिया), बहुत ज़्यादा थकान और सांस लेने में तकलीफ़ (जैसे गले में खराश और लगातार खांसी) शामिल हैं। हालांकि बारिश के मौसम में लोगों की चिंता अक्सर डेंगू पर केंद्रित रहती है, लेकिन डॉक्टरों ने साफ़ किया कि बड़ी संख्या में मरीज़ों की डेंगू और मलेरिया की रिपोर्ट नेगेटिव आती है। उन्होंने कहा कि असल वजह तेज़ी से फैलने वाले वायरल और रेस्पिरेटरी (सांस संबंधी) स्ट्रेन हैं। जन–स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे मौसमी बीमारियों से सावधान रहें। इसके लिए वे जमा हुए पानी में पनपने वाले मच्छरों के ठिकानों को खत्म करें, पीने के लिए सुरक्षित पानी का इंतज़ाम करें और खुद से दवा लेने से बचें।

ट्रम्प बोले- 2020 चुनाव में 24,000 गैर-नागरिकों ने वोट डाले

चुनाव में मेरी जीत हुई थी, धांधली रोकने के लिए कानून बनाऊंगा

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मतदाता और नागरिकता रिकॉर्ड की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-अमेरिकी नागरिकों के वोट डालने का पता चला है।

ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो मतदाता रिकॉर्ड और नागरिकता रिकॉर्ड का मिलान कर रहा है। अब तक 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच की जा चुकी है। अभी 3.2 करोड़ और मतदाताओं के रिकॉर्ड की जांच होनी बाकी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, अवैध मतदान के मामलों की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2020 के चुनाव में उनकी ही जीत हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि चुनाव में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए वे 'सेव अमेरिका एक्ट'

लाने वाले हैं।

ट्रम्प क्यों उठा रहे हैं यह मुद्दा?

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग के लिए पहचान संबंधी जानकारी देनी होती है। हालांकि पूरे देश में एक जैसा नियम नहीं है। हर राज्य के अपने चुनावी नियम हैं। इसलिए वोट डालने के लिए मांगे जाने वाले दस्तावेज भी राज्य के हिसाब से बदलते हैं।

वॉशिंगटन डीसी समेत 15 ऐसे राज्य हैं जहां वोट डालने के लिए फोटो आईडी जरूरी नहीं है। इनमें से ज्यादातर राज्य ऐसे हैं जहां चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत होती है।

ट्रम्प और उनकी पार्टी के नेता का आरोप है कि जिन राज्यों में फोटो आईडी जरूरी नहीं है, वहां किसी और के नाम पर वोट डालने या गैर-नागरिकों के मतदान का खतरा रहता है। इसलिए वे सख्त पहचान और नागरिकता जांच की मांग कर रहे हैं।

सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रम्प ने 24 हजार गैर-नागरिकों के कथित अवैध मतदान का मुद्दा ऐसे समय उठाया है, जब वह सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। अगर ये कानून पास होता है तो वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का प्रमाण देना अनिवार्य होगा।

ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि इससे गैर-नागरिकों के मतदान पर रोक लगेगी और चुनावी प्रक्रिया ज्यादा सुरक्षित होगी।

2020 में राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे ट्रम्प

अमेरिका में 2020 का राष्ट्रपति चुनाव जो बाइडेन ने जीता था। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रम्प को हराया था। इस चुनाव में बाइडेन को 8.1 करोड़ वोट मिले, जबकि ट्रम्प को 7.4 करोड़ वोट मिले।

इलेक्टोरल कॉलेज में बाइडेन को 306 वोट जबकि ट्रम्प को 232 वोट मिले। वहां राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा इलेक्टोरल वोट से ही तय होता है।

हर राज्य को उसकी आबादी और संसद में उसके प्रतिनिधित्व के आधार पर कुछ इलेक्टोरल वोट मिलते हैं। अमेरिका में सभी राज्यों को मिलाकर 538 इलेक्टोरल वोट हैं। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को 270 वोट चाहिए।

उदाहरण के लिए, अगर किसी उम्मीदवार को किसी राज्य में सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, तो आम तौर पर उस राज्य के सभी इलेक्टोरल वोट उस उम्मीदवार को मिल जाते हैं।

भारत की राह पर अमेरिकी सेना, दक्षिण कोरिया से लेगी 'वज्र' जैसी के9 तोप

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के बढ़ते खतरे के बीच अब अमेरिकी सेना भी यूक्रेन युद्ध से सबक लेते हुए दक्षिण कोरिया से के9 मोबाइल तोप लेने जा रही है। अमेरिकी सेना एक नई व्हील्ड स्वचालित 155 एमएम की तोप लेना चाहती है ताकि एम777 की जगह उसे तैनात किया जा सके। अमेरिकी सेना को उम्मीद है कि के9 तोप की मदद से उसकी हमला करने की रेंज और एक जगह से उसे दूसरी जगह पर पहुंचाने की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। दक्षिण कोरिया की के9 वही तोप है जिसे भारत समेत दुनिया के कई देशों ने खरीदा है और जमीनी हमला करने में काफी सफल मानी जाती है। इसे दक्षिण कोरिया की कंपनी हनवा डिफेंस बनाती है।

अमेरिकी सेना ने अपने मोबाइल टैक्टिकल कैनन प्रोग्राम के तहत के9 तोप को चुना है। दक्षिण कोरियाई कंपनी अमेरिकी सेना को अपनी 155 की एमएम की के9 मोबाइल तोप का प्रोटोटाइप देगी ताकि उसे टेस्ट किया जा सके। अगर यह टेस्ट सफल रहा तो इसे

एम777 की होगी छुट्टी

155मिमि एम777 तोप की जगह पर तैनात किया जाएगा। अमेरिकी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इसे लंबी दूरी हमला करने की ताकत को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत चुना गया है। अभी कंपनी 18 प्रोटोटाइप अमेरिकी सेना को देगी। करीब 4 साल तक अमेरिकी सैनिक इसे टेस्ट करेंगे।

दक्षिण कोरियाई कंपनी के अलावा अमेरिकी, ब्रिटिश और इजरायली कंपनियां भी इसके लिए दावा ठोक रही हैं। इस टेस्ट के दौरान अमेरिकी सैनिक अपनी राय देंगे और बताएंगे कि यह मल्टी डोमेन ऑपरेशन के लिए कतिना कारगर है। के9 तोप को दक्षिण कोरिया की सेना में शामिल किया गया है। इसके अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, एस्टोनिया, फनिलैंड, नार्वे, पोलैंड और तुर्की की सेना में बड़े पैमाने पर शामिल किया गया है। इस तोप में 155 एमएम का गोला दागने की क्षमता है।

के9 तोप में लंबी बैरल लगी है जिससे यह एम777 की तुलना में

ज्यादा दूरी तक हमला करने की क्षमता रखती है। के9 तोप की अधिकतम मारक दूरी 60 किमी है। वहीं एम777 की बात करें तो इसकी अधिकतम मारक दूरी केवल 32 कमिी तक ही है। एम777 तोप को जहां टो करके किसी दूसरी गाड़ी की मदद से ले जाया जाता है, वहीं के9 तोप में पहिए और सुरक्षा के लिए कवच लगा होता है।

के9 तोप बहुत तेजी से हमला करने में माहिर है। के9 तोप में हमेशा 40 राउंड गोला ले जाया जा सकता है। इसके साथ एक के10 सप्लाई वाहन चलता है जो जंग के मैदान में बहुत ही तेजी से रीलोड करने में मदद करता है।

बता दें कि भारतीय सेना भी चीन सीमा पर पहाड़ों में जंग के लिए एम777 तोप का इस्तेमाल करती है। वहीं भारतीय सेना अब बड़े पैमाने पर के9 तोप को शामिल करने पर वचािर कर रही है। अभी भारत के पास 100 के9 तोप है। 100 और के9 तोप का निर्माण किया जा रहा है ताकि उसे चीन सीमा पर तैनात किया जा सके। अभी भारतीय सेना 300 और के9 तोप का ऑर्डर देने पर वचािर कर रही है। इससे कुल के9 तोप की संख्या 500 तक पहुंच जाएगी। इसे भारत में के9 वज्र तोप के नाम से जाना जाता है। के9 तोप इतनी शानदार है कि इसे राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर चीन के पहाड़ी इलाके तक में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

सऊदी अरब के दम्माम में मनाया गया भारत की आजादी का जश्न

कार्यक्रम में जुटे 3000 लोग

दम्माम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के 80वां स्वतंत्रता दिवस दिवस का जश्न सऊदी अरब में धूमधाम से मनाया गया है। इस मौके पर इंडियन ओवरसीज फोरम (आईओएफ) ने लुलु मॉल के साथ मिलकर दम्माम शहर में बड़े सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 3000 से लोग शामिल हुए, जिन्होंने देशभक्ति और भारत-सऊदी की दोस्ती का जश्न मनाया। दम्माम शहर में आईओएफ का यह लगातार दूसरा स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम था। औपचारिक कार्यक्रम की शुरुआत सऊदी अरब के राष्ट्रगान और उसके बाद भारत के राष्ट्रगान के साथ हुई। इसमें एक तरह मेजबान देश के लिए सम्मान दिखाई दिया तो भारत के प्रति गर्व का भाव भी था। देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिनमें भारत की विविधता की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में बाद में वंदे मातरम की प्रस्तुति भी शामिल थी। इस मौके पर बोलते हुए रियाद स्थित भारतीय दूतावास के काउंसलर वाई सबिर ने विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत और सऊदी दोस्ती के बढ़ते दायरे का जिक्र किया और कहा कि भारतीय समुदाय का योगदान और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव दोनों देशों के करीबी रिश्तों को और मज़बूत बना रहा है। कार्यक्रम में रियाद स्थित भारतीय दूतावास के काउंसलर वाई साबिर, मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय के सहायक महानिदेशक मंसूर अल-बिनाली, सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन के निदेशक अब्दुल रहमान अल-जोहानी के साथ समुदाय के नेता और अन्य अतिथि शामिल हुए। इस कार्यक्रम में लुलु प्रबंधन ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

इमरान खान से बहन और पत्नी ने मुलाकात की

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अडियाला जेल पहुंचीं, पूर्व पीएम अस्पताल शिफ्ट किए जाएंगे

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन नोरीन नियाजी और पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में मुलाकात की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह मुलाकात हुई। नोरीन 9 महीने बाद इमरान से मिलीं।

करीब 15 मिनट की मुलाकात में परिवार ने इमरान की सेहत के बारे में पूछा। उन्होंने उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की जानकारी भी दी, जिसमें इमरान को इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया है।

इमरान और पत्नी बुशरा बीबी की मुलाकात करीब 30 से 35 मिनट चली। मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की, लेकिन कोर्ट के निर्देश के मुताबिक मीडिया से बात नहीं की। नोरीन अपनी बहनों अलीमा खान और उजमा खान के साथ अडियाला जेल के रास्ते में डहगल चेकपॉइंट पहुंची थीं। पुलिस ने तीनों को रोक

लिया। बाद में सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने के लिए जेल जाने दिया।

करीब 15 मिनट की मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की। हालांकि, कोर्ट में दिए भरोसे के मुताबिक उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इमरान के परिवार से हर हफ्ते मुलाकात कराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि परिवार से मिलना कोई एहसान नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है।

अदालत ने पिछले 3 साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई मुलाकातों का रिकॉर्ड भी मांगा है। उनके बेटों से हुई बातचीत और फोन कॉल की जानकारी देने को भी कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने उनके इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने को कहा है, जिसमें उनके निजी डॉक्टर और बहन डॉ. उजमा खान को शामिल किया जाएगा।

शहबाज सरकार इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करेगी। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि सरकार ने कोर्ट के आदेश की समीक्षा की है। सरकार का मानना है कि आदेश के कुछ हिस्से मौजूदा कानून के मुताबिक नहीं हैं। तरार ने कहा कि पाकिस्तान की जेलों में कई कैदी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। अगर इमरान को जेल से बाहर एक खास अस्पताल में इलाज की सुविधा दी जाती है, तो सवाल है कि क्या यही नियम दूसरे कैदियों पर भी लागू होगा? सरकार का कहना है कि आम तौर पर कैदियों का इलाज सरकारी अस्पतालों और तय सरकारी व्यवस्था के तहत होता है।

तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास

सिओल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी। यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था।

ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग-अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं।

योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है।

अमेरिका में 27 साल रही भारतवंशी महिला हिरासत में

आईसीई ने पूछताछ के बाद किया डिटेन वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में 27 साल से रह रहीं भारतीय मूल की वेंकटा वासमसेट्टी को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने हिरासत में ले लिया।

11 अगस्त को शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के दौरान पूछताछ के बाद उन्हें डिटेन किया गया।

वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड है और वह नॉर्थ कैरोलिना के सरकारी स्कूल में स्पेशल-नीड्स बच्चों को पढ़ाती हैं।

वेंकटा जुलाई 2022 में बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। वहां उन्हें कोविड हुआ और करीब दो हफ्ते अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह फरवरी 2023 में करीब 7 महीने बाद अमेरिका लौटीं।

अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी

लंबी गैर-मौजूदगी को आधार बनाकर सवाल उठाया कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था।

वेंकटा के वकीलों ने कहा कि उनका घर, नौकरी और परिवार अमेरिका में है और उन्होंने स्थायी रूप से भारत लौटने का इरादा नहीं किया था।

ग्रीन कार्डधारक 180 दिन से ज्यादा अमेरिका से बाहर रहें तो इमिग्रेशन अधिकारी यह जांच कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका को अपना स्थायी घर बनाए रखा है या नहीं। वेंकटा के खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्रवाई चल रही थी और उन्हें नियमित रूप से आईसीई के सामने पेश होना पड़ता था। 19 मई को इमिग्रेशन जज ने केस खत्म कर दिया।

जज ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट और ठोस सबूत नहीं दे पाई कि वेंकटा को अमेरिका से बाहर किया जा सकता है।

इसके बावजूद 11 अगस्त को आईसीई कार्यालय में चेक-इन के दौरान उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल उन्हें जॉर्जिया के इरविन काउंटी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वेंकटा को गंभीर डायबिटीज है और उनके वकील के मुताबिक, हिरासत में लिए जाने के समय उनके पास इंसुलिन और जरूरी मेडिकल सप्लाई नहीं थीं।

नाबालिग से 3 साल तक रेप, 2 बार प्रेग्नेंट हुई

दवा खिलाकर अबॉर्शन कराया दूसरी बार शादीशुदा बताकर कराई डिलीवरी, फिर नवजात को बेचा

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में नाबालिग से रेप और नवजात को बेचने का मामला सामने आया है। 16 साल की लड़की ने अपने पिता पर करीब 3 साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पिता, बुआ समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि रेप के बाद वह 2 बार प्रेग्नेंट हुई। इस दौरान आरोपियों ने दवाई खिलाकर जबरदस्ती अबॉर्शन भी कराया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में फर्जी दस्तावेज तैयार कराने और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराने से जुड़े लोग भी शामिल हैं।

इजरायल और तुर्की के लड़ाकू विमानों के बीच शुरू हो सकता था युद्ध

तेल अवीव, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगवलवार शाम को सीरिया में किए गये स्ट्राइक की जिम्मेदारी ली है। जबकि तुर्की में अमेरिकी राजदूत और सीरिया के लिए ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत टॉम बैराक ने कहा कि इस हमले से 'इजरायल और तुर्की के साथ-साथ सीरिया के बीच सीधे सैन्य टकराव में तेजी से बढ़ने का वास्तविक जोखिम था।'

बैराक ने बुधवार को 'द जेरूसलम पोस्ट' के साथ एक इंटरव्यू में कहा 'तुर्की की सेनाओं को यह पता नहीं था कि इजरायली विमान उस खास सीरियाई बेस की ओर जा रहे थे और न ही उन्हें उनके मकसद का पता था। इसलिए यह मुमकिन था कि वे यह सोचकर अपने जेट्स को तुरंत उड़ान भरने के लिए तैयार कर सकते कि उन पर ही हमला हो रहा है।' उन्होंने आगे कहा 'कल की घटनाएं गंभीर और चिंताजनक थीं। हालांकि हमें राहत है कि किसी की जान नहीं गई और स्थिति और ज्यादा नहीं बिगड़ी।'

सीरिया ने मंगलवार को कहा कि इजरायल ने तुर्की सीमा से लगभग 70 किलोमीटर पूर्व में स्थित अबू अल-दुहुर में रनवे और स्टोरेज सुविधाओं पर आठ हवाई हमले किए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार देर रात कहा कि एयरबेस पर तुर्की सैनिकों की तैनाती की इजाजत देकर सीरिया 'सुरक्षा मामलों पर इजरायल के साथ बनी यथास्थिति' का उल्लंघन करने की 'कगार' पर था। इजरायली पीएमओ ने कहा 'इजरायल ने सीरिया को बार-बार चेतावनी दी थी कि इस तरह की तैनाती से इजरायल की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। सीरिया ने इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया।'

बैरक ने 'पोस्ट' को बताया कि बातचीत के साफ जरिया न होने से हालात 'बहुत ज्यादा खराब' हो

अमेरिकी राजदूत ने क्यों दी चेतावनी?

सकते थे और इसे बदलने की जरूरत है। बैरक ने कहा 'हम अभी इजरायल और सीरिया के बीच डी-कॉनफ्लिक्शन सेल को फिर से शुरू करने के बारे में सभी संबंधित पक्षों के साथ चुपचाप बातचीत कर रहे हैं। इसमें तुर्की को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है।'

डोनाल्ड ट्रंप के दूत ने कहा कि भरोसेमंद संचार चैनलों की अनुपस्थिति ही अनावश्यक जोखिम पैदा करती है। उन्होंने कहा 'इन पार्टियों को संचार की खुली लाइनें बनाए रखने से रोकने वाली कोई अंतर्निहित बाधा नहीं है। कूटनीतिक बातचीत गतिशील बातचीत के लिए सबसे अच्छी रोकथाम है।'

आपको बता दें कि हाल के सालों में बराक ने सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा की सरकार और इजरायल के सीनियर अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत कराई है।

नेपाल से अग्निवीरों की होगी भर्ती?

बालेन शाह के 'गोरखा टेस्ट' ने बढ़ाई भारत-नेपाल की टेंशन, 200 साल पुरानी परंपरा

काठमांडू/नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखा भर्ती का मुद्दा एक बार फिर भारत-नेपाल के सैन्य संबंधों के बीच आ गया है। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा के बीच गोरखा पूर्व सैनिक प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर दबाव बढ़ा रहे हैं ताकि 'अग्निपथ योजना' के तहत नेपाली युवाओं की भारतीय सेना में भर्ती को लेकर बने गतिरोध को खत्म किया जा सके।

जनरल सेठ की तीन दिन की नेपाल यात्रा में पोखरा में गोरखा पूर्व सैनिकों की एक रैली में शामिल होना भी शामिल है जहां लंबे समय से अटके भर्ती के मुद्दे पर सबकी नजरें टिकी होंगी। पूर्व सैनिक और उनके समर्थक पहले ही सड़कों पर उतर चुके हैं और मांग कर रहे हैं कि काठमांडू

नेपाली नागरिकों को 'अग्निवीर' के तौर पर भारतीय सेना में शामिल होने की अनुमति दे।

हाल ही में पोखरा में एक विरोध प्रदर्शन किया गया था जिसमें नेपाल के युवाओं को भारत में अग्निवीर सैनिकों में भर्ती की मांग की गई थी। गोरखा सेना के पूर्व सैनिकों ने कहा कि गल्फ देशों में काम करने से कहीं बेहतर है भारतीय सेना में अग्निवीर बनना। उनका यह संदेश काठमांडू के सामने मौजूद दुविधा को दिखाता है। नेपाल का राजनीतिक नेतृत्व गोरखा सैन्य सेवा की शर्तों में हुए बदलाव को विवादित मानता है जबकि पूर्व सैनिकों का एक वर्ग इसे युवा नेपालियों के लिए रोजगार का एक अहम मौका मानता है।

बता दें कि गोरखाओं और भारतीय सेना के बीच का रिश्ता 200 साल से भी ज्यादा पुराना है। 1814-16 के एंग्लो-नेपाली युद्ध के बाद ब्रिटिश सेना ने गोरखा सैनिकों की भर्ती शुरू की थी। अपनी बहादुरी और युद्ध के मैदान में बेहतरीन प्रदर्शन के कारण गोरखा सैनिक बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना का एक अहम हिस्सा बन गए।

भारत की आजादी के बाद भी भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती जारी रही। 1947 में भारत, नेपाल और ब्रिटेन के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ था जिसने भारतीय और ब्रिटिश सेनाओं में नेपाली गोरखाओं की भर्ती जारी रखने का आधार तैयार किया था।

बंद घर से जेवर-नगदी चोरी

दो दिन में तीसरी घटना, गिरिडीह गया था परिवार, ढाई लाख रुपए की संपत्ति ले गए चोर

कोडरमा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्णानगर स्थित एक बंद मकान से बीती रात चोरों ने लाखों के जेवरात और नगदी चुरा लिए। गृह स्वामी विकास सिंह की पत्नी कंचन कुमारी ने इस घटना की जानकारी दी है। कंचन कुमारी ने बताया कि वे मूल रूप से गिरिडीह जिले के जमडीहा के रहने वाले हैं। नौ दिन पहले उनके चाचा ससुर का निधन हो जाने के कारण परिवार गिरिडीह गया हुआ था। हालांकि, इस दौरान कंचन और उनकी मां, जो कोडरमा में ही रहती हैं, लगातार घर की निगरानी कर रही थीं। बुधवार सुबह जब उनकी मां एक बार फिर घर देखने आईं, तो उन्होंने मुख्य दरवाजे का ताला खुला पाया।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति शासन प्रणाली की तैयारी

असीम मुनीर हाथ में लेना चाहते हैं ताकत, बदलेगा संविधान?

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी हो रही है, जो आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर को और ताकतवर बना देगा। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का सैन्य तंत्र 10 साल की राष्ट्रीय योजना पर काम कर रहा है। यह बदलाव पहले से ही ताकतवर सेना की देश पर पकड़ को और मजबूत करेगा। प्रस्तावित योजना में आर्थिक सुधार के साथ ही बड़े संवैधानिक बदलाव भी हो सकते हैं। जिन सुधारों पर चर्चा हो रही है उनमें राष्ट्रपति शासन प्रणाली, नए प्रांतों और प्रशासनिक इकाइयों का गठन, केंद्र और प्रांतों के बीच वित्तीय संसाधनों के बंटवारे में बदलाव शामिल हैं। पाकिस्तान बनने के बाद से ही देश की राजनीति और विदेश नीति पर सेना का मजबूत हस्तक्षेप रहा है। लेकिन नई योजना का मकसद उस दबदबे को औपचारिक रूप देना है। इसमें सबसे अहम प्रस्ताव यह है कि सेना को सरकार के फैसलों में बराबर की भूमिका दी जाए। इस प्रस्ताव को ऐसे समय में लाने की तैयारी है, जब पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। भारत कर्ज, राजनीतिक विभाजन और नागरिक सरकार की कार्यक्षमता पर लगाता उठते सवालों ने पाकिस्तान को एक नाकाम देश के रूप में स्थापित किया है। पाकिस्तान की राजनीतिक पर सेना की मजबूत पकड़ रही है लेकिन सैन्य नेतृत्व देश की बर्बादी का ठीकरा राजनीतिक दलों पर फोड़ रहा है। सेना का शीर्ष नेतृत्व शासन की नाकामी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के लिए सत्ता का कुछ खास परिवारों में सिमटे रहने को वजह बताया है। इसमें शरीफ और भुट्टो/जरदारी परिवार लंबे समय तक सत्ता में रहे हैं। पाकिस्तान की नई योजना में संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली की ओर बदलाव की बात हो रही है। यह तुर्की और मिस्र के मॉडल से प्रेरित है, जहां राष्ट्रपति के पास बहुत अधिकार हैं। इस प्रस्ताव के पीछे जनरल मुनीर की मजबूत सोच है कि एक मजबूत राष्ट्रपति पद से फैसले तेजी से लिए जा सकेंगे। जनरल मुनीर का मानना है कि पूरे डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल के तहत राष्ट्राध्यक्षों के साथ सीधे संपर्क अमेरिका और चीन जैसी बड़ी ताकतों के साथ बातचीत में पाकिस्तान की स्थिति मजबूत हो सकती है।

हवा में चट्टान पर टिका है यह शिवालय, इतिहास और प्रकृति का चमत्कार देखने पहुंचते हैं श्रद्धालु

भीलवाड़ा. सावन के मौके पर आज हम आपको भीलवाड़ा के पास एक ऐसा शिवालय के बारे बताने जा रहे हैं, जिसे देखकर पहली नजर में हर कोई हैरान रह जाता है. पहाड़ की एक विशाल चट्टान पर टिका अधरशिला महादेव मंदिर ऐसा नजर आता है, जैसे पूरा मंदिर हवा में लटका हुआ हो. करीब 1200 साल पुराने इस मंदिर को लेकर लोगों में गहरी आस्था है. खास बात यह है कि यहां धर्म और नेचर का ऐसा कनेक्शन देखने को मिलता है, जो इसे बाकी मंदिरों से अलग बनाता है।

पहाड़, चट्टान और उसके ऊपर बना शिवालय का नजारा किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लगता. यही वजह है कि भीलवाड़ा और आसपास के इलाकों के साथ दूर-दराज से भी श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं. कोई भगवान शिव के दर्शन के लिए आता है तो कोई इस अनोखी जगह और इसके इतिहास को करीब से देखने के लिए. अधरशिला महादेव मंदिर आज भी अपने रहस्य, मान्यताओं और नेचर की खूबसूरती के चलते लोगों के बीच खास आकर्षण बना हुआ है।

शहर से 15 किमी की दूरी पर है अधरशिला महादेव मंदिर

भीलवाड़ा शहर से 15 किमी दूर पुर के निकट अधरशिला महादेव मंदिर है. यह मंदिर एक चट्टान पर टिका हुआ है, जिसके वजह से इसको अधरशिला महादेव मंदिर कहते हैं. इस मंदिर में राजस्थान, मध्य प्रदेश से शिव भक्त महादेव के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं. यहां की मान्यता है कि यहां पर पूजा पाठ करने से भक्तों के सारे कष्ट, पीड़ा और दर्द दूर हो जाते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

मंदिर में विराजमान हैं शिव पंचायत

इस मंदिर में शिव पंचायत विराजमान है. शिवलिंग के ऊपर की शीला बिल्कुल अधर में है और कोई सपोर्ट नहीं है. रात्रि में जंगली जानवर आते हैं, लेकिन किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं. प्रतिदिन यहां भगवान भोलेनाथ की सहस्त्रधारा कर विशेष श्रृंगार किया जाता है. भोले बाबा के श्रृंगार का विशेष महत्व नहीं है और वे निरंकारी हैं. इनके अभिषेक का विशेष महत्व होता है।

श्री चौरंगी नाथ महाराज का यहां है जीवित समाधि

स्थानीय निवासी महिंद्र पायक ने बताया कि भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर में स्थित अधरशिला महादेव मंदिर 1200 साल से अधिक प्राचीन है. यहां पर करीब 1200 साल पहले श्री चौरंगी नाथ महाराज ने तपस्या की थी. इसी मंदिर परिसर में उनकी जीवित समाधि भी है. यह एक दर्शनीय स्थान होने के साथ ही पर्यटन स्थल के रूप में भी काफी खूबसूरत है. यहां पर हर सोमवार और रविवार को शिव भक्त महादेव के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

सृजन के अनूठे रूपों का प्रमाण है रामचरितमानस

बहुत कम साहित्य ऐसे हैं, जो मनुष्य की रग-रग में बस गए हों, परिवारों की आचार-संहिता बन गए हों। ऐसे ही साहित्य का नाम है- रामचरितमानस। इसके रचयिता तुलसीदास जी की आज जयंती है। पिछले वर्षों में देखा गया है कि तुलसीदास को केवल एक साहित्यकार मानकर आयोजन कर दिए जाते हैं, जबकि वे मनोवैज्ञानिक ऋषि थे।

450 वर्ष बीत गए हैं रामचरितमानस की रचना हुए। 2 वर्ष, 7 महीने और 26 दिन लगे थे इसकी रचना में। 80 वर्ष के थे तुलसीदास उस समय। कौन कहता है उम्र बाधा बन जाती है। बल्कि होता तो यह है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सृजन और निखर जाता है।

शब्दों के सृजन के कितने अनूठे रूप हो सकते हैं, रामचरितमानस इसका प्रमाण बन गया। तुलसीदास ने 126 वर्ष की उम्र पूरी की। सवा सौ वर्षों में इन्होंने हजारों साल का काम कर दिया। हम उनसे सबक लें कि परमात्मा के प्रति अटूट भरोसा रखें, योग्यता को लगातार निखारें और इस बात पर ध्यान दें कि उम्र की किस अवधि में कौन-से काम किए जाएं और कौन-से नहीं।

भद्रा में राखी बांधने से क्या होता है?

हर साल रक्षाबंधन पर क्यों होती है इसकी चर्चा

रक्षाबंधन का त्योहार सावन पूर्णिमा के दिन मनाते हैं. इस दिन शुभ मुहूर्त में बहनें अपने भाइयों को राखी बांधती हैं और उनके कुशल जीवन की कामना करती है. वहीं भाई अपनी बहन को उपहार देते हैं और उनकी सुरक्षा का वचन देते हैं. राखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त का होना जरूरी है, लेकिन रक्षाबंधन पर भद्रा की चिंता लोगों को अधिक रहती है. हर कोई जानना चाहता है कि इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा तो नहीं है. जिस बार रक्षाबंधन पर भद्रा होती है तो त्योहार का मजा किरकिरा हो जाता है क्योंकि भद्रा के समय में राखी नहीं बांधी जाती है. अगर कोई भद्रा में राखी बांधता है तो क्या होगा?

भद्रा कौन हैं?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भद्रा भगवान सूर्य और उनकी पत्नी छाया की पुत्री हैं. भद्रा के भाई न्याय के देवता शनिदेव हैं. वहीं यमराज और यमुना भी उनके भाई और बहन हैं, लेकिन वे सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा से उत्पन्न हुए. भद्रा बचपन से ही आक्रामक और उग्र स्वभाव की थीं. वे हर जगह उथल-पुथल मचा देती थीं

कहा जाता है कि भद्रा का जन्म असुरों के वध के लिए हुआ. वे दूसरों में भय करने वाली हैं. उनका शरीर श्यामवर्ण का है, उनके दांत बड़े हैं और बाल भी काफी लंबे हैं. उनके स्वरूप को देखकर कोई भी डर जाए।

वे अपने जन्म के बाद से ही हवन, यज्ञ, जप, तप और अन्य मांगलिक कार्यों में बाधाएं डालने लगी थीं. लोग उनसे काफी दुखी हो गए. भद्रा के स्वभाव से उनके पिता सूर्यदेव भी काफी चिंतित हो गए. एक दिन वे ब्रह्मा जी के पास गए और भद्रा के बारे में उनसे बात की।

ब्रह्मा जी ने भद्रा को समझाया कि तुम्हारे कार्यों से दूसरों की शांति भंग हो जाती है. इस वजह से तुम्हारे लिए एक समय निर्धारित करते हैं, उसमें तुम वास करोगी. तुम्हारा वास तीनों लोकों स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल में होगा. जब तुम्हारे समय में कोई शुभ कार्य करे तो तुम उसमें विघ्न-बाधा उत्पन्न करना. ब्रह्मा जी ने पंचांग में बव, बालव आदि करणों के बाद भद्रा के निवास का स्थान तय किया।

इस तरह से पंचांग में भद्रा का समय तय हो गया. जिस तिथि में जब विष्टि करण होता है, तो उस समय भद्रा लग जाती है. भद्रा जब धरती पर हो तो उस समय कोई भी शुभ काम नहीं करते हैं. जब ये स्वर्ग या पाताल लोक में हों तो उनका दुष्प्रभाव धरती पर नहीं होता है।

भद्रा में राखी बांधने से क्या होता है?

यदि कोई बहन अपने भाई को भद्रा में राखी बांधती है तो वह अशुभ होता है. उसके जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है. कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं, विघ्न और बाधाओं से सफलता मिलनी कठिन हो सकती है. इस वजह से भद्रा के समय में रक्षाबंधन नहीं मनाते हैं।

रक्षाबंधन कब है?

इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त शुक्रवार को है. उस दिन सावन पूर्णिमा है. पूर्णिमा तिथि 28 अगस्त को सुबह 9:48 बजे तक है. पूरे दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा।

रक्षाबंधन पर भद्रा का साया है?

नहीं, इस बार रक्षाबंधन के दिन भद्रा का साया नहीं है. इस वजह से आप निश्चिंत होकर रक्षाबंधन का त्योहार मना सकते हैं।

पत्नी के प्रेम में सुध बुध भूले तुलसीदास

एक ही फटकार में पत्नी ने बना दिया गृहस्थ से राम भक्त

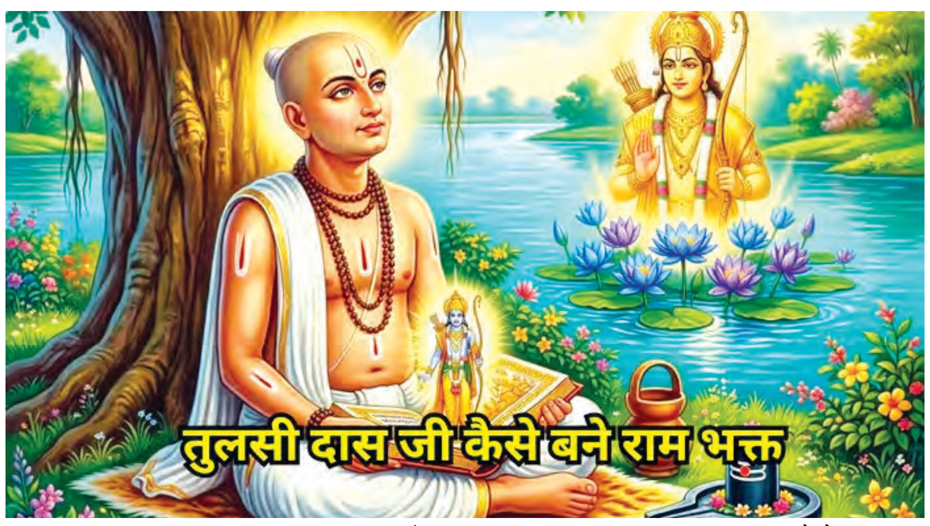

जब भी भगनाम राम के भक्तों की बात की जाती है तो उनमें संत तुलसीदास जी का नाम भी आता है। जिन्होंने राम रचित मानस को घर घर में पहुंचा दिया है। लेकिन, क्या आप जानता है भी तुलसीदास जी संत बनने से पहले गृहस्थ जीवन में थे। आइए जानते हैं उनके गृहस्थ से संत बनने की रोचक कहानी।

गोस्वामी तुलसीदास जी जिन्हें भगवान राम के अनन्य भक्त माना जाता है। तुलसीदास जी ने कठिन संस्कृत श्लोकों में बंद राम कथा को आम बोलचाल की अवधी भाषा में श्रीरामचरितमानस के रुप में घर घर तक पहुंचा दिया है। तुलसीदास जी की जयंती हर साल सावन मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाई जाती है। आज 19 अगस्त को तुलसीदास जी की जयंती है। क्या आप जानते हैं तुलसीदास जी संत बनने से पहले एक साधारण गृहस्थ जीवन जी रहे थे।

कैसे तुलसीदास जी की पत्नी ने उन्हें बना दिया महान संत

तुलसीदास जी का विवाह एक अत्यंत विदुषी कन्या रत्नावली के नाम से हुआ था। तुलसीदास जी अपने पत्नी से बहुत प्यार करते थे। वह अपनी पत्नी के बिना एक पल भी नहीं रह पाते थे। एक बार उनकी पत्नी अपनी मायके गई थी। तुलसीदास जी का अपनी पत्नी के बिना मन नहीं लगा तो वह रात में ही बारी बारिश के बीच उफनती नदियों को पार करते हुए रात में ही अपने ससुरा पहुंच गए। ससुराल पहुंचने के लिए उन्होंने उफनती नदी को पार करने के लिए बहते हुए शव को लकड़ी का लट्ठा समझ लिया और कमरे की खिड़की तक चढ़ने के लिए लटकते हुए विषैले सांप को रस्सी समझकर पकड़ लिया। इस तरह वह अपने ससुराल पहुंचे। जब रत्नावली को यह पता चला तो वह तुलसी दास की अंधा प्रेम देखकर बहुत दुखी हुई और बोली

लाज न लागत आपको, दौरे आयहु साथ।

धिक-धिक ऐसे प्रेम को, कहा कहौं मैं नाथ॥

अस्थि चर्म मय देह यह, तासों जैसी प्रीति।

तैसी जौ श्री राम महँ, होत न तौ भवभीति॥

इसका अर्थ है कि आपको लज्जा नहीं आई इस तरह कैसे चले आए? ऐसे देह प्रेम को धिक्कार है। हाड़ मास के इस शरीर से जितना प्रेम है अगर उतना आपने भगवान राम से किया होता तो आका बेड़ा पार हो जाता। तुलसी दास जी निकल पड़े भगवान राम की खोज में पत्नी की ऐसी बात सुनकर तुलसीदास जी बहुत दुखी हुए और पत्नी की ये बातें सीधा उनके दिल में घर कर गई। इसी क्षण उनके मोह के सारे बंधन टूट गए, उन्होंने तुरंत गृहस्थ जीवन का त्यार कर दिया और भगवान राम की भक्ति में लीन होकर भगवान राम की खोज में निक पडे।

सावन में करें शिव के चमत्कारी मंदिर के दर्शन

शिवलिंग पर चढ़ मक्खन पिघलता नहीं जम जाता है

भारत में ऐसे कई रहस्यमयी और चमत्कारी मंदिर हैं। इन मंदिरों से जुड़ी मान्यताएं आज भी लोगों को हैरान करती हैं। कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थित गवि गंगाधरेश्वर मंदिर भी ऐसा ही एक प्राचीन और चमत्कारी शिव मंदिर है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग पर चढ़ाया गया घी और मक्खन कभी पिघलता नहीं है।

भारत में ऐसे कई अद्भुत मंदिर हैं जो अपनी रहस्यमयी और चमत्कारी मान्यताओं की वजह से बेहद प्रसिद्ध हैं। ऐसा ही एक प्राचीन और दिव्य मंदिर कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थित स्थित है। मंदिर के भीतर मौजूद शिवलिंग से जुड़ी कई ऐसी मान्यताएं हैं, जो पहली बार सुनने पर किसी रहस्य से कम नहीं लगतीं। मान्यता है कि यहां शिवलिंग पर चढ़ाया गया मक्खन कभी पिघलता नहीं है। यही अनोखी मान्यता इसे सावन में शिवभक्तों के लिए खास बना देती है।

गुफा में विराजते हैं गंगाधरेश्वर

बेंगलुरु के गविपुरम इलाके में स्थित गवि गंगाधरेश्वर मंदिर भगवान शिव का एक प्राचीन गुफा मंदिर है। इसे दक्षिण बेंगलुरु का केव टेंपल भी कहा जाता है। मंदिर की सबसे खास बात इसकी चट्टानों से बनी संरचना हैं, जहां गुफा के अंदर शिवलिंग है। मंदिर में भगवान शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। मान्यता है कि यहां शिव की आराधना करने से मन को शांति मिलती है और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

शिवलिंग पर मक्खन जमने की मान्यता गवि गंगाधरेश्वर मंदिर से जुड़ी एक दिलचस्प मान्यता शिवलिंग पर किए जाने वाले घी और मक्खन के अभिषेक से भी जुड़ी है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग पर घी और मक्खन चढ़ाने के बाद वह पिछलता नहीं है। इसकी खास बात यह बताई जाती है कि मक्खन पिघलने के बजाय जम जाता है। कुछ श्रद्धालु इसे भगवान शिव की विशेष कृपा और मंदिर के रहस्यमयी वातावरण से जोड़कर देखते हैं।

सूर्य की किरणें करती हैं शिवलिंग का अभिषेक

इस मंदिर की एक और खास पहचान मकर संक्रांति से जुड़ी है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की किरणें नंदी के सींगों के बीच से होकर सीधे शिवलिंग तक पहुंचती हैं।

इस दुर्लभ दृश्य को सूर्याभिषेक के रूप में जाना जाता है। यह अद्भुत नजारा साल में एक बार देखने को मिलता है। इस दिव्य पल को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं।

घर के मंदिर में कितने शंख रखें 1 या 2?

घर के मंदिर में शंख रखने को हिंदू धर्म में बहुत ही शुभ माना जाता है। वैदिक ज्योतिष में ग्रह दोष निवारण के लिए शंख को बेहद ही महत्वपूर्ण उपाय के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, शंख का सीधा संबंध धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु से होता है, इसलिए घर के मंदिर में शंख को सही तरीके से रखना आपके ग्रह को मजबूत बनाता है। वहीं, गलत तरीके से रखा हुआ शंख आपके लिए जीवन भर परेशानी का कारण भी बन सकता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में शंख रखने के जरूरी नियम क्या हैं।

घर के मंदिर में कितने शंख रखें?

ज्योतिष के अनुसार, घर के मंदिर में एक साथ दो शंख कभी भी नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से दोनों शंखों की ऊर्जा आपस में टकराती है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, इससे घर में कलेश और गृह दोष उत्पन्न होता है।

शुक्र ग्रह को मजबूत करने का उपाय

मंदिर में दक्षिणावर्ती शंख रखने से शुक्र ग्रह शुभ फल देता है। इसके शुभ प्रभाव से घर में धन, वैभव और ऐश्वर्या की वृद्धि होती है।

बजाने वाले शंख से न करें पूजा

पूजा के दौरान जिस शंख को आप बजाते हैं, उस शंख से भगवान का अभिषेक न करें और ना ही उससे जल चढ़ाएं। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, बजाने से शंख जूठा हो जाता है, इसलिए उससे पूजा का शुभ लाभ नहीं मिलता।

शंख को किस दिशा में रखें?

शंख को हमेशा मंदिर के ईशान कोण में ही रखें। ईशान कोण को देव दिशा कहा जाता है। इस दिशा में शंख रखने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है और ज्ञान बढ़ता है।

राहु-केतु के दोष के उपाय?

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, मंदिर में रखे शंख में रोजाना गंगा जल या साफ पानी भरें। इस पानी को अगले दिन पूरे घर में छिड़कने से राहु-केतु के बुरे प्रभाव खत्म होता है और नजर दोष से भी राहत मिलती है।

शंख रखने का सही तरीका?

ज्योतिष के अनुसार, शंख का खुला हुआ भाग हमेशा ऊपर की तरफ और उसकी पूंछ यानी नुकीला हिस्सा भगवान की मूर्ति की तरफ होनी चाहिए। इस तरह से शंख को रखने से ग्रहों से आने वाली सकारात्मक ऊर्जा आपके घर के मंदिर में बनी रहती है।

शंख को कभी भी सीधा जमीन पर नहीं रखना चाहिए। इसे हमेशा तांबे या पीतल के स्टैंड पर रखें। ऐसा करने से सूर्य और गुरु ग्रह से जुड़े हुए ये धातु मंदिर में ऊर्जा को बनाए रखते हैं।

किचन में गुस्सा और तनाव से बढ़ सकती है नकारात्मकता

घर की रसोई को केवल खाना बनाने वाली जगह नहीं होती, बल्कि यह पूरे परिवार की सेहत, ऊर्जा और सौभाग्य का क्रेंद भी मानी जाती है। हिंदू परंपरा और वास्तु शास्त्र, हमारा मन जैसा रहेगा, उसका असर हमारे भोजन पर भी देखने को मिलता है। अगर हम बहुत गुस्से, चिड़चिड़ापन और तनाव में खाना बनाते हैं, तो वह नकारात्मक ऊर्जा हमारे भोजन में शामिल हो जाती है, जिससे घर में कलह-क्लेश देखने को मिलता है और घर के सदस्यों में बीमारियां भी बढ़ने लगती है।

शांत और प्रसन्न मन से पकाएं भोजन

वास्तु के अनुसार, खाना बनाते समय आपका मूड बहुत मायने रखता है। कभी भी गुस्से और मजबूरी में खाना नहीं बनाना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से भोजन शरीर को पोषण देने के बजाय कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है। खाना बनाते समय अपने मन को शांत और खुश रखें, इससे भोजन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

प्यार से परोसें

खाना बनाने जितना ही महत्वपूर्ण उसे परोसने का अंदाज़ भी है। जब आप चेहरे पर मुस्कान और अपनों के प्रति प्रेम भाव रखकर भोजन परोसते हैं, तो इससे रिश्तों की डोर और मजबूत होती है। साथ बैठकर प्यार से खाया गया खाना न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि आपसी तालमेल और खुशियों को भी बढ़ाता है।

बिना स्नान किए न बनाएं खाना

बिना नहाए या अशुद्ध अवस्था में रसोई में प्रवेश करने से नकारात्मकता बढ़ती है। सुबह स्नान करने के बाद ही शुद्ध मन और शरीर से खाना बनाना शुरू करें। इससे भोजन में शुद्धता और स्वाद दोनों बढ़ते हैं।

मन अशांत हो तो ठहरें

बिजी दिनचर्या में हर वक्त मन को शांत रखना बहुत मुश्किल हो गया है, लेकिन रसोई में कदम रखने से पहले अपने मन को शांति रखना बहुत जरूरी है। अगर दिमाग में तनाव या गुस्सा हो, तो कुछ पल रुकें और मन शांत होने पर ही भोजन बनाएं। इसके लिए अपनी पसंद का कोई मंत्र, शांत संगीत या प्रार्थना सुन सकते हैं। इससे आपका मूड बेहतर होता है और सकारात्मक ऊर्जा के साथ खाना बनाने में मदद मिलती है।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 20 अगस्त - 2026

लाठी नहीं, संवाद जरूरी

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के बाद देश में एक बदलाव का संकेत दिखाई दे रहा है। नई पीढ़ी अपने अधिकारों, खासकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और बेहतर अवसरों की मांग को लेकर सड़कों पर उतर रही है। इस बदलाव में जेनरेशन जेड के साथ जेनरेशन अल्फा की भी मौजूदगी बताती है कि युवा अब व्यवस्था के निष्क्रिय दर्शक नहीं रहना चाहते। वे सवाल पूछना और जवाब मांगना अपना अधिकार मानते हैं। यही लोकतंत्र की जीवंतता है। इसी संदर्भ में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली में एक राजनीतिक दल के संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग की जांच के लिए हाईपावर कमिटी गठित करने का निर्देश दिया है। दिल्ली पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग के आरोपों से इनकार किया है। दूसरी ओर, बिहार सरकार ने एक घटना में एके-47 के इस्तेमाल की बात स्वीकार की, हालांकि उसके अनुसार किसी को चोट नहीं लगी। इन अलग-अलग दावों के बीच निष्पक्ष जांच ही सच सामने लाने का रास्ता है। सवाल संवैधानिक अधिकारों का है। दिल्ली पुलिस ने अपने हलफनामे में यह भी कहा है कि प्रदर्शन में आपराधिक रिकॉर्ड वाले कुछ लोग शामिल हो गए थे। यदि ऐसा हुआ है तो कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन इससे हर प्रदर्शनकारी के साथ कठोर या अनुचित व्यवहार को सही नहीं ठहराया जा सकता। संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। सुप्रीम कोर्ट भी अपने कई फैसलों में स्पष्ट कर चुका है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। सरकार की नीतियों, उसके कामकाज या किसी अन्य मुद्दे से असहमति हो तो नागरिक अपनी बात प्रदर्शन के माध्यम से रख सकते हैं। बेशक, विरोध का अधिकार असीमित नहीं है। सार्वजनिक व्यवस्था, सुरक्षा और दूसरे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। लेकिन प्रतिबंध का आधार स्पष्ट, अनुपातिक और कानूनसम्मत होना चाहिए। यदि किसी आंदोलन से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होती है तो उसका समाधान भी कानून के दायरे में होना चाहिए। प्रशासन का काम असहमति को कुचलना नहीं, बल्कि उसे व्यवस्थित करना है। इस जांच का महत्वपूर्ण पहलू महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने के आरोप भी हैं। प्रदर्शन के दौरान सामने आए कुछ वीडियो गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उनकी सत्यता और संदर्भ की निष्पक्ष जांच जरूरी है, क्योंकि मामला केवल पुलिस कार्रवाई का नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और गरिमा का भी है। समिति की विश्वसनीयता इसी बात से तय होगी कि वह सभी पक्षों को सुने, उपलब्ध वीडियो और अन्य साक्ष्यों की स्वतंत्र जांच करे और जिम्मेदारी तय करने में किसी तरह का पूर्वाग्रह न रखे। पुलिस बल भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आवश्यक अंग है; उसके सामने कठिन परिस्थितियां होती हैं। इसलिए जांच का उद्देश्य पुलिस को कटघरे में खड़ा करना भर नहीं, बल्कि ऐसी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना होना चाहिए जिसमें सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता दोनों साथ चलें। इसलिए जांच को महज एक घटना में पुलिस की भूमिका तय करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। यह भविष्य के लिए भी एक स्पष्ट मानक तय करे कि लोकतांत्रिक असहमति से निपटने में राज्य की सीमा क्या है। नई पीढ़ी के सवालों का जवाब संवाद, संवेदनशीलता और जवाबदेही से दिया जाना चाहिए। लोकतंत्र में आवाज का उत्तर लाठी नहीं, संवाद होना चाहिए।

स्कूली शिक्षा में बढ़ती निजी हिस्सेदारी

गजेन्द्र सिंह

भारत में शिक्षा को हमेशा से लाभ कमाने का व्यवसाय नहीं, बल्कि लोकसेवा और राष्ट्र निर्माण का दायित्व माना गया है। इसी सोच के कारण विद्यालयी शिक्षा का बड़ा हिस्सा सरकार और गैर-लाभकारी संस्थाओं द्वारा संचालित होता रहा है लेकिन आज देश की शिक्षा व्यवस्था दो बिल्कुल अलग दिशाओं में आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। एक ओर सरकारी विद्यालय लगातार सिमट रहे हैं उनकी संख्या घट रही है, विद्यार्थियों का नामांकन कम हो रहा है और संसाधनों का संकट गहराता जा रहा है। दूसरी ओर निजी विद्यालय अभूतपूर्व विस्तार के दौर में हैं। करोड़ों रुपये के निवेश से भव्य भवन, विशाल परिसर, अत्याधुनिक सुविधाएँ और प्रीमियम ब्रांड तैयार किए जा रहे हैं, जबकि फीस भी लगातार बढ़ रही है। शिक्षा का यह बदलता परिदृश्य एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है क्या भारत में शिक्षा धीरे-धीरे सार्वजनिक उत्तरदायित्व से निकलकर एक निवेश योग्य व्यवसाय में बदलती जा रही है? इस चिंता को और गहरा करते हैं नीति आयोग के हालिया आँकड़े। पिछले दस वर्षों में देशभर में 94,000 सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। वर्ष 2014-15 में जहाँ सरकारी विद्यालयों की संख्या 11.07 लाख थी, वहीं 2024-25 में यह घटकर 10.13 लाख रह गई। अर्थात एक दशक में औसतन प्रतिदिन 25 सरकारी विद्यालय बंद हुए। स्थिति केवल विद्यालयों की संख्या तक सीमित नहीं है। इसी अवधि में सरकारी विद्यालयों में 2.26 करोड़ विद्यार्थियों का नामांकन कम हुआ है। सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की संख्या और उनमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। ये आँकड़े केवल प्रशासनिक परिवर्तन नहीं हैं, वे भारत की शिक्षा व्यवस्था की दिशा बदलने का संकेत देते हैं।

पिछले तीन दशकों में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह थी कि लगभग हर बच्चा विद्यालय तक पहुँचने लगा। यद्यपि सीखने के परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सके, फिर भी सार्वभौमिक नामांकन एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। चुनौती शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की थी, लेकिन आज हम गुणवत्ता में सुधार करने के बजाय नामांकन के स्तर पर भी पीछे लौटते दिखाई दे रहे हैं। इसका सबसे गंभीर प्रभाव उन बच्चों पर पड़ता है जिनके पास निजी विद्यालय का विकल्प नहीं है। विशेषकर ग्रामीण भारत में पड़ोस का सरकारी विद्यालय ही लड़कियों की शिक्षा जारी रहने का सबसे बड़ा आधार होता है। विद्यालय बंद होने या दूर चले जाने पर परिवहन, सुरक्षा, सामाजिक मान्यताओं और घरेलू जिम्मेदारियों के कारण सबसे पहले बेटियों की शिक्षा प्रभावित होती है।इसी समय शिक्षा क्षेत्र में एक बिल्कुल अलग कहानी लिखी जा रही है। पिछले दशक में जिस प्रकार प्राइवेट इक्विटी फंडों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया था, अब उनका अगला बड़ा लक्ष्य भारत का निजी स्कूली शिक्षा क्षेत्र बन गया है। वैश्विक निवेशकों की दृष्टि में स्कूल अब केवल शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि स्थिर आय और दीर्घकालिक प्रतिफल देने वाली निवेश योग्य परिसंपत्तियाँ बन चुके हैं। इसके पीछे मजबूत आर्थिक कारण भी हैं। भारत में लगभग 25 करोड़ स्कूली आयु वर्ग के बच्चे हैं। बढ़ता मध्यम वर्ग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिक खर्च करने को तैयार है। निजी विद्यालय नियमित शुल्क आय प्रदान करते हैं, जबकि महामारी के बाद एड-टेक क्षेत्र में आई मंदी ने निवेशकों का ध्यान फिर से भौतिक विद्यालयों की ओर आकर्षित किया है।

मेक इन इंडिया से वैश्विक निर्माण तक

श्याम जाजू

15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सामने एक बड़ा सपना रखा अगले दशक में फॉर्च्यून ग्लोबल 500 में 50 कंपनियां भारत से होनी चाहिए। सुनने में यह एक बड़ा कॉरपोरेट लक्ष्य लगता है। फारचून की सूची में 50 भारतीय कंपनियों का होना निश्चित रूप से गर्व की बात होगी। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की सूची में भारत का नाम अधिक ताकत के साथ दिखेगा, भारतीय उद्योगों की वैश्विक पहचान बढ़ेगी और हमारी अर्थव्यवस्था की वृद्धि के एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में इसे देखा जाएगा। लेकिन थोड़ा विचार करें, तो समझ आता है कि यह सवाल सिर्फ फारचून की रैंकिंग का नहीं है। यह सवाल उससे कहीं अधिक बड़ा है। भारत कितनी बड़ी कंपनियां बना सकता है? हम कितने उद्योग खड़े कर सकते हैं? कितने उद्योगों का बड़ा बाजार बन सकता है और कितनी भारतीय कंपनियों को भारत की सीमाओं से पार ले जा सकते हैं?

आज भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, तकनीकी की क्षमता और उद्यमिता की ऊर्जा है। उत्पादन से लेकर सेवाओं तक कई क्षेत्रों में हमारी क्षमता को दुनिया ने स्वीकार किया है।

फिर भी एक सवाल हमें खुद से पूछना होगाः दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की सूची में भारत की कंपनियों की संख्या अभी भी इतनी कम क्यों है? क्योंकि फॉर्च्यून ग्लोबल 500 में पहुंचना केवल बड़ा टर्नओवर हासिल करना नहीं है। इसके पीछे सालों की मेहनत होती है। बड़े पैमाने पर पूंजी होती है। अनुसंधान और नवाचार होता है। वैश्विक बाजार की समझ होती है। कुशल नेतृत्व होता है। मजबूत प्रबंधन प्रणालियां होती हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन या सेवाएं देने की क्षमता होती है। दुनिया भर के ग्राहकों का विश्वास होता है और सबसे महत्वपूर्ण, बड़ा सपना देखने और उसे समय करने की क्षमता होती है। इसलिए 50 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियों का लक्ष्य सिर्फ 50 कंपनियों का लक्ष्य नहीं है; यह भारत की 'स्केल-अप' क्षमता का लक्ष्य है।

आज हम अक्सर पूछते हैं, "भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था कब बनेगा?" अब इसके साथ एक और सवाल पूछने का समय आ गया है, "भारत दुनिया की बड़ी कंपनियां बनाने वाला देश कब बनेगा?" क्योंकि जब बड़ी कंपनियां बनती हैं, तो रोजगार बढ़ता है, निर्यात बढ़ता है, अनुसंधान के लिए पैसा उपलब्ध होता है, नई तकनीक विकसित होती है और हजारों छोटी कंपनियां की सप्लाई चेन में अवसर मिलते हैं। एक बड़ी भारतीय कंपनी के पीछे कई एमएसएमई होते हैं। एक बड़ी कॉरपोरेट कंपनी के पीछे कई मैन्युफैक्चरर्स होते हैं। एक ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी के पीछे कई स्टार्ट-अप्स, डेवलपर्स और सर्विस प्रोवाइडर्स होते हैं। इसलिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 में जाने वाली एक भारतीय कंपनी का मतलब केवल एक कंपनी का बड़ा होना नहीं है; उसके साथ एक पूरा इकोसिस्टम बड़ा होता है।

आज 50 कंपनियों का यह लक्ष्य अचानक सामने नहीं आया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक और औद्योगिक क्षमता के आधार को मजबूत करने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। 15 अगस्त 2025 के भाषण में इस दिशा के कई महत्वपूर्ण संकेत मिले थे। पहली बार प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले युवाओं के लिए 15,000 तक के एम्प्लॉयमेंट इंसेंटिव और लगभग 1 लाख करोड़ की 'पीएम विकसित भारत रोजगार योजना' के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की रूपरेखा बनी थी। सरकार का प्रयास सिर्फ युवाओं को रोजगार देना भर नहीं है। अगर बड़े उद्योग खड़े करने हैं, तो उन्हें बड़े पैमाने पर कुशल और रोजगार-योग्य जनशक्ति की भी आवश्यकता होगी।

उसी भाषण में भारत के पहले मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप की दिशा में मिशन-मोड में आगे बढ़ने की बात कही गई थी। इसका अर्थ आधा है कि भारत केवल चिप बनाने वाला देश नहीं रहना चाहता; वह क्रिटिकल टेक्नोलॉजी बनाने वाला देश बनना चाहता है। ऊर्जा के मामले में भी एक बड़ी दिशा तय की गई थी। 10 नए न्यूक्लियर रिएक्टर पर काम शुरू होने की बात कही गई और 2047 तक न्यूक्लियर क्षमता को बड़े पैमाने पर बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया। इसके साथ ही परमाणु संपत्ति की खोज के लिए एक मिशन की घोषणा की गई।

जीएसटी के नेक्स्ट-जनरेशन सुधारों के माध्यम से टैक्स व्यवस्था को और सरल बनाने का खाका पेश किया गया, और इन सबके साथ दस ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की भारत की महत्वाकांक्षा और उसके लिए आवश्यक तैयारियों का भी विचार किया गया। अगर इन सभी बातों को अलग-अलग घोषणाओं के रूप में देखें, तो ये अलग लगती हैं। लेकिन जब इन्हें एक साथ देखते हैं, तो एक बड़ी तस्वीर दिखाई देती हैः रोजगार से मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी से एनर्जी, बिजनेस सुगमता से लेकर स्केल तक।

इस सवाल का जवाब सिर्फ कॉरपोरेट घरानों में ढूंढेंगे, तो तस्वीर अधूरी रहेगी। क्योंकि भारत की भविष्य की कई बड़ी कंपनियां आज के एमएसएमई हैं। लेकिन इस यात्रा में एक बड़ी रुकावट बार-बार सामने आती है पूंजी की उपलब्धता। और हां, लेकिन वर्किंग कैपिटल कम है। ग्राहक हैं, लेकिन पेमेंट देर से मिलता है। एक्सपोर्ट का मौका है, लेकिन कागजी और नियामकीय जरूरतें जटिल हैं। लेकिन वैश्विक बाजार और उसकी बड़ी चुनौती है। "हम दुनिया के कितने बाजारों तक पहुंच सकते हैं?" इसके लिए फाइनेंस के साथ-साथ टेक्नोलॉजी, स्किल्ड मैनपावर, प्रोफेशनल मैनेजमेंट, एक्सपर्ट सपोर्ट और रेगुलेटरी सुगमता की आवश्यकता है। भारत का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम इस सपने का एक और बड़ा आधार है।

"मेक इन इंडिया" ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग महत्वाकांक्षा की नई दिशा दी। अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, ईवीएस, डिफेंस, एयरोस्पेस, फार्मास्यूटिकल्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, एडवांस्ड इंडस्ट्रियल मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत को सिर्फ उत्पादक देश बनकर नहीं रुकना चाहिए। भारत को दुनिया के लिए आवश्यक उत्पाद और तकनीक बनानी चाहिए। इससे एक व्यापक सोच सामने आती है : सिर्फ भारतीय कंपनियों का बड़ा होना काफी नहीं है; भारत का पूरा बिजनेस इकोसिस्टम विश्वस्तरीय होना चाहिए। ग्लोबल इंडियन कंपनियों को 'ग्लोबल इंडियन फाउंडर्स' का साथ चाहिए, और दुनिया भर में पहचान बनाने वाले भारतीय ब्रांड्स भी चाहिए। प्रत्येक कंपनी को बड़ा बनाने के बजाय उसे दुनिया में टिकाए रखना है। "मेड इन इंडिया" शब्द के साथ गुणवत्ता विश्वास और नवाचार ये तीन शब्द दुनिया के मन में जुड़ने चाहिए। एक ऐसी व्यवस्था जहांः एमएसएमई को वर्किंग कैपिटल मिले। मिड-साइज कंपनी को स्केल-अप कैपिटल मिले। स्टार्ट-अप को ग्रोथ कैपिटल मिले। मैन्युफैक्चरर को एक्सपोर्ट मार्केट मिले। टेक्नोलॉजी कंपनियों को आरएंडडी सपोर्ट मिले, भारतीय कंपनी विदेशी अधिग्रहण कर सके, ग्लोबल ब्रांड भारत से खड़ा हो सके, और एक ऐसा हर कंपनी सिर्फ भारत के बाजार के लिए नहीं, बल्कि दुनिया के बाजार के लिए तैयार हो। शायद 15 अगस्त के इस सपने का असली अर्थ यही है। भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था बननी चाहिए; भारत को बड़ी कंपनियां बनाने वाला देश बनना चाहिए।

आज का एमएसएमई कल की बड़ी कंपनी बने। आज का स्टार्ट-अप कल का ग्लोबल लीडर बने। आज का भारतीय ब्रांड कल दुनिया का ब्रांड बने। और भारत में जन्मा कोई छोटा विचार इतना बड़ा बने कि दुनिया के करोड़ों लोगों की जिंदगी का हिस्सा बने।

"मेक इन इंडिया " एक यात्रा की शुरुआत थी। अब अगला पड़ाव है "भारत से वैश्विक निर्माण।

(लेखक भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं)

बांग्लादेशः अनिश्चितता और नई राह की तलाश

अशोक भाटिया

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, जिसे कूटनीतिक और राजनीतिक विश्लेषक 'चौराहे' का नाम दे रहे हैं। सत्ता के तख्तापलट, व्यापक छात्र आंदोलनों और एक दीर्घकालिक शासन के अचानक अंत के बाद, यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र वर्तमान में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जब कोई देश ऐसे चौराहे पर खड़ा होता है, तो सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न यही उठता है कि 'जाए तो जाए कहां?' क्या यह देश एक पूर्ण, पारदर्शी और समावेशी लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, या फिर यह राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक मंदी और आंतरिक संघर्षों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाएगा जिससे निकलना आने वाले दशकों तक मुश्किल हो जाएगा? यह संपादकीय इसी गंभीर प्रश्न के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें राजनीतिक पुनर्गठन, प्रशासनिक चुनौतियां, आर्थिक संकट, सामाजिक ताना-बाना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जटिल समीकरण शामिल हैं।

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने 'दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' या 'सच्ची मुक्ति' का नाम दिया। छात्र आंदोलनों ने जिस तरह एक शक्तिशाली शासन को उखाड़ फेंका, उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। लेकिन सत्ता बदल देना जितना चुनौतीपूर्ण होता है, व्यवस्था को संभालना और एक नई पारदर्शी प्रणाली का निर्माण करना उससे कहीं अधिक जटिल होता है। शुरुआती दौर में जो उत्साह और उम्मीदें थीं, वे धीरे-धीरे प्रशासनिक और व्यावहारिक चुनौतियों के धरातल पर आकर थमती दिखाई दे रही हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश में सामान्य स्थिति कब और कैसे बहाल करे, और एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरुआत करे जो निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वस्वीकार्य हो।

जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। देश में एक ऐसे स्वतंत्र और शक्तिशाली चुनाव आयोग की आवश्यकता है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को पूरा भरोसा हो। अतीत में चुनावों की निष्पक्षता पर लगे दागों को धोना इस नए आयोग की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

इसके साथ ही, केवल सरकार बदल देना काफी नहीं है। जब तक पुलिस, न्यायपालिका और नौकरशाही का राजनीतिकरण बंद नहीं होगा, तब तक किसी भी नए लोकतांत्रिक ढांचे की नींव कमजोर ही रहेगी। अंतरिम सरकार ने इसके लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया है, लेकिन इन सुधारों को जमीन पर उतारना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। देश में एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना होगा जहां हर विचारधारा को अपनी बात रखने का मौका मिले, बशर्ते वह लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में हो। प्रतिशोध की राजनीति को छोड़कर समावेशी राजनीति को अपनाना ही बांग्लादेश को इस चौराहे से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

राजनीतिक उथल-पुथल का सबसे सीधा और गहरा असर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बांग्लादेश, जो कभी विकास दर के मामले में दक्षिण एशिया का चमकता सितारा माना जाता था, आज गंभीर आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ है। लंबे समय तक चले कर्फ्यू, हड़तालों, इंटरनेट शटडाउन और कारखानों के बंद रहने के कारण देश की आर्थिक रीढ़ को भारी नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ उसका रेडीमेड गारमेंट उद्योग है। देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है और यह लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर वियतनाम, भारत और कंबोडिया जैसे देशों की तरफ मोड़ दिए हैं। अगर बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाना है, तो उसे जल्द से जल्द इन कारखानों में पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करना होगा ताकि वैश्विक बाजारों में उसका खोया हुआ भरोसा वापस लौट सके।

आर्थिक मोर्चे पर दूसरी बड़ी समस्या देश का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो पिछले कुछ समय से लगातार दबाव में है। इसके साथ ही, बैंकिंग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गैर-निष्पादित आस्तियां यानी डूबता हुआ कर्ज एक गंभीर संकट बन चुका है। केंद्रीय बैंक और अंतरिम सरकार वित्तीय अनुशासन लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब तक बैंकिंग प्रणाली से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को पूरी तरह खत्म नहीं किया जाता, तब तक आर्थिक स्थिरता एक दूर का सपना बनी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से मिलने वाली वित्तीय सहायता इस समय देश के लिए एक संजीवनी की तरह है, लेकिन इसके साथ आने वाली शर्तें भी देश की आंतरिक नीतियों को प्रभावित कर रही हैं।

आम नागरिक के लिए सबसे बड़ी समस्या रसोई का बजट और रोजगार है। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें और दैनिक जीवन का खर्च आम जनता के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। छात्र आंदोलन की मुख्य मांग ही रोजगार के समान अवसर और कोटा प्रणाली में सुधार थी। अब जब नई व्यवस्था आ चुकी है, तो युवाओं को रोजगार के वास्तविक अवसर प्रदान करना सरकार के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि युवाओं की उम्मीदें निराशा में बदलीं, तो सामाजिक अशांति का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

किसी भी देश की प्रगति उसके सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा पर टिकी होती है। सत्ता परिवर्तन के बाद के हफ्तों में बांग्लादेश ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भारी शिथिलता देखी। पुलिस थानों पर हमले, पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति और प्रशासनिक पंगुता के कारण देश में एक प्रकार की अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षित माहौल का निर्माण होना अभी बाकी है। इस बदलाव के दौर में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय, के खिलाफ हिंसा और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि नागरिक समाज और छात्रों ने इन संपत्तियों की रक्षा के लिए मानव श्रृंखलाएं बनाईं, लेकिन इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की छवि को प्रभावित किया है। एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बांग्लादेश का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक, चाहे उसका धर्म या जाति कुछ भी हो, खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे।

एक देश, हजार दफ्तर और हर काम की एक 'कीमत'

आरके जैन

भारत में रिश्वत अब जेब से निकलकर व्यवस्था की आदत बन चुकी है; कई बार सामान्य नागरिक का काम बिना इस 'अतिरिक्त कीमत' के आगे बढ़ता ही नहीं। थाने की मेज से तहसील की फाइल, आरटीओ की खिड़की से पासपोर्ट कार्यालय तक—'कुछ करना पड़ेगा' जैसे वाक्यों ने भ्रष्टाचार को चुपचाप सामाजिक स्वीकृति दे दी है। इसी जड़ खामोशी को 2 जुलाई 2026 में दिल्ली के महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बीटेक छात्र आर्यन निषाद ने डिजिटल चुनौती दी। उन्होंने Bribes.fyi (ब्राइब्स डॉट एफवाईआई) बनाया—एक मंच, जहां नागरिक पहचान छिपाकर रिश्वत की मांग दर्ज कर सकते हैं। विभाग, शहर, रकम और रिश्वत दी या ठुकराई—इतनी जानकारी से ही भ्रष्टाचार का नया नक्शा उभरने लगा।

इस पहल की असली धार उसकी सादगी में थी। न लंबी शिकायत प्रक्रिया, न दफ्तरों की दौड़, न पहचान उजागर करने की मजबूरी। नागरिक के अनुभव को सीधे आंकड़े में ढाल दिया गया। शुरुआती रिपोर्टों में पुलिस विभाग सबसे आगे रहा; उसके बाद आरटीओ, राजस्व एवं भूमि रिकॉर्ड और पासपोर्ट कार्यालय सामने आए। 250 से अधिक शहरों से शिकायतें जुड़ीं और कई मामलों में मांगी गई रकम हजारों रुपये तक बताई गई। वेबसाइट ने स्पष्ट किया कि आंकड़े स्वैच्छिक रिपोर्टों पर आधारित हैं, पूरे भारत का वैज्ञानिक सर्वेक्षण नहीं। फिर भी सीमित दायरे ने इसका महत्व कम नहीं किया। पहली बार लोगों की बिखरी पीड़ा एक साझा, सार्वजनिक डिजिटल तस्वीर में उभरने लगी।

सबसे चुभता संकेत शायद आंकड़ों के बीच छिपा वही सच था—कई लोगों ने रिश्वत देने से इनकार किया और फिर भी उनका काम हो गया। यह भ्रष्टाचार की उस पुरानी दलील पर सीधा सवाल है कि रिश्वत हर बार 'मजबूरी' होती है। जब बिना पैसे काम हो सकता है, तो फिर पैसे की मांग क्यों? ने यही सवाल समाज के सामने रख दिया। यहां भ्रष्टाचार अब धुंधली चर्चा नहीं, बल्कि रकम, विभाग और स्थान के साथ दर्ज अनुभव था। मानचित्र पर उभरते बिंदु महज शिकायतें नहीं थे; वे उस नागरिक आक्रोश के निशान थे, जिसे सरकारी फाइलें और मौखिक शिकायतें अक्सर निगल जाती हैं। किसी छोटे डिजिटल प्रयोग का इतनी तेजी से सार्वजनिक बहस बन जाना असाधारण था। कुछ ही घंटों में लाखों क्लिक और 50 लाख से अधिक (करीब 5 मिलियन) रिक्वेस्ट की खबरों ने Bribes.fyi को राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। सोशल मीडिया पर छात्रों, नागरिकों और तकनीक से जुड़े लोगों में चर्चा तेज हुई। एंजेल इन्वेस्टर डॉ. अनिरुद्ध मालपानी की 30,000 की मदद ने इसके आगे बढ़ने की संभावना दिखाई। लेकिन लोकप्रियता के साथ दुरुपयोग, शिकायतों की विश्वसनीयता, कानूनी सुरक्षा और वित्तीय ढांचे के सवाल उठे। वेबसाइट स्वेच्छा से ऑफलाइन कर दी गई। टीम ने इसे सावधानी का कदम बताया। बाद में अनिश्चितकालीन ब्रेक की घोषणा करते हुए डेटा स्थायी रूप से डिलीट करने और वेबसाइट हमेशा के लिए बंद करने की बात कही गई; फिर भी डेटा और कानूनी ढांचे पर सवाल बने रहे। असली कहानी कोड से आगे, लोकतंत्र की उस जमीन पर शुरू होती है जहां नागरिक और व्यवस्था आमने-सामने होते हैं। वेबसाइट बनाना आसान है, लेकिन उसे सुरक्षित, भरोसेमंद और लंबे समय तक जनहित में चलाना कठिन। भारत में सरकारी शिकायत तंत्र मौजूद हैं, फिर भी कई नागरिक वहां जाने से कतराते हैं—डर रहता है कि काम न अटके, अधिकारी नाराज न हो।

दुनिया के सामने मंडरा रहा समुद्री जैविक संकट

स्नेहा सिंह

होर्मुज जलडमरूमध्य के लंबे समय तक बंद रहने का असर केवल कच्चे तेल, गैस और वैश्विक व्यापार तक सीमित नहीं है। फारस की खाड़ी में लंबे समय से रुके जहाज अब एक ऐसे खतरे को दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचा सकते हैं, जिसकी आशंका हजारों किलोमीटर दूर तक जताई जा रही है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि फारस की खाड़ी में लंबे समय से खड़े 1,500 से अधिक वाणिज्यिक जहाज एक अलग तरह का खतरा पैदा कर रहे हैं। आशंका है कि ये जहाज समुद्री जीवों और परजीवियों को दूरदराज के देशों तक ले जाकर 'डिजीज बम' साबित हो सकते हैं।

जब जहाज लंबे समय तक समुद्र में एक ही जगह पर खड़े रहते हैं, तो उनके निचले हिस्से पर समुद्री जीव, शैवाल, परजीवी और अन्य सूक्ष्मजीव चिपकने लगते हैं। इस प्रक्रिया को बायोफाउलिंग कहा जाता है। चिंता यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने के बाद जब ये जहाज अलग-अलग देशों के बंदरगाहों की ओर रवाना होंगे, तो उनके साथ ये जीव भी हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंच सकते हैं।

समुद्र में रहने वाले अधिकांश जीव अपने स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होते हैं। लेकिन जब कोई बाहरी प्रजाति किसी नए समुद्री क्षेत्र में पहुंचती है और वहां उसका प्राकृतिक शिकारी मौजूद नहीं होता, तो वह तेजी से फैल सकती है। इससे स्थानीय मछलियों, समुद्री वनस्पतियों और अन्य जीवों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

इसका असर केवल समुद्री पारिस्थितिकी तक सीमित नहीं रहेगा। मत्स्य पालन, जलीय कृषि, तटीय उद्योग और उनसे जुड़ी अर्थव्यवस्था भी इसकी चपेट में आ सकती है। यही कारण है कि वैज्ञानिक लंबे समय तक खाड़ी में खड़े जहाजों को संभावित सुपर-स्प्रेडर मान रहे हैं।

फारस की खाड़ी का गर्म समुद्री वातावरण बायोफाउलिंग के लिए अनुकूल माना जाता है। यानी जहाज जितने लंबे समय तक यहां खड़े रहेंगे, उनकी सतह पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों के जमा होने की संभावना उतनी ही बढ़ेगी। बताया जाता है कि फारस की खाड़ी में पहले से ही 50 से अधिक गैरस्थानीय समुद्री प्रजातियां मौजूद हैं। ऐसे में यहां लंबे समय से रुके जहाज जब दुनिया के दूसरे हिस्सों में जाएंगे, तो उनके साथ नई समुद्री प्रजातियों के पहुंचने का जोखिम बढ़ सकता है।

दुनिया में समुद्री व्यापार के कई महत्वपूर्ण मार्ग हैं, जिन्हें 'चोक पॉइंट' कहा जाता है। इन मार्गों के बाधित होने पर जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। अधिकांश चोक पॉइंट के लिए वैकल्पिक मार्ग मौजूद हैं, लेकिन कुछ ऐसे समुद्री मार्ग भी हैं, जहां विकल्प बेहद सीमित या व्यावहारिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य भी दुनिया के ऐसे ही बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल है। इसके अलावा ओरेसुंड, बोस्फोरस-डार्डानेल्स और बोहाई जैसे मार्ग भी वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए रणनीतिक महत्व रखते हैं।

इतिहास में समुद्री मार्गों के लंबे समय तक बाधित होने के कई उदाहरण मिलते हैं। 2021 में स्वेज नहर में हुए हादसे और पनामा नहर में सूखे के कारण पैदा हुई परिस्थितियों ने दिखाया था कि किसी एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में रुकावट वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। लेकिन होर्मुज के मामले में चिंता का एक नया पहलू सामने आया है, जहाजों का लंबे समय तक एक ही समुद्री क्षेत्र में स्थिर रहना।

शोध के अनुसार, होर्मुज से निकलने के तुरंत बाद जहाजों के जरिए आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक यह खतरा पहुंचने की संभावना कम हो सकती है। लेकिन समय बीतने के साथ इनमें से कई जहाज इन देशों के बंदरगाहों तक पहुंच सकते हैं।

दोनों देशों में समुद्री जैवसुरक्षा को लेकर कड़े नियम हैं। संदिग्ध जहाजों की जांच की जाती है और आवश्यकता पड़ने पर उनकी बाहरी सतह, प्रोपेलर तथा अन्य हिस्सों की सफाई भी की जाती है। फिर भी बड़ी संख्या में जहाजों की एक साथ आवाजाही शुरू होने पर यह चुनौती काफी बड़ी हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि होर्मुज क्षेत्र से निकलने से पहले जहाजों की जांच जरूरी है। उनकी बाहरी सतह पर जमा जीवों और जैविक सामग्री की पहचान की जानी चाहिए। आवश्यकता होने पर समुद्र में आगे बढ़ने से पहले जहाज के पानी के नीचे वाले हिस्से की सफाई भी की जानी चाहिए।

हालांकि सफाई के दौरान विशेष सावधानी जरूरी होगी। यदि जहाज से निकला जैविक कचरा सीधे समुद्र में मिल गया तो समस्या कम होने के बजाय और बढ़ सकती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। यहां लंबे समय से लगे प्रतिबंध वैश्विक व्यापार और तेल-गैस आपूर्ति के लिए पहले से ही चिंता का विषय हैं। अब समुद्री जैवसुरक्षा का खतरा जुड़ने से चुनौती और जटिल हो गई है।

जहाजों के लंबे समय तक स्थिर रहने से ऐसा खतरा पैदा होने की यह पहली घटना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुकावट के कारण दुनिया के करीब 10 प्रतिशत कंटेनर और 25 प्रतिशत रेफ्रिजरेटेड जहाज महीनों तक समुद्र में खड़े रहे थे।

1970 के तेल संकट के दौरान भी दुनिया भर में 466 तेल टैंकरों को रोक दिया गया था। दक्षिण चीन सागर में हर साल मछली पकड़ने पर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के कारण हजारों नौकाएं एक ही क्षेत्र में खड़ी रहती हैं, जिससे बायोफाउलिंग का खतरा पैदा होता है।

'प्लान नहीं था, अमित शाह के कहने पर अरेस्ट किया'

सत्येंद्र जैन पर केजरीवाल का दावा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र जैन को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अरेस्ट कर लिया है। इससे पहले भी 18 महीने जेल में रह चुके सत्येंद्र जैन पर इस बार दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसको लेकर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दावा किया है। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने का कोई प्लान ही नहीं था, केवल अमित शाह के कहने पर उन्हें अरेस्ट किया गया।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, एसीबी के एक अधिकारी ने बताया, सुबह तक एसीबी का सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने का कोई प्लान नहीं था। फिर दोपहर में अमित शाह का सीधे फोन आया कि गिरफ्तार कर लो। तब गिरफ्तार किया। केजरीवाल ने आगे कहा, जाहिर है कि अब गिरफ्तारी इस बात से नहीं होती कि किसी ने कोई गुनाह किया है या नहीं बल्कि इस बात से होती है कि वे दोनों किसे गिरफ्तार करना चाहते हैं। अपने दूसरे एक्स पोस्ट में अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सवाल किया है। उन्होंने पूछा, अमित शाह जी बताएं कि उन्होंने जांच एजेंसी पर दबाव डालकर सत्येंद्र जैन को क्यों गिरफ्तार करवाया?

'चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने चली चाल'- संजय सिंह

सत्येंद्र जैन को इसलिए अरेस्ट किया गया है क्योंकि बीजेपी यह चाहती है कि आम आदमी पार्टी को दबा दिया जाए और साम-दाम-दंड-भेद का इस्तेमाल कर के चुनाव जीत लिया जाए। आपको याद होगा कि जब दिल्ली का चुनाव हो रहा था तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और खुद मुझे भी गिरफ्तार किया गया था।

पंजाब के सह-प्रभारी हैं सत्येंद्र जैन

संजय सिंह का दावा है कि अभी पंजाब का चुनाव है। वहां बीजेपी बुरी तरह से हार रही है। उसे पता है कि पंजाब में चुनाव जीत नहीं सकते इसलिए अपनी खिसियाहट और बौखलाहट में यह कार्रवाई कर रहे हैं और सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी इसलिए हुई क्योंकि वह पंजाब के सह प्रभारी हैं। वहां संगठन निर्माण के काम में जुटे हुए थे और दिन-रात मेहनत कर रहे थे।

उनको एक फर्जी, बेबुनियाद, झूठे और दो साल पुराने मामले में फंसाया जा रहा है। वह उस वक्त बाहर भी नहीं थे, जेल में थे। इस बार भी उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं। सत्येंद्र जैन पहले भी बाइज्जत बरी हुए हैं। आगे भी बाइज्जत बरी होंगे। उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई मामला नहीं है। यह मामला सिर्फ पीएम मोदी की बौखलाहट का है।

बंगाल एसटीएफ ने आईएसआई से संबंध रखने वाले गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक के तीसरे सहयोगी को भी दबोचा

कोलकाता, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध रखने वाले पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम के तीसरे स्थानीय सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। वहाब आलम को इसी महीने उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जफर साम्स उर्फ सनी के रूप में हुई है। पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके का मूल निवासी सनी वहाब आलम की गिरफ्तारी के बाद से फरार चल रहा था। आखिरकार उसे हुगली जिले के ऋषड़ा से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, राज्य पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के समय और उससे संबंधित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए हैं।

एसटीएफ अधिकारी फिलहाल सनी से पूछताछ कर रहे हैं ताकि आलम की गतिविधियों में उसकी भूमिका के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें संदेह है कि सनी ने उस स्लीपर सेल या नेटवर्क को मजबूत करने में भूमिका निभाई, जिसे आलम भारत से गोपनीय सूचनाएं आईएसआई तक पहुंचाने के लिए तैयार कर रहा था। दो दिन पहले एसटीएफ ने आलम के एक अन्य सहयोगी इमरान हुसैन को टॉपसिया स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया था।

'लोगों की सेहत से समझौता नहीं'

सीएम फडणवीस ने तुकाराम को दी खुली छूट, कहा- मिलावटखोरों पर कार्रवाई रहेगी जारी

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) के कमिश्नर तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में चल रहे प्रवर्तन अभियान का समर्थन किया है।

इसके साथ ही कहा है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुआ कहा, 'मेरा मानना है कि बहुत असरदार कार्रवाई की जा रही है। असल बात यह है कि जब कोई भी फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का उल्लंघन करता है। चाहे मिलावट के जरिए हो या किसी और तरीके से। तो इससे लोगों की जान और सेहत को खतरा होता है। इसलिए, सख्त कार्रवाई की जरूरत थी। ऐसी कार्रवाई वाकई की जा रही है। मुझे बहुत खुशी है कि इस तरह की कार्रवाई चल रही है।

भविष्य में भी जारी रहेगी।' मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब मई 2026 में मुंढे के कमिश्नर का पद संभालने के बाद से एफडीए ने पूरे महाराष्ट्र में निरीक्षण और प्रवर्तन कार्यों को तेज कर दिया है। एक साक्षात्कार में तुकाराम मुंढे ने कहा, 'पूरी श्रृंखला में हर कोई जिम्मेदार है। यह सब पर लागू होता है।' एफडीए प्रमुख ने कहा कि ये नियम सभी पर लागू हैं और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

महाराष्ट्र एफडीए ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची नामक कथित तंबाकू उत्पाद के विज्ञापन में ब्रांड एंडोर्सर के रूप में भाग लेने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने किया।

बता दें कि एजेंसी ने चेंबूर स्थित मेसर्स पार्ले एग्रो के गोदाम में फ्रूटी, ऐपी और एप्पल फिज के एक्सपायर्ड स्टॉक मिलने के बाद उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया। इसके साथ ही ब्लिंकइट, जेप्टो और इंस्टामार्ट सहित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े कई खाद्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के लाइसेंस भी खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के कई उल्लंघनों का हवाला देते हुए निलंबित कर दिए।

रोजगार या ऑटो-रिक्शा परमिट के लिए

'मराठी अनिवार्य' नियम थोपना अनुचित : रामदास आठवले

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने एक बार फिर रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए 'मराठी अनिवार्य' करने के फैसले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि किसी गरीब कामगार की रोजी-रोटी सिर्फ इसलिए छीन लेना या उसे परेशान करना क्योंकि उसे स्थानीय भाषा पूरी तरह नहीं आती, मुंबई की मूल भावना के खिलाफ है। रामदास आठवले ने कहा, मुझे मराठी भाषा पर बहुत गर्व है और मेरा दृढ़ता से मानना है कि महाराष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति को मराठी जरूर सीखनी चाहिए, क्योंकि यह इस राज्य की आत्मा और हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है।

लेकिन इसके साथ ही हमें यह भी समझना होगा कि मुंबई सिर्फ एक राज्य की राजधानी नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक राजधानी और एक तेजी से उभरता हुआ वैश्विक शहर है। उन्होंने कहा कि मुंबई में सिर्फ देश के अलग-अलग कोनों से ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से लोग अपने सपने, रोजगार और उम्मीदें लेकर आते हैं। मुंबई की असली पहचान और इसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी विविधता और हर किसी को खुले दिल से अपनाने की क्षमता में बसी है। आठवले ने कहा, वैश्विक और समावेशी वास्तविकता को देखते हुए रोजगार या ऑटो-रिक्शा परमिट के लिए 'मराठी अनिवार्य' करने जैसे सख्त कानून थोपना अनुचित लगता है। किसी गरीब कामगार की रोजी-रोटी सिर्फ इसलिए छीन लेना या उसे परेशान करना, क्योंकि उसे स्थानीय भाषा पूरी तरह नहीं आती, मुंबई की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा का सम्मान और प्रचार-प्रसार जरूर करना चाहिए, लेकिन इसे रोजगार की शर्त या सजा बनाकर नहीं।

भाषा हमेशा लोगों को जोड़ने का माध्यम होनी चाहिए, विभाजन का नहीं, ताकि मुंबई बिना किसी भाषाई भेदभाव के भारत की धड़कन बनकर आगे बढ़ती रहे। बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम-1988 के तहत महाराष्ट्र मोटर वाहन (संशोधन) नियम-2026 को लागू करने के लिए आधिकारिक शासनादेश जारी किया। संशोधित नियमों के तहत जिन चालकों के पास मराठी बोलने का व्यावहारिक कौशल या कामकाजी ज्ञान नहीं होगा, उन्हें पहले एक महीने का नोटिस दिया जाएगा। अगर चालक एक महीने के भीतर मराठी सीखने में असफल रहता है तो उसके लाइसेंस का प्राधिकरण तीन महीने तक के लिए निलंबित किया जा सकता है। निलंबन के बाद भी नियमों का पालन नहीं करने पर ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किया जा सकता है।

एफबीआई ने पंजाब के गैंगस्टर मेजर सिंह को वांटेड घोषित किया

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने पंजाब के गैंगस्टर मेजर सिंह को वांटेड घोषित किया है। एफबीआई के मुताबिक अंतराष्ट्रीय गैंग के नेटवर्क से जुड़ा है और वह जग्गू भगवानपुरिया गैंग का सदस्य है। जग्गू भगवानपुरिया का गैंग अमेरिका के लॉस एंजिल्स समेत दूसरे इलाकों में एक्टिव है। मेजर सिंह पर आरआईसीओ ((रैकेटीयर इन्फ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशन्स) एक्ट के तहत साजिश में शामिल होने का आरोप है। उस पर बिना लाइसेंस हथियारों की खरीद-फरोख्त के कारोबार में शामिल होने की साजिश का भी आरोप है।

इसके अलावा, नशीले पदार्थों की सप्लाई और उन्हें बेचने की साजिश के आरोप भी लगाए गए हैं। एफबीआई के मुताबिक मेजर सिंह के खिलाफ अमेरिका के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में केस दर्ज है। 25 जून 2026 को उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उसके ऊपर आरआईसीओ (रैकेटीयर इन्फ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशन्स) साजिश और बिना लाइसेंस हथियारों के कारोबार की साजिश के आरोप हैं। फिलहाल एफबीआई मेजर सिंह की तलाश में जुटी है और लोगों से उसके बारे में जानकारी देने की अपील कर रही है। एफबीआई के मुताबिक मेजर सिंह का संबंध पंजाब में एक्टिव रहे जग्गू भगवानपुरिया के संगठित आपराधिक नेटवर्क से है जिसकी गतिविधियां बाद में अमेरिका तक फैल गईं। एफबीआई के मुताबिक अपराधियों का यह नेटवर्क अवैध हथियारों के कारोबार, ड्रग्स तस्करी और संगठित अपराधों से जुड़ा है। एफबीआई की ओर से जारी डिटेल्स के मुताबिक मेजर सिंह की जन्मतिथि 20 जुलाई 1997 दर्ज है।

उसकी राष्ट्रीयता भारतीय बताई गई है। कद काठी का भी विवरण दिया गया है। उसकी लंबाई करीब 5 फीट 8 इंच है और वजन करीब 182 पाउंड है। उसक बात और आंख काले बताए गए हैं। यह जानकारी लोगों की मदद से उसकी पहचान और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सार्वजनिक की गई है।

केरल के पूर्व मंत्री रियास ने पत्नी वीना टी पर लगे आरोपों को किया खारिज, बोले-हम डरते नहीं

तिरुवनंतपुरम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मंथली-पेमेंट मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बढ़ती जांच के बीच केरल के पूर्व मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने बुधवार को अपनी चुप्पी तोड़ी और कड़ा राजनीतिक व कानूनी पलटवार किया। उन्होंने अपनी पत्नी वीना टी पर लगे आरोपों को खारिज किया और कोझिकोड में अपने पुराने दोस्तों के यहां हुई छापेमारी को ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। रियास के करीबी लोगों के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के बाद यह उनका पहला विस्तृत जवाब है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब माना जा रहा है कि एजेंसी ने वीना से लंबी पूछताछ की है।

आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए रियास ने कहा कि वीना का बिजनेस पूरी तरह से वैध है। उन्होंने वीना की साख पर सवाल उठाने वालों को उनके चुनाव नामांकन पत्र देखने की चुनौती दी। रियास ने कहा, अब एक नई कहानी फैलाई जा रही है कि वीना ने एक फर्म शुरू की, यह सच नहीं है। कोई भी मेरे नामांकन पत्र देख सकता है, सब कुछ उसमें है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वीना एक स्वतंत्र व्यक्ति हैं और उन्हें बिजनेस करने से कोई नहीं रोक सकता। रियास ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि उन्होंने इनका कानूनी और राजनीतिक, दोनों तरह से सामना करने का फैसला किया है। उनके ये बयान इसलिए अहम हैं, क्योंकि ईडी ने अब कोझिकोड में उनके कई पुराने दोस्तों और साथियों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, मेरे पुराने दोस्तों के यहां अब छापे पड़ रहे हैं। कोई भी उनके चरित्र के बारे में पता कर सकता है। मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं। कोझिकोड में हर कोई उनके कारोबार के बारे में जानता है। इन छापों का इस्तेमाल ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है। रियास ने केंद्र सरकार पर भी सीधा हमला बोला और आरोप लगाया कि ईडी का इस्तेमाल एक राजनीतिक हथियार के तौर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि भाजपा सरकार ईडी का इस्तेमाल कैसे करती है।

किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनके दोस्तों के साथ उनके रिश्ते सिर्फ इसलिए प्रभावित होंगे, क्योंकि उनके ठिकानों पर तलाशी ली गई है। रियास ने कहा कि उन्होंने और सीपीआई (एम) ने इन आरोपों का सामना करने का फैसला किया है और जोर देकर कहा कि वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा, किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि हम डर जाएंगे। पूर्व मंत्री ने अपनी पत्नी के प्रोफेशनल बैकग्राउंड के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वीना बहुत काबिल हैं

हमारी पार्टी और उसके चुनाव चिह्न को बेचने के लिए हजारों करोड़ों की डील हुई : संजय राउत

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि हमारी पार्टी और उसके चुनाव चिन्ह को सुनियोजित तरीके से बेचा गया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह और चुनाव आयोग के बीच बहुत बड़ी डील हो गई है। उन्होंने कहा कि इसी डील के तहत हमारी पार्टी और उसके चुनाव चिन्ह को एकनाथ शिंदे को बेचा गया। यह डील हजारों करोड़ों रुपये में हुई है और राजनीतिक दुर्भावना से ग्रसित होकर की गई है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि उस वक्त लगभग पांच हजार करोड़ रुपये की डील हुई थी। यह संविधान के साथ खिलवाड़ है। यह देश की जनता के साथ एक तरह का मजाक है। जिसे देश की जनता भलीभांति देख रही है। इन लोगों ने कानून और नियमों को तोड़ने का दुस्साहस किया है। इन लोगों ने पूरी व्यवस्था का मजाक बनाकर रख दिया।

सुबह-सुबह श्रीनगर की सड़कों पर निकले सीएम उमर अब्दुल्ला

विकास परियोजनाओं का लिया जायजा

श्रीनगर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार सुबह श्रीनगर शहर का दौरा कर विभिन्न विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ कई प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया और शहरी बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बरबर शाह में प्रस्तावित पुल की साइट का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, पुल के तैयार होने के बाद शहरी क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इससे शहर के पुराने हिस्से शहर-ए-खास की ओर आने-जाने वाले लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। उमर अब्दुल्ला ने महाराजगंज अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर की नई इमारत का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस यह केंद्र शहर के ऐतिहासिक माहौल के अनुरूप तैयार किया गया है। इसके शुरू होने से शहर-ए-खास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और मरीजों की देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, मंत्री, विधायक, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आ रहे अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह राजदूत के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति और मौजूदा हालात पर चर्चा करेंगे, लेकिन केंद्र सरकार से जुड़े आंतरिक मुद्दों को उनके सामने नहीं उठाएंगे।

उमर ने कहा कि काफी लंबे समय बाद कोई अमेरिकी राजदूत जम्मू-कश्मीर आ रहा है। वह बैठक में राजदूत की बात अधिक सुनना चाहेंगे और देखेंगे कि बातचीत किस दिशा में आगे बढ़ती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर के आंतरिक मुद्दों का समाधान अमेरिका से नहीं, बल्कि भारत की केंद्र सरकार से होना है। वह दूसरे देश के राजदूत के सामने अपने देश की शिकायत करने में विश्वास नहीं रखते। वह अमेरिकी राजदूत के साथ जम्मू-कश्मीर और मौजूदा परिस्थितियों पर जरूर चर्चा करेंगे, लेकिन न तो शिकायत करेंगे और न ही अपनी समस्याओं के समाधान की मांग करेंगे।

भाजपा सरकार ने ईबीसी और ओबीसी को सबसे ज्यादा अधिकारों से रखा वंचित: पप्पू यादव

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद ने आप नेता सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी, झारखंड में 44 परीक्षाएं रद्द और राहुल गांधी के ओबीसी वाले बयान पर प्रतिक्रियाएं दीं। सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार में आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और ओबीसी को सबसे ज्यादा अधिकारों से वंचित रखा गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में बयान दिया है कि ओबीसी समाज भी अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतर गया तो सरकार को झुकना पड़ेगा।

इस पर पूर्णिया के सांसद ने कहा, इस सरकार के कार्यकाल में न तो ऊंची जातियों, न ही आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), न ही एसटी और न ही ओबीसी को सुरक्षा मिली है। इस सरकार ने ईबीसी और ओबीसी को सबसे ज़्यादा अधिकारों से वंचित रखा है। किसी भी पहलू को देखें, चाहे वह ओबीसी और ईबीसी के लिए पिछली सरकारों द्वारा बनाए गए कानून हों, या जातिगत जनगणना और सत्ता में भागीदारी जैसे मुद्दे हों - ये वही मुद्दे हैं, जिन पर आज ओबीसी सवाल उठा रहे हैं।

दिल्ली जल बोर्ड में गड़बड़ी के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, इस देश में कोई संस्था विश्वसनीय बची नहीं, सभी का राजनीतिककरण हो गया है। सत्येंद्र जैन पहले भी जेल जा चुके हैं। बार-बार किसी को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया अपनाना या राजनीतिक मकसद के लिए इसका इस्तेमाल करना सवालिया निशान खड़ा करता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भ्रष्टाचार की जड़ पर ध्यान नहीं दिया गया है। भाजपा पूरी तरह से दागदार हो चुकी है और भ्रष्टाचार में बुरी तरह डूबी हुई है।

90 से 92 फीसदी भाजपा के नेता और पदाधिकारी अकूत पैसा लूट रहे हैं। ऐसे लोगों की ईडी क्यों नहीं जांच करती? विपक्ष पर ईडी का हमला क्यों होता है? झारखंड में 44 परीक्षाएं रद्द होने पर पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने कहा, मैंने कल भी यह बात कही थी और आज भी कह रहा हूं।

जनगणना के सवालों पर क्यों भड़की कांग्रेस?

जाति से लेकर जन्मस्थान तक के सवालों पर घमासान; सरकार पर हुई हमलावर

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जनगणना 2027 में जाति, धर्म और माता-पिता से जुड़ी जानकारी जुटाने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है कि जाति संबंधी सवालों की संरचना जानबूझकर गलत रखी गई है और जनगणना के पीछे 'गहरा और बुरा मकसद' हो सकता है। कांग्रेस ने खास तौर पर 2021 के सुप्रीम कोर्ट हलफनामे का हवाला देते हुए पूछा है कि जब सरकार ने जातियों की पहचान के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू की उपयोगिता बताई थी, तो 2027 की जनगणना में इसे शामिल क्यों नहीं किया गया। जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जनगणना 2027 के दौरान माता-पिता दोनों के धर्म, जन्म तिथि और जन्म स्थान की जानकारी मांगी जा रही है। इतना ही नहीं, यह जानकारी गांव के स्तर तक दर्ज किए जाने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनगणना के सवाल-जवाब वाले फॉर्म में जाति बताने के लिए खुला विकल्प दिया गया है। इसके अलावा, जवाब देने वाला व्यक्ति "जाति नहीं बताना चाहते" और "कोई जाति नहीं" जैसे विकल्प भी चुन सकता है। रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा, 'जनगणना 2027 में जाति के बारे में सवाल पूछने का तरीका जानबूझकर गलत है। धर्म, जन्म तिथि और माता-पिता के जन्म स्थान के बारे में इतने बारीक सवाल पहले कभी नहीं पूछे गए।' उन्होंने आगे कहा कि जनगणना गोपनीय होती है। साफ है कि जनगणना 2027 के पीछे कोई गहरा और बुरा मकसद है। जयराम रमेश ने बताया कि 21 सितंबर 2021 को मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया था। इसमें जाति जनगणना की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज किया गया था।

हालांकि, रमेश ने एक्स पर साझा की गई अपनी पोस्ट में हलफनामे के पैरा 12 (डी) का हवाला देते हुए कहा कि इसमें जातियों का रजिस्टर तैयार करने के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू का सुझाव दिया गया था। रमेश ने हलफनामे के संबंधित हिस्से को उद्धृत करते हुए कहा कि 2011 की जनगणना से पहले जातियों का कोई रजिस्टर तैयार नहीं किया गया था। जातियों के रजिस्टर के लिए यह बेहतर होता कि जातियों को चुनने के लिए एक ड्रॉप-डाउन मेनू दिया जाता, जिससे कुछ ऐसा भरोसेमंद डेटा मिल पाता, जिस पर भरोसा किया जा सके।

रमेश ने इसी आधार पर सवाल उठाया कि 2027 की जनगणना में ऐसा ड्रॉप-डाउन मेनू क्यों नहीं है, जबकि सितंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट के सामने दाखिल हलफनामे में मोदी सरकार ने खुद इसकी सिफारिश की थी।

दिल्ली में डेटिंग ऐप के जरिए बुजुर्ग से ठगी

डिनर पर बुलाया, मोबाइल चुराया और फिर खाली कर दिया बैंक अकाउंट

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से साइबर ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस के साउथ-वेस्ट जिला साइबर थाना पुलिस ने डेटिंग ऐप के जरिए ठगी और मोबाइल चोरी के मामले में दो युवतियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लड़कियों की पहचान 26 वर्षीय ज्योत्सना और 21 वर्षीय मानसी के रूप में हुई है, जो दिल्ली की ही रहने वाली हैं। पुलिस के मुताबिक, ज्योत्सना ने फर्जी पहचान से डेटिंग ऐप पर प्रोफाइल बनाई और फिर 67 वर्षीय बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाया। इस साजिश में ज्योत्सना ने अपनी सहेली मानसी को भी शामिल किया। फिलहाल पुलिस ने दोनों लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया है और अब आगे की जांच जारी है।

पुलिस के मुताबिक, ज्योत्सना ने फर्जी पहचान से डेटिंग ऐप पर प्रोफाइल बनाई और 67 वर्षीय बुजुर्ग को इस ऐप के जरिए अपने जाल में फंसाया। इसके बाद ज्योत्सना ने अपनी साथी मानसी को भी इस साजिश में शामिल कर लिया। योजना के तहत मानसी खुद को उस डेटिंग प्रोफाइल वाली महिला बताकर बुजुर्ग से मिलने के लिए राजी हो गई। 24 जुलाई को डिफेंस कॉलोनी के एक रेस्टोरेंट में दोनों लड़कियों ने बुजुर्ग के साथ डिनर किया। डिनर के बाद बुजुर्ग का मोबाइल फोन चोरी हो गया। मोबाइल चोरी होने के बाद आरोपियों ने उनके बैंक खातों से यूपीआई के जरिए 1 लाख 30 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। ठगी की रकम पहले एक आरोपी के बैंक खाते में पहुंची और बाद में दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर की गई। इसके अलावा 90 हजार रुपये एटीएम से निकाले गए।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दोनों महिलाओं को रकम निकालते हुए देखा, जिससे जांच को अहम सुराग मिला। बैंकिंग ट्रेल, केवाईसी दस्तावेज, सीसीटीवी और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान की। पूछताछ में पुलिस के मुताबिक फर्जी डेटिंग ऐप प्रोफाइल बनाकर संपर्क करने और फिर दूसरी महिला को प्रोफाइल होल्डर बताकर सामने भेजने का खुलासा हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी 20 जुलाई और 24 जुलाई को पीड़ित से मिली थीं। पुलिस के अनुसार, चोरी किया गया मोबाइल फोन बाद में सबूत मिटाने के लिए नष्ट कर दिया गया।

सुनीता ने वापस ली तलाक की अर्जी

गोविंदा के मैनेजर बोले- घर की इज्जत बाजार में नहीं लानी चाहिए थी

अमर उजाला से बातचीत में शशि सिन्हा ने सुनीता के इस फैसले का स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सुनीता को परिवार की बात को इस तरह सार्वजनिक नहीं करना चाहिए था।

शशि सिन्हा ने कहा, 'हां, ये खबर बिल्कुल सही है। मैं इस बात का स्वागत करता हूं। देर से ही सही, कम से कम अब जागे तो। लेकिन इतनी बेइज्जती कराकर, घर की इज्जत बाजार में लाकर, रोड पर लाकर चारों तरफ खड़ा करके... ? ये तो शुरू में ही सोचकर चलना था ना कि हम क्या करने जा रहे हैं? फैमिली वाले लोगों के लिए कोई बात हो तो बैठकर सुलझाओ, घर में लड़ो-झगड़ो, फैसला करो, लेकिन कम से कम तमाशा मत बनाओ। घर में लफड़ा, झगड़ा और कन्फ्यूजन या कुछ भी हो, वह परिवार में होता है लेकिन तमाशा नहीं बनाना चाहिए।'

वहीं जब शशि से पूछा गया कि गोविंदा और सुनीता के बीच यह पूरा मामला कितने समय से चल रहा था? तो शशि सिन्हा ने बताया कि विवाद नया नहीं है। उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई हालिया विवाद नहीं था, बल्कि 2-3 साल से चल रहा था। तलाक तो 2 साल पहले ही फाइल हो चुका था। हालांकि, इतने लंबे समय से चल रहे पारिवारिक मतभेद को सार्वजनिक करने के बजाय आपस में बैठकर सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए थी।'

सुनीता ने याचिका वापस क्यों ली? यह पूछे जाने पर शशि सिन्हा ने कहा, 'उनको लगा कि इस बात को सपोर्ट नहीं मिल रही है। पब्लिक नहीं मान रही है, मीडिया नहीं मान रही है, ऑडियंस नहीं है। इसीलिए उन्हें लगा कि अदालत के फैसले का इंतजार करने के बजाय इस मामले को खत्म करना बेहतर है।'

गोविंदा आज भी सुनीता की आर्थिक मदद करते हैं। परिवार के लिए वह अपनी पूरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इतने विवाद के बावजूद उन्होंने कभी अपने परिवार से मुंह नहीं मोड़ा।

वह आज भी उनके साथ खड़े हैं और जरूरत पड़ने पर आर्थिक तौर पर भी मदद करते हैं।

'गोविंदा ने काफी कुछ सहा..'

गोविंदा ने पूरे विवाद पर किस तरह प्रतिक्रिया दी? यह पूछने पर शशि बोले, 'ये भी कह सकते हैं कि गोविंदा ने अपनी तरफ से काफी सहा है। उन्होंने तो जब भी मामले पर कुछ बोला तो भी अपनी सीमा में रहकर ही बात रखी। रही बात तलाक की अर्जी वापस लेने पर उनके रिएक्शन की तो फिलहाल उनका कोई रिएक्शन नहीं है।'

'उम्मीद है, बात को बाहर लाकर तमाशा नहीं बनाएंगी'

सुनीता के याचिका वापस लेने के बाद आगे क्या उम्मीद है? इस पर शशि सिन्हा कहते हैं...

घर में लफड़ा, झगड़ा या कन्फ्यूजन कुछ भी हो। उसका तमाशा नहीं बनाना चाहिए। 0बैठकर समझा-बुझाकर चीजों को सुलझाना चाहिए। हम सब यही उम्मीद करते हैं कि अब जितना वो बोलती आ रही हैं, आगे नहीं बोलेंगी।

'बहुत अच्छे से समझाया...', कंगना रनौत ने ईशा कोप्पिकर को किया सपोर्ट

कंगना रनौत ने ईशा कोप्पिकर की वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक इंस्टाग्राम पोस्ट मंगलवार देर साझा की है। इस पोस्ट में वह भी खुद को 'भक्त' शब्द से संबोधित करती हैं। जानिए, कंगना ने अपनी पोस्ट में क्या-क्या लिखा है।

देश को लेकर कंगना ने कह दी बड़ी बात

कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ईशा कोप्पिकर की वीडियो साझा करती हैं और लिखती हैं, 'वाह, इस बात को बहुत अच्छे से समझाया गया है। जैसे हाई स्कूल में मैंने उस टीचर के खिलाफ आवाज उठाई थी जो असेंबली के दौरान बच्चों के सिर पर छड़ी से मारता था। मैंने 26/11 की हिंसा और निर्भया के साथ हुई बर्बरता के खिलाफ भी आवाज उठाई। अपनी राह में आई किसी भी मुश्किल के लिए मैंने कभी अपने माता-पिता को दोष नहीं दिया। बल्कि मैंने अपने पूरे परिवार का

जीवन-स्तर उतना ही ऊंचा उठाया, जितना मैंने खुद के लिए हासिल किया था।'

कंगना आगे लिखती हैं, 'मैं जिससे भी मिलती हूं, लोग मुझे उनका 'भक्त' मान लेते हैं। जबकि मैं अपने देश और अपने लोगों से प्यार करती हूं।'

ईशा कोप्पिकर ने वीडियो में क्या कहा था?

सोशल मीडिया पर कुछ लोग ईशा कोप्पिकर को अंधभक्त बुला रहे थे, ट्रोल कर रहे थे। इसके जवाब में उन्होंने एक वीडियो बनाया और उसमें कहा, 'हां मैं एक 'अंधभक्त' हूं। अगर अपने देश से प्यार करना और उसे तरक्की करते देखना ही भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त या 'अंधभक्त' होने पर गर्व है।'

ईशा आगे कहती हैं, 'मेरी यह अंधी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश के लिए है। देश सबसे पहले। मैं सरकार से सवाल कर सकती हूं और उसकी नीतियों से असहमत भी हो सकती हूँ। और फिर भी पूरे दिल से अपने देश से प्यार कर सकती हूं।'

कंगना रनौत और ईशा करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

कंगना रनौत बतौर सांसद अपनी जिम्मेदार को निभा रही हैं। साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं। इस साल वह फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आईं। इसके अलावा वह फिल्म 'क्वीन 2' भी कर रही हैं।

वहीं ईशा कोप्पिकर दो साल पहले एक तमिल फिल्म 'अयलान' में नजर आई थीं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बात करती रहती हैं।

'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद के बाद अपूर्वा मुखीजा ने क्यों बदला अपना ठिकाना?

अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें रेबेल किड के नाम से भी जाना जाता है, ने हाल ही में बताया है कि वह अब भारत में नहीं रहती हैं। अपूर्वा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बताया कि वह भारत छोड़कर चली गई हैं। उन्होंने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद के बाद की स्थिति के बारे में भी बताया।

क्या बोलीं अपूर्वा?

अपूर्वा ने बताया कि 'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद के बाद उनकी जिंदगी कैसे बदल गई। उन्होंने माना कि वह बार-बार शो 'कैंसिल' होने और फिर वापसी करने के सिलसिले से थक चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने व्लॉग्स में कुछ भी बोलने से पहले खुद को फिल्टर करने की कोशिश करती हैं। मगर फिर भी उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें 'कैंसिल' क्यों किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ हफ्तों के लिए भी 'कैंसिल' होने से उनके ब्रांड डील्स पर असर पड़ सकता है, जिसका मतलब है कि उनकी कमाई रुक जाती है।

न्यूयॉर्क पहुंची अपूर्वा

अनट्रिगर्ड बाय अमीनजैज पॉडकास्ट से बातचीत जब उनसे पूछा गया कि क्या न्यूयॉर्क जाने की कोई खास वजह थी, तो अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी यात्रा की है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा 'मैं सच में यहीं रहना चाहती हूं'। इस शहर में कुछ तो बात थी। यह बहुत तेज-तर्रार है, हर कोई बहुत अच्छे कपड़े पहने हुए है, खाना बहुत बढ़िया है। मुझे यहां का आर्किटेक्चर पसंद है और मैंने अपनी पसंदीदा लगभग हर वेब सीरीज में न्यूयॉर्क को देखा है।'

न्यूयॉर्क जाना चाहती थीं अपूर्वा

उन्होंने बताया कि चूंकि वह न्यूयॉर्क में रहना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने सिर्फ एक कॉलेज में अप्लाई किया, और वह न्यूयॉर्क में ही था। उन्होंने कहा, मैंने सोचा अगर मेरा एडमिशन हो जाता है, तो मैं चली जाऊंगी।

अपूर्वा की यह हालिया घोषणा अचानक नहीं हुई है। जून 2025 में ही 'रेबेल किड' ने बता दिया था कि वह आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने की योजना बना रही हैं।

क्या था 'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद?

फरवरी 2025 में, समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में माता-पिता और यौन संबंध के बारे में रणवीर इलाहाबादिया की बातों की काफी आलोचना हुई थी। अपूर्वा भी उस पैनल का हिस्सा थीं और एक कंटेस्टेंट के साथ उनकी बहस की वजह से सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हुई। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ अफआईआर भी दर्ज की गईं। बाद में, अपूर्वा ने यह भी बताया कि उन्हें जान से मारने और रेप की धमकियां मिली थीं।

अपूर्वा का वर्कफ्रंट

हाल ही में, अपूर्वा रियलिटी शो 'लॉक अप' में नजर आईं। वह घर के माहौल में बदलाव लाने के लिए दो हफ्ते के लिए एक 'इनफॉर्मेंट' के तौर पर शो में शामिल हुई थीं। शो का समापन श्रेया कालरा की जीत के साथ हुआ।

11 वोटों के साथ 2026 वीएमएज़ में मैडोना सबसे आगे कितने नंबर पर हैं टेलर स्विफ्ट और शकीरा?

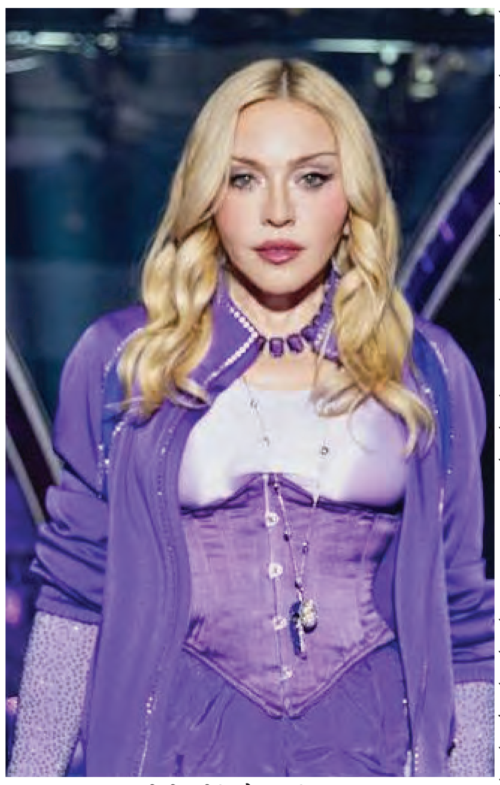

2026 एमटीवी वीडियो म्यूजिक अवाड्र्स के नॉमिनेशन का एलान हो गया है। इसमें पॉप आइकन मैडोना 11 वोटों के साथ सबसे आगे हैं। मैडोना के ठीक बाद टेलर स्विफ्ट नौ वोटों के साथ दूसरे नंबर पर है। इसी तरह से एरियाना ग्रांडे और सबरीना कारपेंटर को सात-सात वोट मिले हैं।

2026 वीएमएज़ में वोट पाने वाले दूसरे लोग ब्रूनो मार्स, जारा लार्सन और पिंकपैंथरेस हैं। इन लोगों को पांच-पांच वोट मिले हैं। ब्लैकपिंक की लिसा को चार वोट मिले हैं। टेट मैकरे और शकीरा तीन-तीन वोट के साथ बराबरी पर हैं।

कहां होगा शो?

वीएमएज़ इस साल लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में होने वाले हैं, यह नौ साल में पहली बार है जब यह शो वेस्ट कोस्ट पर होगा। इसे आखिरी बार 2017 में लॉस एंजिल्स से ब्रॉडकास्ट किया गया था और इसे कैटी पेरी ने होस्ट किया था। दो घंटे का यह शो 27 सितंबर को एयर होगा।

होस्ट का नाम अभी नहीं बताया गया है।

क्या इतिहास रचेगी 'टॉक्सिक? दुनियाभर में इतनी स्क्रीन्स पर होगी रिलीज, जानें कब शुरू होगी एडवांस बुकिंग?

किसके बीच होगा मुकाबला?

इस बीच, आर्टिस्ट ऑफ द ईयर के लिए मैडोना, टेलर स्विफ्ट, एरियाना ग्रांडे, कारपेंटर, मार्स और मॉर्गन वॉलन जैसे लोग मुकाबला करेंगे। वीडियो ऑफ द ईयर के लिए मैडोना का 'कन्फेशन्स II- द फिल्म', स्विफ्ट का 'द फेट ऑफ ओफेलिया', कारपेंटर का 'टीयर्स', ग्रांडे का 'हेट दैट आई मेड यू लव मी' और मार्स का 'आई जस्ट माइट' मुकाबला करेंगे।

कौन हैं प्रोड्यूसर?

2026 वीएमएज़ को गनपाउडर एंड स्काई प्रोड्यूस कर रहे हैं, जिसमें एमटीवी के पुराने कलाकार वैन टॉफलर लीड प्रोड्यूसर हैं। डेन ऑफ थीव्स के जेसी इग्नजाटोविक, बारबरा बियालकोव्स्की, ब्रूस गिल्मर, बैरी बार्कले और फ्लोरिस बाउर शो के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। वैरायटी ने बताया कि मेलानी ब्लॉक को-एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, गैरी लैनवी को-प्रोड्यूसर हैं।

'महाकाली' में दर्शकों को हैरान करने को तैयार अक्षय खन्ना

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 24 अगस्त को 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं।

अपकमिंग फिल्म 'महाकाली' में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य का किरदार निभाने वाले हैं। माना जा रहा है कि अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा में है। अब उनकी पहली झलक देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं।

पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य एक बेहद अहम पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना की तरफ से निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएंगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है।

ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

क्या पहली बार साथ नजर आएंगे कियारा और सैफ अली खान?

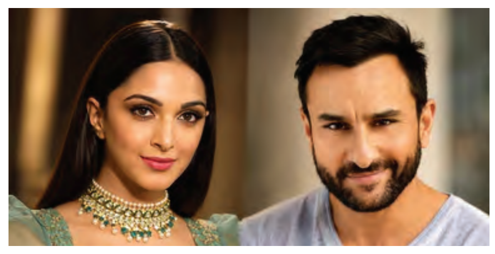

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं। जानिए क्या है पूरा मामला।

कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं।

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है।

'हैवान' में दिखेंगे सैफ अली खान

वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे।यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है।'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यश ने बच्चों को दी 'टॉक्सिक' से दूर रहने की सलाह फिल्म के इंटेंस सीन्स को लेकर कही ये बात

फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' इन दिनों काफी चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। अब क्या फिल्म बच्चों को देखनी चाहिए या नहीं? इसपर यश ने खुलकर बात की है।

बच्चों को यह फिल्म नहीं देखनी चाहिए

यश ने बच्चों को इस फिल्म से दूर रहने की सलाह दी है। एक्टर के मुताबिक, यह फिल्म बड़ों के लिए बनाई गई है, जो खुद तय कर सकते हैं कि उन्हें क्या देखना है और कहानी से क्या सीख लेनी है।

यश ने यह भी कहा कि फिल्म के ट्रेलर में वह सब कुछ नहीं दिखाया गया है, जो फिल्म में देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ इंटेंस सीन्स को लेकर पहले ही कुछ लोगों ने नाराजगी जताई है, लेकिन यश का मानना है कि फिल्म की कहानी सच्ची और दमदार है।

राजत शर्मा के शो 'आप की अदालत' में बात करते हुए यश ने

कहा, 'बच्चों को यह फिल्म नहीं देखनी चाहिए। उन्हें घर पर रहना चाहिए। यह फिल्म बच्चों के लिए नहीं बनाई गई है और यह बात बिल्कुल साफ है। बड़े लोग सही और गलत को समझते हैं। वे खुद तय कर सकते हैं कि उन्हें क्या देखना है, फिल्म से क्या सीखना है और जिंदगी में क्या नहीं करना है। लेकिन फिल्म बहुत सच्ची है और इसकी कहानी काफी गहरी है।'

'टॉक्सिक' के ट्रेलर में क्या खास?

ट्रेलर के मुताबिक फिल्म की कहानी एक बाप और बेटे की लड़ाई पर आधारित है। ट्रेलर की शुरुआत में एक बेटा अपने बाप से माफी मांगता है और आगे जाकर यही बेटा अपने बाप के खिलाफ खड़ा नजर आता है। अब क्या है दोनों की कहानी यह तो फिल्म देखकर ही पता चलेगा।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं।उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश का एक्शन अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा।

जल्द शादी करेंगे काव्या मारन और कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर? ग्रीस में हो सकता है जश्न

साउथ के मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन के रिलेशनशिप की खबरें बीते काफी दिनों से सुर्खिया बटोर रही हैं। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। इस बारे में सूत्रों के हाथ यह खास जानकारी लगी है।

कपल इस साल नवंबर में शादी कर सकता है।

'लेट्स सिनेमा' की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह जोड़ा 10 नवंबर 2026 को शादी करेगा। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि शादी का आयोजन ग्रीस में होगा।

इससे पहले एक्टर वाईजी महेंद्रन ने सबसे पहले यह कहा था कि अनिरुद्ध जल्द शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वाईजी महेंद्रन, रिश्ते में अनिरुद्ध के मामा हैं।

वायरल हुआ था वीडियो

इससे पहले साल 2025 में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई थी। इस पोस्ट में

अनिरुद्ध और काव्या साथ घूमते नजर आए थे। इसके बाद से कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

मगर कंपोजर ने हमेशा इन खबरों से इन्कार किया। दूसरी तरफ काव्या ने भी अब तक शादी की खबरों और रिलेशनशिप पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

अनिरुद्ध और काव्या का वर्क फ्रंट

अनिरुद्ध साउथ सिनेमा के जाने-माने म्यूजिक कंपोजर हैं। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'डीसी' में म्यूजिक दिया था। वहीं उनके कई बड़े प्रोजेक्ट भी रिलीज के इंतजार में हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में 'जेलर 2', 'द पैराडाइज', 'अरासन', 'किंग' और 'AA23 x A6' जैसी बड़े बजट की फिल्में शामिल हैं।

वहीं काव्या, सनराइजर्स हैदराबाद टीम की सीईओ हैं। इसके साथ ही वो सन टीवी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर भी हैं। काव्या के पिता कलानिधि मारन साउथ के बहुत बड़े प्रोड्यूसर हैं।

राजभवन मार्च के दौरान हिरासत के बाद छोड़े गए तेजस्वी

बोले– जेल से नहीं डरते, जारी रहेगी हमारी लड़ाई

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पटना में छात्रों के मुद्दे, पेपर लीक, बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को लेकर निकला आरजेडी का राजभवन मार्च हंगामे में बदल गया। पुलिस ने मार्च को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की और प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया था, हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया था। हिरासत में लिए जाने के दौरान तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार डर गई है। उन्होंने दावा किया कि आरजेडी शांतिपूर्ण तरीके से तिरंगा लेकर छात्रों के मुद्दे पर मार्च निकाल रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ एक मुद्दे तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के अधिकार, बेरोजगारी खत्म करने, पेपर लीक रोकने और परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए है। तेजस्वी ने साफ कहा कि वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाते रहेंगे और सरकार की कार्रवाई से आंदोलन रुकने वाला नहीं है।

मार्च के दौरान पुलिस की ओर से वाटर कैनन के इस्तेमाल पर भी तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आदेश पर हो रही है। तेजस्वी ने कहा कि वाटर कैनन चलाने या इस तरह की दूसरी कार्रवाई करने से आंदोलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जनता जाग चुकी है और अब सड़क पर उतर आई है। तेजस्वी के मुताबिक, ऐसे तरीकों से सरकार लोगों की आवाज को दबा नहीं सकती और आखिरकार सरकार को झुकना पड़ेगा।

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी लोकभवन की ओर पैदल मार्च कर रहे थे। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की और कुछ जगहों पर पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पुलिस की कार्रवाई के बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बन गई। बाद में तेजस्वी यादव समेत कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आरजेडी सांसद मीसा भारती भी तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकले मार्च में शामिल हुईं।

उन्होंने पेपर लीक, बेरोजगारी और छात्रों व युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। मीसा भारती ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में छात्रों के खिलाफ एके-47 के इस्तेमाल की बात स्वीकार की है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शन के दौरान एके-47 के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी थी।

बाइक सवार को गोलियों से भूना

सिक्सलेन पुल पर सिर-पेट में मारी गोली, मौके पर मौत दवा लेने पटना जा रहा था

हाजीपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वैशाली में एक बाइक सवार युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधी मौके पर घात लगाए बैठे थे। तभी अचानक बिदुपुर से रुस्तमपुर के बीच सिक्सलेन पुल पर पाया नंबर 32 के पास अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया और गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राघोपुर रुस्तमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चेचर निवासी 22 वर्षीय अंशुमन कुमार, पिता सुनील कुमार सिंह के रूप में हुई है। घटना बुधवार दोपहर वैशाली के राघोपुर रुस्तमपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक अंशुमन दो भाई में छोटा था, वह राजमिस्त्री के साथ मजदूरी का काम रहता था। बुधवार को वह दादा के लिए दवा लाने पटना जा रहा था, इसी दौरान बदमाशों ने उसे गोली मार दी।

हाईवे पर बह रही गंगा, ट्रैक्टर से पार कराईं गाड़ियां

प्रयागराज में 3 दिन से बारिश, गोंडा में सूखे भूसे के लिए लड़े किसान

लखनऊ/वाराणसी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। बिजनौर में स्टेट हाईवे पर गंगा नदी का पानी बह रहा है। सड़क के कुछ हिस्सों में 2 फीट तक पानी भर गया है, जिससे लोग अपनी कार और बाइक को ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से पार करा रहे हैं।

वाराणसी में घाटों के किनारे बने 100 से ज्यादा मंदिरों में गंगा का पानी घुस गया है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए हैं। नमो घाट की सीढ़ियां डूब गई हैं। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती अब छत पर कराई जा रही है।

गोंडा में घाघरा नदी उफना गई है। 5 गांवों बाढ़ की चपेट में हैं। मवेशियों के लिए पहुंचाए गए सूखे भूसे को लेने के लिए लोगों में लूट मच गई। हालात संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। फिर पुलिस की मौजूदगी में भूसा बांटा गया।

प्रयागराज में पिछले 3 दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। करेली इलाके में लोगों के घरों के भीतर कमर तक पानी भर गया है, जिससे सोफा, बेड और अन्य सामान डूब चुके हैं। लोग घरों की पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं।

बुधवार सुबह लखनऊ और बाराबंकी समेत 10 शहरों में हल्की बूंदाबांदी हुई। आगरा, वाराणसी और कानपुर समेत 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धूप निकल आई।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रयागराज, गोंडा, कौशांबी, गाजीपुर और भदोही में 12वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई।

जौनपुर, सोनभद्र और मिर्जापुर में 8वीं तक के स्कूल बंद हैं।

फर्जी जीएसटी अधिकारी बन 40 .50 लाख की लूट

पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

4 लाख 30 हजार रुपए और लैपटॉप बरामद

देवघर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देवघर पुलिस ने जसीडीह थाना क्षेत्र में फर्जी जीएसटी अधिकारी बनकर 40 लाख 50 हजार रुपये की लूट के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर लूटी गई नकदी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और वारदात में इस्तेमाल किए गए सामान बरामद किए गए हैं।

यह घटना 8 अगस्त 2026 को हुई थी। वादी विक्रम चौधरी ने जसीडीह थाना में अज्ञात स्कॉर्पियो सवार अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि जसीडीह थाना क्षेत्र के टाभाघाट-दर्दमारा मुख्य सड़क पर अपराधियों ने उनकी मोटरसाइकिल को स्कॉर्पियो से रोक लिया। अपराधियों ने खुद को जीएसटी अधिकारी बताया और विक्रम चौधरी तथा उनके साथ मौजूद कर्मचारी को रुपये से भरे बैग सहित अगवा कर लिया। वे 40 लाख 50 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और लैपटॉप लूटकर फरार हो गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कुमोद पोद्दार, संजय कुमार सिंह, शिव शंकर कुमार, घनश्याम यादव और विनोद प्रसाद यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस ने संजय सिंह की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन, दो मोबाइल फोन, दो प्लास्टिक के पुलिस डंडे और लाल-नीले रंग का पुलिस बोर्ड बरामद किया।

सपा के पूर्व एमएलसी दो भाइयों समेत 10 को उम्रकैद

वकील और उनकी टीचर बहन की सरेआम गोली मारकर हत्या की थी

औरैया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। औरैया के बहुचर्चित वकील मंजुल चौबे और उनकी टीचर बहन की हत्या के मामले में 6 साल बाद फैसला आया। बुधवार दोपहर 2 बजे एमपी-एमएलए कोर्ट ने सपा के पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक, उनके दो सगे भाइयों समेत 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

15 जनवरी, 2020 को मंजुल और उनकी बहन सुधा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या की गई थी। उनके घरवालों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया था। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस ने 19 लोगों पर केस कराया था। इनमें से 11 लोगों को 7-7 की सजा सुनाई गई, जबकि 7 लोगों को बरी कर दिया है। एक आरोपी नाबालिग है, उसका मुकदमा जुवेनाइल कोर्ट चल रहा है।

कमलेश और मंजुल पहले दोस्त हुआ करते थे। दोनों के बीच मंदिर की एक बीघा जमीन को लेकर झगड़ा हो गया था। कमलेश पाठक जमीन पर कब्जा करना चाहता था, जबकि मंजुल चौबे इसका विरोध कर रहे थे। इसके बाद दोनों के बीच दुश्मनी हो गई थी।

पुलिस के मुताबिक, वारदात वाले दिन कमलेश उसी जमीन पर कुर्सी डालकर बैठे थे। तभी मंजुल के पिता ने उन्हें बुरा-भला कहा और कुर्सी से गिरा दिया। झगड़ा होता देख दोनों परिवारों के लोग मौके पर पहुंच गए। कमलेश का भाई संतोष और गनर भी वहां आ गए। झगड़ा बढ़ने पर गनर ने मंजुल के पिता को गिराकर पीटा। इसी बीच कमलेश और उसके पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाई संतोष ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मंजुल और उनकी बहन सुधा जमीन पर गिर पड़े। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमलेश, उसके 2 सगे भाइयों संतोष और राम समेत 7 लोगों को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। अगले दिन 4 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस तरह कुल 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 2020 में पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इसमें 11 लोगों को आरोपी बनाया गया।

इसी मामले में 11 जुलाई, 2020 को 10 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। एक आरोपी नाबालिग था, इसलिए उसे जुवेनाइल कोर्ट भेज दिया गया। गनर अवनीश प्रताप सिंह को गैंगस्टर एक्ट के मामले में बरी कर दिया गया था, लेकिन हत्या का केस जारी था।

पिछले 6 साल में मामले में 900 से ज्यादा तारीखें पड़ीं। दोनों पक्षों की ओर से 72 गवाह पेश किए गए। मंजुल के परिवार की तरफ से 33 और कमलेश की तरफ से 39 गवाहों ने गवाही दी।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट शुरू

बोकारो, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बोकारो में एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट 2026 का बुधवार को आगाज हुआ। सेक्टर-4 स्थित मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। देशभर से करीब 900 तीरंदाज इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें विश्व चैंपियन रजत चौहान और दीपिका जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह में कई जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी और खेल संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए झारखंड को 'लैंड ऑफ आर्चरी' बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में तीरंदाजी की प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और खिलाड़ियों को उचित मंच मिलने पर वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

बोकारो तीरंदाजी संघ की सचिव एंजेला सिंह ने बताया कि बोकारो में पहली बार इतने बड़े स्तर की तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। प्रतियोगिता में विश्व चैंपियन रजत चौहान और दीपिका जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अर्जुन पुरस्कार विजेता और प्रशिक्षक राहुल बनर्जी सहित लगभग 15 से 20 अर्जुन पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी तथा पद्मश्री सम्मानित खिलाड़ी भी इस आयोजन का हिस्सा हैं।

बुधवार को बारिश के कारण प्रतियोगिता शुरू होने में कुछ देरी हुई, लेकिन खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का उत्साह बना रहा। मैदान पर देश के अनुभवी तीरंदाजों के साथ युवा खिलाड़ियों ने भी अपना निशाना साधा।

झारखंड में एक साथ जेपीएससी-जेएसएससी की 22 परीक्षाएं रद्द

सीआईडी करेगी 23 परीक्षाओं की जांच

पड़ताल के दायरे में आए नियुक्त 2044 अफसर

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। इनमें जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा भी शामिल है। इसके अलावा छह परीक्षाओं के क्रेडेंशियल की जांच सीआईडी को सौंप दी गई है। जांच पूरी होने तक इन परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित रहेगी।

वहीं, 17 अन्य परीक्षाओं में अनियमितता के आरोपों की भी सीआईडी जांच कराने का निर्णय लिया गया है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के सचिव प्रवीण कुमार टोप्पो ने मंगलवार देर रात इससे संबंधित अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार वर्ष 2010 की कॉमर्शियल टैक्स (सीमित) परीक्षा से लेकर अब तक कुल 45 परीक्षाएं इस कार्रवाई के दायरे में आ गई हैं। रद्द की गई 22 परीक्षाओं में से चार परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो चुकी थी। इनके आधार पर 2394 अधिकारी विभिन्न विभागों में कार्यरत थे। सरकार के फैसले के बाद इन सभी अधिकारियों की नियुक्तियां समाप्त मानी जाएंगी। इससे प्रशासनिक और व्यक्तिगत स्तर पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। दूसरी ओर, लंबे समय से भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में जनता और युवाओं का विश्वास बहाल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सरकार अब जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए हाईकोर्ट से फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आग्रह करेगी। इसके साथ ही दोनों आयोगों में आंतरिक निगरानी कोषांग स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इससे भविष्य में भर्ती प्रक्रियाओं की लगातार निगरानी हो सके और अनियमितताओं को समय रहते रोका जा सके। सरकार की इस कार्रवाई को राज्य की भर्ती व्यवस्था में बड़े सुधार और जवाबदेही की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

10 हजार रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

हाईवे पर एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

संभल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में भ्रष्टाचार के खिलाफ बुधवार को बड़ी कार्रवाई हुई। पट्टे की भूमि की पैमाइश के नाम पर किसान से रिश्वत मांगने वाले लेखपाल को मुरादाबाद एंटी करप्शन टीम ने फिल्मी अंदाज में हाईवे पर घेराबंदी कर रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जैसे ही रुपये हाथ में आए, पहले से निगरानी कर रही टीम सक्रिय हो गई और कुछ ही मिनटों में आरोपी को दबोच लिया। इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

बुधवार दोपहर एंटी करप्शन टीम पूरी तैयारी के साथ आरोपी लेखपाल की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। शिकायत की पुष्टि होने के बाद टीम ने पूरा जाल बिछाया। किसान से रुपये लेने के तुरंत बाद आरोपी बाइक से निकलने लगा, लेकिन हाईवे पर पहले से मौजूद टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। अचानक हुई कार्रवाई से आसपास मौजूद लोग भी हैरान रह गए।

बताया जा रहा है कि पट्टे की भूमि की पैमाइश कराने के बदले किसान से रुपये की मांग की गई थी। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन इकाई ने पूरे मामले का सत्यापन किया और फिर योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप बिछाया। जैसे ही तय रकम आरोपी तक पहुंची, कार्रवाई कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद टीम ने आरोपी की तलाशी ली, जिसमें उससे रिश्वत के 10 हजार रुपये बरामद हुए। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर संबंधित थाने लाया गया, जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

लेखपाल की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही राजस्व विभाग में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सरकारी काम के बदले रिश्वत लेने के आरोप में हुई इस कार्रवाई को विभाग के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार की शिकायतों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई जरूरी है। उनका मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से आम लोगों का प्रशासन पर भरोसा मजबूत होगा और रिश्वतखोरी पर भी अंकुश लगेगा।

छत्तीसगढ़ में मानसून एक्टिव

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज भी कई जिलों में भारी बारिश और कई जगहों पर हल्की बारिश की संभावना जताई है। अगले 2 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है।

इस दौरान कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। राजधानी रायपुर में पिछले 3 दिनों से लगातार पानी गिर रहा है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 26°C और न्यूनतम तापमान 23°C दर्ज किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक झारखंड और उससे लगे पश्चिम बंगाल में बने डिप्रेशन सिस्टम के असर से बारिश हो रही है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में मूसलाधार बारिश के कारण कन्हर नदी उफान पर है।

336 किमी बक्सर- भागलपुर एक्सप्रेसवे को मंजूरी

बिहार कैबिनेट के 13 बड़े फैसले, 11 हजार निजी नलकूप को बढ़ावा

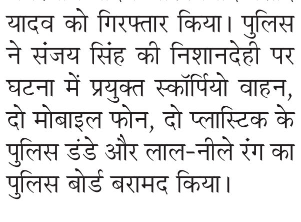

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुधवार को संपन्न हो गई। इस बैठक में कैबिनेट ने 13 एजेंडों पर अपनी मुहर लगाई। बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री, विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। उसके अलावा सभी मंत्रिपरिषद के सदस्य भी मौजूद रहे। बैठक में बिहार में सड़क प्रोजेक्ट को विस्तार देने और संपर्क बढ़ाने को लेकर एक बड़ी घोषणा की गई और साथ ही उसे मंजूरी भी दे दी गई। बक्सर से भागलपुर के बीच 336 किलोमीटर लंबा 6 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने के सैद्धांतिक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

जानकारी के मुताबिक ये बक्सर- भागलपुर एक्सप्रेसवे अरवल, जहानाबाद, नालंदा, जमुई सहित कई जिलों से होकर गुजरेगा। सड़क को पूरी तरह से आधुनिक नियमों के मुताबिक बनाया जाएगा। वाहनों के आने जाने और प्रवेश करने के लिए तय जगहों का प्रयोग किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को पीपीपी यानी सार्वजनिक निजी भागीदारी के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा बीएसआरडीसीएल के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इससे कई जिलों में आने- जाने की सुविधा बढ़ जाएगी।

बिहार कैबिनेट में हर खेत को पानी पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री नलकूप योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 11 हजार निजी नलकूप लगाए जाएंगे। इसके लिए 305.60 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इस योजना से किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए पानी की बेहतर सुविधा मिलेगी और खेती पर निर्भरता आसान होगी। बिहार में सिंचाई व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। सिंचाई प्रमंडल, कटिहार के अंतर्गत कटिहार वितरणी, फूलपुर, हसनगंज, बैजनाथपुर एवं सेमापुर उप वितरणियों तथा संबंधित नहर प्रणालियों के पुनर्स्थापन कार्य हेतु 35. 82 करोड़ की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति की गई।

उसके अलावा एआई को बढ़ावा देने के लिए, बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य में एआई तकनीक और उससे जुड़े अवसर को आगे ले जाने के लिए टायो एआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और बिहार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बीच समझौता हुआ है। इस पहल से बिहार में एआई तकनीक और नए इनोवेशन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही राज्य को भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी। ऐसा बताया जा रहा है।

बिहार सरकार की ओर से कैबिनेट में हुए फैसले के मुताबिक सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 48,200 मीट्रिक टन नई भंडारण क्षमता तैयार की जाएगी।

बीमार माता-पिता से बेटे को अलग करना बहू की क्रूरता

हाईकोर्ट बोला– शादी के बाद जिम्मेदारी खत्म नहीं होती तलाक की अर्जी मंजूर

बिलासपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके चंद्रवंशी ने पारिवारिक विवाद और तलाक के मामले में अहम फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद नया परिवार जरूर बनता है, लेकिन इससे बुजुर्ग और बीमार माता-पिता के प्रति संतान की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती।

अगर पत्नी बिना किसी ठोस और सही वजह के बीमार सास-ससुर को छोड़कर अलग रहने का लगातार दबाव बनाती है, तो उसका यह व्यवहार पति के प्रति मानसिक क्रूरता माना जाएगा। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के तलाक के फैसले को सही ठहराते हुए पत्नी की अपील खारिज कर दी है।

आगरा में बंदरों के हमले से छत से गिरा युवक

टूट गईं कई हड्डियां, हालत नाजुक

आगरा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के कुबेरपुर छलेसर क्षेत्र में बंदरों का आतंक एक व्यक्ति पर जानलेवा साबित हुआ। बंदरों के झुंड ने उसपर हमला कर दिया, जिससे बचने की कोशिश में वह मकान की छत से नीचे आ गिरा। इस हादसे में उसके दोनों पैर, दोनों कूल्हे और रीढ़ की हड्डी में गंभीर फ्रैक्चर हो गए। घायल युवक को तत्काल एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया।

अलीगढ़ के कासिमपुर निवासी सूरज पुत्र जोगेंद्र छलेसर में किराए के मकान में रहता है। वह नगर निगम की ओर से बनाए जा रहे कूड़े से बिजली बनाने वाले संयंत्र में काम करता है। काम के सिलसिले में उसने कमरा ले रखा था। रविवार को सूरज मकान की छत पर था। इसी दौरान बंदरों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बंदरों से बचने के लिए वह पीछे हटने लगा। हड़बड़ाहट में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे जा गिरा। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल सूरज को अस्पताल पहुंचाया। घायल अवस्था में सूरज को एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। जहां जांच के दौरान उसके दोनों पैरों, दोनों कूल्हों और रीढ़ की हड्डी में गंभीर फ्रैक्चर मिले। चिकित्सकों ने परिजनों को स्थिति की गंभीरता के बारे में बताया। बेहतर उपचार की जरूरत को देखते हुए परिजन उसे अलीगढ़ लेकर चले गए।

छलेसर की यह घटना कोई अकेला मामला नहीं है। आगरा में बंदरों के हमलों और उनसे बचने की कोशिश में गिरने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं।

भारतीय शेयर बाजार अब नहीं रहा विदेशी निवेशकों की पहले जैसी पसंद, सर्वे ने बढ़ाई चिंताएं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के शेयर मार्केट के लिए अच्छी खबर नहीं है। फंड मैनेजरों के बीच कराए गए एक सर्वे में भारत को एशिया में सबसे कम पसंद किए जाने वाला शेयर बाजार माना गया है। भारतीय बाजार इस साल सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजारों में शामिल है। सर्वे के अनुसार भारतीय इक्विटी के लिएआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्पष्ट भागीदारी न होना मुख्य चिंता का विषय बना हुआ है। घरेलू शेयर बाजार आज फिर गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स में लगातार चौथे सत्र में गिरावट आई जबकि निफ्टी लगातार सातवें दिन फिसला है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंक ऑफ अमेरिका कॉर्प द्वारा फंड मैनेजरों के बीच कराए गए एक सर्वे में भारत एशिया के सबसे कम पसंद किए जाने वाले शेयर बाजार बना है। पहले इंडोनेशिया इस स्थान पर था लेकिन अब भारत ने उसकी जगह ले ली है। फंड मैनेजर भारतीय बाजार को लेकर काफी सतर्क रुख अपना रहा हैं क्योंकि इस साल उसका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है।

7 से 13 अगस्त के बीच कराए गए इस सर्वे के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्पष्ट भागीदारी न होना भारतीय इक्विटी के लिए मुख्य चिंता का विषय बना हुआ है। साथ ही कमजोर ग्रोथ भी एक बड़ा जोखिम है। सर्वे में 32% फंड मैनेजर्स ने कहा कि वे भारत में कम निवेश कर रहे हैं। सुधारों की कमी और ज्यादा वैल्यूएशन भी भारतीय बाजार के प्रति निराशाजनक नजरिए के कारण रहे। भारत एशिया का चौथा बड़ा इक्विटी बाजार है।

रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के लिए माहौल बेहतर हुआ है। 27% फंड मैनेजरों ने कहा कि वे इंडोनेशिया के बाजार में कम निवेश कर रहे हैं, जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 32% था। ताइवान और जापान निवेशकों की सबसे पसंदीदा जगहें बनी हुई हैं। इस सर्वे में कुल 98 पैनलिस्ट्स ने हिस्सा लिया।

भारतीय बाजार का हाल

सर्वे के नतीजे पिछले दो हफ्ते भारतीय शेयरों में आई गिरावट से मेल खाते हैं, जबकि कमाई का आउटलुक बेहतर हो रहा है। इससे पता चलता है कि बाजार के फंडामेंटल मजबूत होने के बावजूद निवेशक बाजार को लेकर सतर्क हैं। निफ्टी 50 मार्च के हालिया निचले स्तर से 8% बढ़ा है, लेकिन इस साल यह एशिया का दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला प्रमुख बाजार बना हुआ है।

सोना 800 सस्ता हुआ, चांदी में 4,500 की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर गिरावट आई है। हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत में तेजी का सिलसिला जारी है। ट्रेजरी यील्ड में हाल के हाई लेवल से कमी आई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीदें कम हो गईं हैं। हालांकि सोने को महंगाई से बचाव का जरिया माना जाता है लेकिन ऊंची ब्याज दरें सोने की कीमतों पर दबाव डालती हैं क्योंकि वे डॉलर को मजबूत करती हैं और यील्ड देने वाले एसेट्स को इन्वेस्टर्स के लिए अधिक आकर्षक बनाती हैं।

एमसीएक्स पर 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,54,262 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,53,900 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 858 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,404 रुपये तक गिरा। इसी तरह चांदी की कीमत में भी शुरुआती कारोबार में 4,488 रुपये की गिरावट आई और यह 2,27,931 रुपये प्रति किलो तक आ गई।

सर्राफा कीमत

सर्राफा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 920 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,970 रुपये पर आ गया। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 850 रुपये नीचे 1,42,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा था जबकि 18 कैरेट वाला सोना भी 690 रुपये नीचे 1,16,230 रुपये पर आ गया।

इंटरनेशनल प्राइस

हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमतों में थोड़ी बढ़त हुई क्योंकि अमेरिका में ट्रेजरी यील्ड हाल के हाई लेवल से नीचे आ गई। साथ ही ट्रेडर्स फेडरल रिजर्व की मीटिंग के मिनट्स जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले सेशन में लगभग 2% की गिरावट के बाद स्पॉट गोल्ड 0.2% बढ़कर 4,342 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, दिसंबर डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.6% गिरकर 4,396.30 डॉलर रह गया।

विझिंजम बंदरगाह पर आयात-निर्यात शुरू

विदेशी ट्रांसशिपमेंट हब पर घटेगी भारत की निर्भरता, अदाणी का 30,000 करोड निवेश

तिरुअनंतपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केरलम के विझिंजम बंदरगाह पर आयात-निर्यात परिचालन शुरू हो गया है। अदाणी ग्रुप यहां 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने वाला है। इस परिचालन की शुरुआत केरलम के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उद्योग मंत्री पी.के. कुन्हालीकुट्टी समेत अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हुई। मुख्यमंत्री सतीशन ने इसे ₹गर्व का क्षण₹ बताया और कहा कि विझिंजम अब दुनिया के लिए एक गेटवे है। उन्होंने 'मिशन समुद्र' के माध्यम से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने पर जोर दिया। विझिंजम बंदरगाह पर आयात-निर्यात की शुरुआत के बाद सीएम ने कहा कि सरकार रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण हेतु 3,200 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्वनी गुप्ता ने कहा कि यह नया गेटवे भारत की आकांक्षाओं को वैश्विक बाजारों से जोड़ता है। उन्होंने पोर्ट को भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से भी जोड़ा।

शेयर बाजार में बिकवाली से सेंसेक्स 325 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बुधवार को भी गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 76.60 अंक की गिरावट के साथ 24,078.30 पर आ गया।

सेंसेक्स में 0.42 फीसदी की कमी देखने को मिली। निफ्टी में भी 0.32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच चिंता का माहौल पैदा किया। दूसरी ओर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी कमजोर हुआ।

रुपया एक पैसा गिरकर 95.75 के अस्थायी स्तर पर बंद हुआ। यह आंकड़े 19 अगस्त 2026 को दोपहर 03:37 बजे बाजार बंद होने के बाद के हैं। बाजार बंद होने के समय तक यह स्थिति बनी रही।

आज बाजार में क्या हुआ?

आज 19 अगस्त 2026 को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 325.78 अंक नीचे आया। यह 76,909.68 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में कुल 0.42 फीसदी की कमी दर्ज की गई। यह गिरावट बाजार के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। निफ्टी भी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। निफ्टी में 0.32 फीसदी की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार में दोनों प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा।

रुपये का क्या हाल रहा?

आज भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी दर्ज की। रुपया एक पैसा गिरकर बंद हुआ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसका अस्थायी बंद भाव 95.75 रुपये रहा। रुपये की यह गिरावट बाजार के लिए एक और चिंता का विषय रही। यह दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक कारकों का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा है। निवेशकों को रुपये की चाल पर भी नजर रखनी होगी।

रुपए को गिरने से बचाने की जरूरत नहीं

पीएम के सलाहकार बोले- मार्केट को तय करने दें करेंसी का स्तर

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत को रुपए में गिरावट रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय उसे मार्केट के हिसाब से अपना स्तर तय करने देना चाहिए। वहीं हमारा मुख्य फोकस महंगाई दर को कंट्रोल में रखने पर होना चाहिए। सान्याल ने कहा कि जब देश ने इन्फ्लेशन टारगेटिंग फ्रेमवर्क को अपनाया था, तब उसने करेंसी एक्सचेंज रेट के ऊपर मॉनेटरी पॉलिसी को चुना था। संजीव सान्याल ने बताया कि ओपन कैपिटल अकाउंट वाली अर्थव्यवस्थाओं में पॉलिसी मेकर्स के सामने कई चुनौतियां होती हैं। भारत का फ्रेमवर्क इस सिद्धांत पर आधारित है कि कोई भी देश एक साथ स्वतंत्र मॉनेटरी पॉलिसी चलाने और अपनी करेंसी की विनिमय दर को सख्ती से कंट्रोल करने का काम नहीं कर सकता। भारत जैसे बड़े और आंतरिक रूप से मजबूत देश के लिए रुपए की दर तय करने के बजाय महंगाई दर को लक्षित करना ही सही कदम है। सान्याल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को रुपए के स्तर में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्फ्लेशन टारगेटिंग सिस्टम ने देश में बहुत अच्छा काम किया है। एक समय था जब भारत में महंगाई दर 8% से 12% के दायरे में रहती थी, जबकि पिछले एक दशक में यह सफलतापूर्वक घटकर 2% से 6% के दायरे में आ गई है। संजीव सान्याल ने यह भी कहा कि रुपए को बाजार के भरोसे छोड़ने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि केंद्रीय बैंक या संबंधित अधिकारी पूरी तरह चुप बैठेंगे।

उन्होंने कहा कि फॉरेक्स रिजर्व का इस्तेमाल करेंसी में होने वाले अचानक या तेज उतार-चढ़ाव की रफ्तार को धीमा करने और झटकों को संभालने के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसका उपयोग रुपए को उसके स्वाभाविक स्तर पर पहुंचने से रोकने के लिए नहीं होना चाहिए। सान्याल ने बताया कि रुपए का कमजोर होना अर्थव्यवस्था के लिए हमेशा नुकसानदायक होता है। उन्होंने कहा कि यदि देश में महंगाई दर कंट्रोल रहती है, तो रुपए में गिरावट से भारतीय एक्सपोर्टर्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। दुनिया के कई देशों की करेंसी में काफी उतार-चढ़ाव आता रहता है, इसलिए अगर घरेलू स्तर पर कीमतें स्थिर हैं, तो कमजोर रुपया अर्थव्यवस्था के लिए रुकावट नहीं बनता। सान्याल के मुताबिक, मुख्य चिंता यह होनी चाहिए कि क्या करेंसी में आ रही गिरावट से देश के भीतर महंगाई बढ़ रही है। यदि महंगाई कंट्रोल में है और जरूरत पड़ने पर ब्याज दरें बढ़ाई जा सकती हैं, तो रुपए को जबरन बचाना सही तरीका नहीं है।

एसबीआई ग्राहकों के लिए अलर्ट

4 बार से ज्यादा कैश निकालने पर लगेगा चार्ज

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने अपने बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट होल्डर्स के लिए सर्विस चार्ज में बदलाव किया है। बैंक ने ब्रांच के जरिए कैश निकालने से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। बदले हुए नियम 1 अक्टूबर, 2026 से लागू होंगे। यह अकाउंट मुख्य रूप से समाज के गरीब वर्गों के लिए होते हैं ताकि उन्हें बिना किसी चार्ज या फीस के बोझ के बचत शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

एसबीआई के अपडेट के अनुसार, 1 अक्टूबर, 2026 से एक महीने में पहले चार फ्री मुफ्त विड्रॉल के बाद होने वाले हर कैश विड्रॉल ट्रांजैक्शन पर 15 रुपये प्लस जीएसटी का चार्ज लगेगा। पहले, डिजिटल ट्रांजेक्शन को छोड़कर, शुरुआती चार मुफ्त ट्रांजेक्शन के बाद हर ट्रांजेक्शन पर 15 रुपये + जीएसटी का चार्ज लगता था। यानी पहले चार मुफ्त ट्रांजेक्शन की गिनती करते समय डिजिटल ट्रांजैक्शन को शामिल नहीं किया जाता था। लेकिन अब SBI के बदले हुए नियम में इस छूट को हटा दिया गया है।

एसबीआई में इस अकाउंट में मिनिमम बैलेंस बनाए रखने की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, इस अकाउंट के साथ चेक बुक की सुविधा नहीं मिलती है। पैसे निकालने के लिए ब्रांच में विड्रॉल फॉर्म या एटीएम का इस्तेमाल किया जा सकता है। अकाउंट होल्डर को एक बेसिक रुपे एटीएम-कम-डेबिट कार्ड जारी किया जाता है।

जो ग्राहक यह बेसिक सेविंग्स बैंक अकाउंट खोलते हैं, उनके पास कोई दूसरा सेविंग्स बैंक अकाउंट नहीं हो सकता। अगर ग्राहक के पास पहले से कोई सेविंग्स बैंक अकाउंट है, तो बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट खोलने के 30 दिनों के भीतर उसे बंद करना होगा।

ग्राहकों के लिए एक बेसिक रुपे एटीएम-कम-डेबिट कार्ड मुफ्त जारी किया जाता है। इस पर कोई सालाना मेंटेनेंस चार्ज नहीं लगता है। एनईएफटी /आरटीजीएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट चैनलों के जरिए जमा होने वाले पैसों पर भी कोई चार्ज नहीं लगता है। इनएक्टिव खातों को दोबारा चालू करने पर कोई शुल्क नहीं लगता है लेकिन खाता बंद करने पर चार्ज लगता है।

भारत के यूरिया क्षेत्र में 90,000 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कृषि क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव दिख सकता है। कृषि में इस्तेमाल होने वाले यूरिया से जुड़े सेक्टर में भारत निवेश के एक नए दौर के लिए तैयार है। इक्रा ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, उर्वरक कंपनियां अगले छह महीनों में 80,000 से 90,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय कर सकती है है। आईसीआरए ने कहा है कि निवेश की नई नीति क्षेत्र में क्षमता वृद्धि को बढ़ावा देगी। इससे 2030-31 तक यूरिया आयात पर देश की निर्भरता कम हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूरिया-2026 के लिए नई निवेश नीति के तहत आने वाले संयंत्रों को लगभग साढ़ तीन से चार वर्षों में चालू किए जाने की उम्मीद है। इन निवेशों से 2030-31 से घरेलू यूरिया आत्मनिर्भरता में काफी सुधार होगा। रेटिंग एजेंसी ने बताया कि भारत ने 2025-26 में अपनी यूरिया आवश्यकता का लगभग 27 फीसदी आयात किया था। घरेलू क्षमता 30.6 दस लाख टन प्रति वर्ष थी, जबकि मांग लगभग 39.9 दस लाख टन थी।

नई नीति ने अधिसूचित प्राप्तियों को कम करके और वापसी सीमा को घटाकर परियोजना अर्थशास्त्र को सख्त कर दिया है। इक्विटी पर वापसी की सीमा 12-16 फीसदी तक सीमित कर दी गई है। यह पहले की एनआईपी-2012 के तहत 12-20 फीसदी थी। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और समूह प्रमुख गिरीशकुमार कदम ने कहा कि इसके बावजूद, ऋण कवरेज और वापसी मेट्रिक्स परियोजना के प्रस्तावकों के लिए आरामदायक रहने की उम्मीद है। हालांकि, आठ साल की नीति अवधि में एक ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए संचयी ऋण सेवा कवरेज अनुपात 1.26 गुना रहने की उम्मीद है। कदम ने बताया कि परियोजना लागत को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण होगा। साथ ही, संयंत्रों को 95 फीसदी से अधिक क्षमता उपयोग पर लगातार संचालित करना भी परियोजना के प्रस्तावकों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

किन संबद्ध क्षेत्रों को लाभ मिलेगा?

यह निवेश चक्र संबद्ध क्षेत्रों के लिए भी अवसर पैदा करेगा। प्रत्येक नया 1.27-एमएमटीपीए यूरिया संयंत्र लगभग 2.2 दस लाख मानक घन मीटर प्रति दिन गैस मांग बढ़ाएगा। इससे लगभग 0.6 दस लाख टन एलएनजी खपत भी बढ़ेगी। गैस पारेषण कंपनियां, गैस व्यापारी और एलएनजी टर्मिनल अधिक गतिविधि देख सकते हैं। ईपीसी ठेकेदार और महत्वपूर्ण उपकरण निर्माता भी लाभान्वित होंगे।

इनमें उच्च दबाव प्रक्रिया पात्र, हीट एक्सचेंजर, रिएक्टर और अमोनिया कनवर्टर शामिल हैं।

माल ढुलाई से कमाई बढ़ाएगी रेलवे

बंदरगाह कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर खर्च करेगी 3300 करोड़ रुपये

नई दिल्ली , 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं के साथ-साथ माल ढुलाई से अपनी कमाई और लॉजिस्टिक्स क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर नेटवर्क विस्तार में जुटा है। इसी रणनीति के तहत रेल मंत्रालय ने देश के दूसरे सबसे बड़े मालवाहक बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप पोर्ट की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने का फैसला लिया है। इसके लिए दो अलग-अलग मार्गों पर कुल 98 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई जाएंगी, जिस पर करीब 3,300 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए माल ढुलाई से 1.89 लाख करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखा है। यह वित्त वर्ष 2025-26 में माल ढुलाई से कुल कमाई 1.78 लाख करोड़ रुपये से 5.8 फीसदी अधिक है।भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.67 अरब टन वार्षिक माल ढुलाई का आंकड़ा दर्ज किया। यह एक नया रिकॉर्ड है, जो उर्वरक, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात के परिवहन में 13 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण संभव हुआ। वित्त वर्ष 2026-27 में रेलवे द्वारा कुल माल ढुलाई 1.76 अरब टन रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 में पारादीप पोर्ट ने रिकॉर्ड 156.45 मिलियन टन माल का प्रबंधन किया था। यहां से कोयला, कच्चा लोहा और अन्य भारी जिंसों की तेज और निर्बाध ढुलाई के लिए रेलवे ने दो प्रमुख परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई है।

हरिदासपुर–पारादीप (53 किमी): मौजूदा समय में इस मार्ग पर सिंगल लाइन है, जिसे दोहरा किया जाएगा। लगभग 1,100 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना की डीपीआर को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।

कटक-पारादीप (45 किमी): यह मार्ग फिलहाल डबल लाइन है। यहां दबाव कम करने के लिए दो अतिरिक्त लाइनें (तीसरी और चौथी लाइन) बिछाई जाएंगी। लगभग 2,210 करोड़ रुपये की इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे भी मंजूरी मिल जाएगी।

2030-31 तक पूरा होगा काम

रेल मंत्रालय के अनुसार, परियोजनाओं में देरी रोकने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। जब कम से कम 90 फीसदी जमीन का अधिग्रहण पूरा हो जाएगा, तभी टेंडर जारी किया जाएगा। संभावना है कि अगले साल टेंडर जारी कर दिए जाएंगे और 4 साल के भीतर यानी 2030-31 तक दोनों मार्गों पर काम पूरा कर लिया जाएगा।

भारतीय रेलवे ने 2030-31 तक सालाना माल ढुलाई को 3,000 मीट्रिक टन तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जिसे 'मिशन 3000' नाम दिया गया है। देश के प्रमुख बंदरगाहों से निकलने वाले भारी माल को सड़क मार्ग की बजाय रेल नेटवर्क पर शिफ्ट करने से लॉजिस्टिक्स लागत और समय दोनों में बड़ी बचत होगी।

सरकार का बड़ा कदम: घरेलू पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के लिए वितरकों को मिलेगी अतिरिक्त गैस

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने घरेलू पाइप प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन दिया है। शहर गैस वितरकों को प्रत्येक नए बिल वाले घरेलू पीएनजी कनेक्शन पर 200 मानक घन मीटर (एससीएम) अतिरिक्त सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस मिलेगी। यह कदम कंपनियों को एलपीजी से पाइप गैस में बदलाव में तेजी लाने के लिए प्रेरित करेगा। यह प्रोत्साहन 1 सितंबर से प्रभावी होगा और प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र के लिए निर्धारित सीमा से अधिक वृद्धिशील कनेक्शनों पर लागू होगा। यह योजना निष्क्रिय और बिना बिल वाले कनेक्शनों को चालू करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य नए क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करना भी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

भारत में वर्तमान में लगभग 1.74 करोड़ घरेलू पीएनजी कनेक्शन मौजूद हैं। अतिरिक्त एपीएम (प्रशासित मूल्य तंत्र) गैस आवंटन से वितरक महंगी द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की जगह सस्ती गैस का उपयोग कर पाएंगे। इससे उनकी कुल गैस-खरीद लागत में कमी आएगी। सरकार का अनुमान है कि इस बचत से घरेलू पीएनजी कनेक्शनों पर पूंजीगत व्यय की वापसी अवधि 10 साल से घटकर लगभग तीन साल हो जाएगी। यह वितरकों के लिए घरेलू कनेक्शनों का विस्तार करने हेतु एक मजबूत वित्तीय प्रोत्साहन है। यह योजना दो छह महीने की किस्तों में लागू की जाएगी।

क्यों जरूरी है पीएनजी का विस्तार?

पीएनजी को एलपीजी सिलेंडरों और पारंपरिक खाना पकाने के ईंधनों का एक स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक विकल्प माना जाता है। 2026 की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट के दौरान एलपीजी आपूर्ति में व्यवधान आया था। इससे सरकार को

सिलेंडरों पर निर्भरता कम करने के तरीके खोजने पड़े। सरकार ने घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी थी। साथ ही, शहर गैस वितरकों को पीएनजी कनेक्शन में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उपभोक्ताओं और कारोबारों को भी बदलाव के लिए प्रोत्साहन दिए गए।

मार्च से अब तक 5 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन गैस से जुड़ चुके हैं। 5.7 लाख से अधिक ग्राहकों ने नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। सरकार ने पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं से घरेलू एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने को भी कहा है। पाइप गैस में बदलाव को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान भी शुरू किया गया है। सरकार ने गैस बुनियादी ढांचे के लिए नियामक बाधाओं को कम करने का भी प्रयास किया है। राज्यों को प्राकृतिक गैस पर वैट 5 फीसदी तक कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पीएनजी ड्राइव 2.0 और इसके लाभ क्या हैं?

एक राष्ट्रव्यापी पीएनजी अभियान 2.0 में जागरूकता अभियान शामिल हैं। इसमें एलपीजी का उपयोग करने वाली आवासीय सोसायटियों को बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। घरों के लिए एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने की सुविधा भी दी गई है। नए पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन और ट्रैकिंग हेतु एक एकीकृत डिजिटल पोर्टल भी विकसित हो रहा है।

यह नवीनतम प्रोत्साहन योजना एपीएम और गैर-एपीएम गैस आवंटन दोनों को कवर करती है। पीएनजी पाइपलाइनों के माध्यम से लगातार आपूर्ति होती है, जो मीटर की गई खपत के अनुसार बिल की जाती है। यह सिलेंडरों को स्टोर करने की आवश्यकता कम कर घरेलू सुविधा और सुरक्षा बढ़ाती है। पीएनजी पारंपरिक ईंधनों की तुलना में स्वच्छ जलने वाला ईंधन भी है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सुर्य	सिंह	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
सिंह---	05-52 बजे
कन्या--	07-58 बजे
तुला----	09-02 बजे
वृश्चिक--	12-13 बजे
धनु----	14-28 बजे
मकर--	16-32 बजे
कुंभ---	18-24 बजे
मीन---	20-01 बजे
मेष----	21-37 बजे
वृष-----	23-21 बजे
मिथुन--	01-24 बजे
कर्क----	03-40 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त: 18-42
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष गुरुवार **20 August 2026**
तिथि - अष्टमी **21-18** तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - विशाखा **09-08** तक उपरान्त अनुराधा
योग - ऐन्द्र **04-25** तक उप वैधृति
करण - विष्टी (भद्रा) **08-16** तक उप बव
भद्राकाल **08-16** से
विशेष: श्री दुर्गा अष्टमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-54 से 15-29 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	06-01 - 07-36	शुभ
रोग	07-36 - 09-10	अशुभ
उत्पात	09-10 - 10-45	अशुभ
चंचल	10-45 - 12-19	शुभ
लाभ	12-19 - 13-54	शुभ
अमृत	13-54 - 15-29	शुभ
काल	15-32 - 17-03	अशुभ
शुभ	17-03 - 18-42	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-42 - 20-03	शुभ
चंचल	20-03 - 21-29	शुभ
रोग	20-29 - 22-54	अशुभ
काल	22-54 - 00-20	अशुभ
लाभ	00-20 - 01-45	शुभ
उत्पात	01-45 - 03-11	अशुभ
शुभ.	03-11 - 04-36	शुभ
अमृत	04-36 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बहुत मजबूत है, जो आपको काम या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। आपको अचानक जल्दी से काम करने की इच्छा हो सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। आपकी कल्पना और सहज ज्ञान आपका अच्छा मार्गदर्शन करते हैं। सही क्षणों को पहचानने और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए खुद पर भरोसा रखें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज आप अपने काम से गहराई से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं, और आपके कार्यों का मार्गदर्शन एक मज़बूत भावनात्मक भावना से होगा। आत्मविश्वास आपकी सफलता में सहायक होगा, लेकिन ध्यान रखें कि आप खुद को ज़रूरत से ज़्यादा न बढ़ाएँ। स्पष्ट और विचारशील संवाद महत्वपूर्ण है। परियोजनाओं में अनावश्यक प्रयास से बचें और पेशेवर या व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना ईमानदारी से करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): अपने अहंकार को नियंत्रित करने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा। तार्किक दृष्टिकोण अपनाएँ जिससे आपको उन्नति की एक श्रृंखला मिल सके। आध्यात्मिक जागरूकता को अपनाएँ, जो आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में आपकी मदद करती है। क्रूर प्रवृत्ति से सावधान रहें और सद्भाव बनाए रखने के लिए अहंकारी उद्देश्यों से बचें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपका करियर पथ उज्ज्वल रूप से चमकता है, पोषण ऊर्जा और एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आपको खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। मान्यता और अपने पेशेवर आकांक्षाओं में वृद्धि की उम्मीद करें। हालाँकि, मानसिक क्षेत्र में लाभहीन अटकलों और संभावित नुकसान से सावधान रहें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपका तर्क और अनुशासन निरंतर प्रगति में सहायक होते हैं, जिससे आपको अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होता है। आपकी रचनात्मकता आपके काम में निखार लाती है और आपके विचारों को विशिष्ट बनाती है। आप दूसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति महसूस कर सकते हैं, इसलिए टीम वर्क में सहानुभूति रखें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'कांग्रेस में अब दो नहीं, चार नेताओं में शीर्ष की होड़'

सीएम भजनलाल का गहलोत पर बड़ा हमला

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के कामकाज का हिसाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि चश्मा तो लगवाया जा सकता है, मगर देखने का दृष्टिकोण नहीं बदला जा सकता।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कांग्रेस में जारी खींचतान पर तंज कसते हुए कहा कि पहले दिल्ली हाईकमान के समक्ष राजस्थान से दो नेताओं के बीच शीर्ष पर पहुंचने की प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर चार हो गई है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार निरंतर काम कर रही है, लेकिन विपक्षी नेताओं को विकास दिखाई नहीं दे रहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति हावी रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने 4,800 घोषणाओं में से केवल करीब 1,850 घोषणाएं ही पूरी की थीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में युवाओं, किसानों और मजदूरों के कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 20 लाख लखपति दीदी बनाने की उपलब्धि हासिल हुई है, जिसे विपक्ष नजरअंदाज कर रहा है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि पिछले सत्र में सरकार ने अपने दो वर्ष के कामकाज की तुलना कांग्रेस के पांच वर्ष के कार्यकाल से करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था। उनके अनुसार, इससे डरकर कांग्रेस नेता विधानसभा से चले गए। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में युवाओं को पेपर लीक और आमजन को बिजली संकट का सामना करना पड़ता था, जबकि वर्तमान सरकार हर वादे को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है।

नगर निकाय चुनाव का पूरा शेड्यूल जारी

9 और 11 सितंबर को वोटिंग; 14 सितंबर को होगी मतगणना

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव को लेकर तस्वीर अब साफ हो गई है। चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण का मतदान 9 सितंबर और दूसरे चरण का मतदान 11 सितंबर को होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। वहीं 14 सितंबर को मतगणना होगी। चुनाव के बाद नगर निकायों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। 21 सितंबर को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा, जबकि 22 सितंबर को उपाध्यक्ष पद का चुनाव कराया जाएगा।

चुनाव को लेकर 27 अगस्त को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसी दिन से प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बाद चुनावी मैदान में उतरने वाले उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 3 सितंबर को नाम वापसी की अंतिम तारीख होगी। इसके बाद चुनावी मैदान में रहने वाले प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और प्रचार अभियान भी तेज होने की संभावना है।

नजर चुनावी तारीखों पर

27 अगस्तः अधिसूचना जारी, नामांकन शुरू
3 सितंबरः नाम वापसी
9 सितंबरः प्रथम चरण का मतदान
11 सितंबरः द्वितीय चरण का मतदान

14 सितंबरः मतगणना
21 सितंबरः अध्यक्ष का चुनाव
22 सितंबरः उपाध्यक्ष का चुनाव

इन चुनावों में 1,44,03,853 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2019 के मुकाबले नगरीय निकायों में मतदाताओं की संख्या में करीब 27.24 प्रतिशत वृद्धि हुई है। आयोग के मुताबिक जयपुर नगर निगम में सबसे अधिक मतदाता हैं, जबकि इंद्रगढ़ नगरपालिका में सबसे कम 4,744 मतदाता हैं।

नए परिसीमन के बाद 309 नगरीय निकायों में कुल 10,245 वार्ड होंगे। इनके लिए 16,465 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। वर्ष 2019 में 196 नगरीय निकायों में 7,500 वार्ड और 10,153 मतदान केंद्र थे। नए परिसीमन के कारण कई वार्डों की सीमाओं में बदलाव हुआ है। ऐसे में मतदाताओं को मतदान दिवस पर बनाए जाने वाले वोटर असिस्टेंस बूथ से अपने बूथ और मतदाता सूची में क्रमांक की जानकारी मिल सकेगी।

नगरीय निकाय चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से कराए जाएंगे। आयोग ने सभी जिलों में पर्याप्त EVM उपलब्ध करा दी हैं। EVM के आवंटन और उनके स्थानांतरण की ऑनलाइन ट्रैकिंग के लिए सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा।

309 नगरीय निकायों के दो चरणों में चुनाव कराने के लिए करीब 1,15,255 कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। मतदान और मतगणना दलों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 98,790 पुलिसकर्मियों को चुनाव ड्यूटी में लगाया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए अधिकतम खर्च सीमा भी निर्धारित की है। नगर निगम पार्षद के लिए अधिकतम 3.50 लाख रुपये, नगर परिषद पार्षद के लिए 2.50 लाख रुपये और नगरपालिका सदस्य के लिए 1.50 लाख रुपये खर्च सीमा तय की गई है। उम्मीदवारों को चुनाव परिणाम घोषित होने के 15 दिन के भीतर चुनाव खर्च का पूरा विवरण संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

सरकार पर 'हल्ला बोलने' वाले डोटासरा के 'लक्ष्मणगढ़' के लिए 6 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी

सीकर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ से विधायक गोविंद सिंह डोटासरा के संसदीय क्षेत्र के निवासियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार की विभिन्न प्रशासनिक नीतियों और निर्णयों पर सड़क से लेकर सदन तक लगातार तीखे हमले बोलने वाले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 6.10 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है।

इस स्वीकृत बजट के माध्यम से लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली कुल 33.37 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों का मरम्मत, नवीनीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। प्रदेश की राजनीति में जारी सियासी खींचतान के बीच विपक्षी विधायक के गृह क्षेत्र में बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट्स की मंजूरी को प्रशासनिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि क्षेत्रीय निवासियों के लिए लंबे समय से खस्ताहाल सड़कों की समस्या एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों के दैनिक यात्रियों, किसानों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। इस स्वीकृति के बाद लक्ष्मणगढ़ के दर्जनों गांवों के निवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

राजस्थान की वर्तमान राजनीतिक स्थिति में जहां एक ओर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर उनके गृह क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में बुनियादी ढांचे के लिए जारी हुई यह सरकारी स्वीकृति प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

सड़क विकास कार्यों की मंजूरी मिलने के बाद पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने लक्ष्मणगढ़ की जनता को बधाई दी और इसे अपने निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष में रहते हुए भी अपने क्षेत्र की जनता के बुनियादी मुद्दों को उठाने और बजटीय स्वीकृतियां हासिल करने का यह कदम डोटासरा के लिए अपने स्थानीय राजनीतिक गढ़ को और अधिक मजबूत करने में मददगार साबित होगा।

लोक निर्माण विभाग और संबंधित प्रशासनिक निकायों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 6.10 करोड़ रुपये की इस राशि का उपयोग ग्रामीण सड़कों के पुनर्निर्माण में किया जाएगा। कई वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी मुख्य संपर्क सड़कों की गहरी मरम्मत की जाएगी ताकि हादसों की आशंका को कम किया जा सके। 33.37 किलोमीटर लंबे मार्ग पर नए सिरे से डामरीकरण किया जाएगा, जिससे सड़कों की जीवन अवधि बढ़ेगी।

लक्ष्मणगढ़ कस्बे को दूर-दराज के गांवों से जोड़ने वाली फीडर सड़कों को दुरुस्त किया जाएगा, जिससे स्थानीय कृषि उपज मंडी और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान होगी।

स्वीकृति मिलने की सूचना सार्वजनिक होने के तुरंत बाद विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने सोशल मीडिया और स्थानीय प्रतिनिधियों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने जारी संदेश में डोटासरा ने कहा, ₹लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास और सुगम सड़क कनेक्टिविटी के लिए किए जा रहे मेरे निरंतर प्रयासों एवं संकल्प की दिशा में यह एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी है और आगे भी विकास के ये प्रयास बिना रुके जारी रहेंगे।

पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर के घर चोरों का धावा

कीमती सामान पर हाथ साफ़, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के पॉश और वीआईपी इलाकों में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने स्थानीय निवासियों और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसी बीच खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर के आवास को अज्ञात चोरों ने अपना निशाना बनाया है। पूर्व मंत्री नागर के जगतपुरा के इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-1 स्थित मकान में उस समय चोरी की यह वारदात हुई जब घर पूरी तरह से सूना था। चोरों ने इसका फ़ायदा उठाया और घर में रखे कीमती सामान और आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर की शिकायत पर खोह नागोरियान थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की गहन तफ्तीश शुरू कर दी है। राजधानी के सुरक्षित माने जाने वाले आवासीय क्षेत्रों में इस तरह की घटना सामने आने के बाद स्थानीय निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। पुलिस की विशेष टीमें अब इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

घटना के संदर्भ में पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर स्थानीय पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अज्ञात बदमाशों के खिलाफ आधिकारिक आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा एफआईआर संख्या 490/2026 के तहत बीएनएस 2023 की धारा 305(ए) में चोरी का केस दर्ज किया गया है। इस पूरे मामले की जांच की जिम्मेदारी सहायक उप-निरीक्षक वीरेंद्र चौधरी को सौंपी गई है, जो अपनी टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर चुके हैं। पुलिस से प्राप्त शुरुआती जानकारी के अनुसार, जगतपुरा के इंदिरा गांधी नगर स्थित सेक्टर-1 में स्थित यह मकान पिछले कुछ समय से सूना पड़ा हुआ था। चोरों ने इसी बात का फायदा उठाकर घर के मुख्य ताले तोड़े और अंदर प्रवेश किया। घर के भीतर रखी अलमारियों और लॉकर के ताले टूटे हुए पाए गए, जिससे सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला। शुरुआती आकलन में घर में रखे गहने और अन्य महत्वपूर्ण कीमती सामान चोरी होने की बात सामने आई है। पुलिस के साथ-साथ फॉरेंसिक और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य और उंगलियों के निशान एकत्र किए हैं। जयपुर पुलिस की जांच टीम घटना स्थल के आसपास की कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को खंगाल रही है।

मानसून की सुस्ती के बीच आज से 23 अगस्त तक होगी झमाझम बारिश

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून का मिज़ाज एक बार फिर बदलता हुआ नजर आ रहा है। झमाझम बारिश के दौर के बाद अब राज्य में मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के ताजा अपडेट के मुताबिक, राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले 2 से 3 दिनों तक बारिश की गतिविधियों में कमी दर्ज की जाएगी। हालांकि, कुछ चुनिंदा संभागों और जिलों में बादलों की आवाजाही के बीच हल्की से मध्यम वर्षा देखने को मिल सकती है। बीते 24 घंटों के दौरान राजस्थान के हाड़ौती, मेवाड़ और वागड़ अंचल समेत पूर्वी और दक्षिणी जिलों में छिटपुट बारिश का दौर जारी रहा। दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, बारां, कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलुंबर, उदयपुर और सिरोही जिलों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश दर्ज की गई।

सर्वाधिक बारिशः राज्य में सबसे ज्यादा बारिश प्रतापगढ़ जिले के अरनोद में दर्ज की गई, जहां 21.0 मिमी वर्षा हुई। तापमान का मिज़ाजः श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 39.4C के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि सिरोही में न्यूनतम तापमान 19.5C दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पूर्वी भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब और तीव्र होकर अवदाब में बदल गया है। अगले 24 घंटों में इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार की तरफ आगे बढ़ने की संभावना है। वहीं, मानसून ट्रफ लाइन फिलहाल अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर फिरोजपुर, मुजफ्फरनगर, पटना से होते हुए गुजर रही है, जिसके चलते राजस्थान में भारी बारिश का सिस्टम फिलहाल सुस्त पड़ा हुआ है।

पूर्वी राजस्थान में अगले 2-3 दिन बारिश थोड़ी कम रहेगी। हालांकि, 20 से 23 अगस्त के दौरान जयपुर और भरतपुर संभाग के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की वापसी हो सकती है। बाकी हिस्सों में छिटपुट बौछारें ही देखने को मिलेंगी।

मरुधरा के पश्चिमी हिस्से में अगले 4-5 दिनों तक मानसून की स्थितियां काफी कमजोर रहने वाली हैं। जोधपुर और बीकानेर संभाग के ज्यादातर इलाकों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। हालांकि, राहत की बात यह है कि बीकानेर संभाग के उत्तरी हिस्सों और शेखावाटी क्षेत्र में 20 से 22 अगस्त के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार जताए गए हैं।

अगर आप अगले दो-तीन दिनों में कहीं घूमने या यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो धूप और उमस के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर होने वाली हल्की बौछारों के लिए तैयार रहें!

नकली नोट गिरोह का खेल! 20 किमी पीछा कर ग्रामीणों ने युवक को दबोचा

2 फरार; पुलिस बोली- आरोपी नाबालिग

नागौर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के गठिलासर गांव में नकली नोटों के कथित गिरोह का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों को नकली नोटों के लेन-देन की भनक लगी तो उन्होंने तत्काल संदिग्धों का पीछा किया। करीब 20 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद गांव वालों ने एक युवक को दबोच लिया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। युवक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिस को युवक को पकड़कर ले जाते दिखाया जा रहा है। हालांकि, इसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। ग्रामीणों का दावा है कि मौके पर तीन युवक मौजूद थे। पुलिस के पहुंचने के बाद एक को पकड़ लिया गया, जबकि बाकी दो भाग निकले। तीन दिन बीत जाने के बावजूद नकली नोटों के स्रोत, सप्लाई चेन और नेटवर्क का कोई ठोस खुलासा नहीं हुआ है। यही वजह है कि ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि क्या युवक को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया? उसके पास से नकली नोट बरामद हुए या नहीं? अगर हुए तो कितनी संख्या और कीमत के थे? फरार दोनों युवकों की पहचान हुई या नहीं और क्या उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है? नकली नोट सीधे बाजार और आम लोगों की जेब से जुड़े होते हैं, इसलिए पूरे गिरोह का पर्दाफाश जरूरी है।

दिन में करते रेकी, रात को पिकअप साथ ले जाकर देते वारदात को अंजाम, चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस थाना ओसियां और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी व नकबजनी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना समेत तीन शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में ओसियां सहित पाली, बाड़मेर, फलोदी और बीकानेर जिले में सात वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी दिन में वारदात वाली जगह की रेकी करते थे और रात में पिकअप लेकर चोरी करने निकलते थे। गिरोह विशेष रूप से सोलर प्लांट, मोबाइल टावर, मोटर पंप की दुकानों और विद्युत तार के गोदामों को निशाना बनाता था।

10 अगस्त की रात ग्राम थोब में मोटर पंप रिवाइंडिंग की दुकान का शटर तोड़कर करीब दो क्विंटल तांबे के नए-पुराने तार चोरी किए गए थे। मामले में मथानियां निवासी धन्नराज प्रजापत ने जोधपुर ग्रामीण जिले के औसियां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जिला पुलिस अधीक्षक पंकज के निर्देशन में वारदात को गंभीरता से लेते हुए डीएसटी और औसियां थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी व मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की और तीन संदिग्धों को दस्तयाब कर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने थोब की वारदात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब दो-तीन माह पहले पाली जिले के चोटीला क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से चार बार मोबाइल टावरों की बैटरियां चोरी की थीं। इसके अलावा बीकानेर-फलोदी राजमार्ग के पास एक दुकान का शटर तोड़कर तांबे के तार चोरी किए। बीकानेर क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन के वायर गोदाम से एल्युमिनियम के तार तथा 13 अगस्त की रात रामदेवरा के पास सोलर प्लांट से पीतल चोरी करना भी स्वीकार किया है।

पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया है। अब उनसे चोरी के माल की बरामदगी, वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पूछताछ में और वारदातों के खुलासे की उम्मीद है। पुलिस ने राजूराम पुत्र देवाराम निवासी देड़ा, थाना शेरगढ़, जोधपुर ग्रामीण, विराराम उर्फ वीरू पुत्र बुद्धाराम निवासी बेलवा राजगढ़, थाना बालेसर, जोधपुर ग्रामीण, चौथाराम उर्फ सवाईराम पुत्र गजाराम उर्फ गोपाराम निवासी बेलवा राजगढ़, थाना बालेसर, जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी राजूराम के खिलाफ चोरी, विद्युत तार चोरी और अन्य अपराधों के कई मामले पहले से दर्ज हैं। उसके खिलाफ बालेसर, राजीव गांधी नगर, सांकड़ा, देचू, मंडोर, भणियाणा और शेरगढ़ थानों में प्रकरण दर्ज बताए गए हैं।

आश्रम में 'हुंकार' की हत्या, आधी रात कहासुनी के बाद साथी ने किया हमला, आरोपी हिरासत में

अजमेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित स्वयंसिद्धा आश्रम में दो आवासियों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। रात करीब 1.30 बजे आपसी कहासुनी के बाद एक आवासी ने दूसरे पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया। सिर, मुंह पर गंभीर चोट लगने से घायल युवक की हालत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची सिविल लाइंस थाना पुलिस ने उसे जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। पुलिस के अनुसार अजमेर के स्वयंसिद्धा आश्रम में रात करीब 1.30 बजे दो आवासियों के बीच में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मध्यप्रदेश के आमीर खान ने लोहे के पाइप से दूसरे हुंकार नामक युवक पर हमला कर दिया। हमले में उसके सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आश्रम में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल आश्रम पहुंची। घायल को उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को को मोर्चरी में रखवाया है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बना साला

जीजा का फोटो बदलकर किया फर्जीवाड़ा, एसओजी ने दबोचा

अजमेर/जालौर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की वर्ष 2022 वरिष्ठ अध्यापक हिंदी भर्ती परीक्षा में मूल अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने वाले 10 हजार रुपये के इनामी डमी अभ्यर्थी को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश कुमार विश्नोई के रूप में हुई है। आरोपी मूल अभ्यर्थी सैलाराम का साला बताया जा रहा है। एसओजी के अनुसार आरोपी दिनेश कुमार ने सैलाराम की जगह परीक्षा देने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के दौरान फर्जीवाड़ा किया। आरोप है कि आवेदन में मूल अभ्यर्थी की फोटो को मॉर्फ कर उसकी जगह फर्जी फोटो लगाई गई। इसके बाद दिनेश कुमार परीक्षा केंद्र पर पहुंचा और सैलाराम के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान भी फर्जीवाड़े को अंजाम देने का आरोप है। आरोपी ने परीक्षा केंद्र पर मूल अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र और उपस्थिति पत्रक पर भी फर्जी हस्ताक्षर किए, ताकि परीक्षा में उसकी वास्तविक पहचान सामने नहीं आ सके। परीक्षा के बाद जब मूल अभ्यर्थी का चयन हुआ और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हुई, तब फोटो में अंतर सामने आने पर पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मामले की जांच के दौरान एसओजी ने मूल अभ्यर्थी सैलाराम को 23 अगस्त 2024 को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं डमी अभ्यर्थी दिनेश कुमार गिरफ्तारी से बचने के लिए करीब दो साल से फरार चल रहा था। एसओजी के मुताबिक आरोपी अपनी पहचान छिपाकर जालोर और भीनमाल क्षेत्र में रह रहा था।

लड़कियों के नाम से सिम खरीदकर करते थे साइबर ठगी, मास्टरमाइंड ने बेंगलुरु से सीखकर कोटा में लगाया सेटअप, 5 आरोपी गिरफ्तार

कोटा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलूरु को देश का आईटी हब माना जाता है लेकिन अब साइबर ठगी के आरोपी वहां से ठगी का तरीका सीखकर दूसरे शहरों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहे हैं। जिसका खुलासा 7 अगस्त को गुमानपुरा इलाके में पकड़े गए साइबर ठगी के कॉल सेंटर की कार्रवाई में हुआ है। मास्टरमाइंड ने भी बेंगलूरु के कॉल सेंटर में काम करने के दौरान शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लोगों से ठगी करने का तरीका सीखा। इसके बाद भोपाल, इंदौर और मुंबई में इसी नेटवर्क से जुड़कर अनुभव हासिल किया और कोटा आकर रिश्तेदारों के साथ मिलकर अपना कॉल सेंटर खड़ा कर दिया। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 7 अगस्त को गुमानपुरा क्षेत्र में एक कॉल सेंटर पर कार्रवाई कर पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहम्मद अशफाक (28) निवासी पालड़ी रनावता, थाना भोपालगढ़, जिला जोधपुर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि अशफाक पोस्ट ग्रेजुएट है और वर्ष 2020-21 में बेंगलूरु के एक कॉल सेंटर में काम करता था।

100 फीट ऊंचे तार पर जिंदगी और मौत के बीच अटका फ्लेमिंगो, बिजली बंद कर ढाई घंटे में किया रेस्क्यू

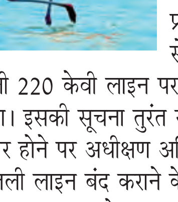

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के कांकाणी गांव में 220 केवी विद्युत लाइन पर अटके एक फ्लेमिंगो पक्षी को ढाई घंटे चले जटिल अभियान के बाद सुरक्षित बचा लिया गया। 100 फीट ऊंचे तार पर लटके पक्षी की जान बचाने के लिए राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम की टीम ने लोड डिस्पेच सेंटर, जयपुर से बिजली आपूर्ति का शटडाउन लिया। कांकाणी-पाली 220 केवी लाइन पर ग्रामीणों ने एक पक्षी को तार में फंसा और तड़पते देखा। इसकी सूचना तुरंत सहायक अभियंता गंगाराम मांझू को दी गई। मामला गंभीर होने पर अधीक्षण अभियंता एमके सोनी भी दल के साथ मौके पर पहुंचे। बिजली लाइन बंद कराने के लिए जयपुर स्थित केंद्र से अनुमति मांगी गई, जो दोपहर 12:20 बजे प्राप्त हुई। इसके बाद तुरंत आपूर्ति रोककर बचाव कार्य शुरू किया गया। ऊंचाई पर लटके पक्षी तक पहुंचने के लिए निर्माण और रखरखाव टीम की मदद ली गई। जिस प्रकार लाइन फॉल्ट दुरुस्त करने के लिए झूला बांधा जाता है, ठीक उसी तरह 100 फीट की ऊंचाई पर तार के पास झूला बांधकर उसे लॉक किया गया। टीम के एक तकनीकी कर्मचारी ने सुरक्षा उपकरणों और रस्सियों के सहारे धीरे-धीरे आगे बढ़कर पक्षी को तार से मुक्त कराया।

बदलती चुनौतियों के अनुरूप पुलिस बल का पुनर्गठन : सीवी. आनंद

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अपराध और जनसुरक्षा की बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस विभाग अपने मानव संसाधन का पुनर्गठन कर रहा है। पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने तेलंगाना पुलिस अकादमी में कहा कि वर्तमान समय में मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध, ऑनलाइन सट्टेबाजी, निवेश धोखाधड़ी, यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा और मिलावटी खाद्य पदार्थ जैसी चुनौतियां बढ़ी हैं। पुनर्गठन के तहत ग्रेहाउंड्स, ऑक्टोपस और विशेष खुफिया ब्यूरो जैसी विशेष इकाइयों के 513 पुलिसकर्मियों को आवश्यकतानुसार आठ विभागों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें यातायात प्रबंधन एवं सड़क सुरक्षा शाखा को सबसे अधिक 224 कर्मी, खाद्य मिलावट एवं औषधि नियंत्रण शाखा को 80 और सतर्कता एवं प्रवर्तन शाखा को 79 कर्मी दिए गए हैं। इसके अलावा नागरिक आपूर्ति विभाग में 28, पुलिस महानिदेशक कार्यालय-टी स्पार्क में 27 तथा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अपराध जांच विभाग और साइबर सुरक्षा ब्यूरो में 25-25 कर्मियों की तैनाती की गई है। पुनर्नियोजित कर्मियों में पांच निरीक्षक, 22 उपनिरीक्षक, 14 सहायक उपनिरीक्षक, 84 प्रधान आरक्षक और 388 आरक्षक शामिल हैं। अंतिम तैनाती से पहले उन्हें दो महीने विभिन्न विभागों में कार्य से जोड़ा गया। उनकी शैक्षणिक योग्यता और पृष्ठभूमि की जांच के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार भी किए गए। नई जिम्मेदारियों के लिए तेलंगाना पुलिस अकादमी में 11 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया गया। सी. वी. आनंद ने कहा कि मादक पदार्थों और साइबर अपराध पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पिछले वर्ष साइबर अपराध के कारण तेलंगाना के लोगों को करीब 1,750 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 835 विद्यार्थियों में मादक पदार्थों के सेवन के संकेत मिले थे। उन्होंने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को जागरूक करने पर जोर दिया। सड़क सुरक्षा को पुनर्गठन में सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आनंद ने बताया कि पिछले वर्ष तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं में करीब 8,000 लोगों की जान गई। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर अभियांत्रण और अन्य विभागों के सहयोग से आवश्यक सुधार किए जाएंगे तथा राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कर्मियों से ईमानदारी, अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस में क्षेत्रीय कार्रवाई, रखरखाव और प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त बल रखा गया है।

विवेक जायसवाल ने सीएमडी टेक्निकल का पदभार संभाला

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विवेक जायसवाल, आईटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर तथा डायरेक्टर (टेक्निकल) का पदभार संभाला है।

श्री जायसवाल के पास टेलीकम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, टेक्नोलॉजी, बिजनेस डेवलपमेंट और पब्लिक-सेक्टर मैनेजमेंट में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। वे ओएनजीसी, डाट और बीएसएनएल में टेक्नो-मैनेजेरियल उत्कृष्टता वाले एक लीडर हैं। श्री जायसवाल ने सती विदिशा से इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन में बीई और आईआईएम लखनऊ से एमबीए किया है, साथ ही बैंगलोर, अहमदाबाद और ईएससीपी यूरोप से एग्जीक्यूटिव क्रेडेंशियल्स हासिल किए हैं।

श्री जायसवाल ने स्ट्रैटेजी और ऑपरेशन्स पर असाधारण पकड़ दिखाई है; उन्होंने 1,000 करोड़ से अधिक के बड़े पैमाने के पोर्टफोलियो को संभाला है और हजारों कर्मचारियों वाली वर्कफोर्स में बदलाव लाए हैं। बिजनेस डेवलपमेंट में, उन्होंने बड़े मूल्य वाले एंटरप्राइज़ विकास का नेतृत्व किया और पब्लिक सेक्टर तथा बैंकिंग क्षेत्र के महत्वपूर्ण मल्टी-करोड़ बिज़नेस अकाउंट्स हासिल किए। बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है, जिसमें देश भर में ऑप्टिकल फाइबर रोलआउट, मिशन-क्रिटिकल नेटवर्क और अगली पीढ़ी के टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को लागू करना शामिल है। श्री जायसवाल स्ट्रैटेजी और ऑपरेशन्स, बिज़नेस डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी-आधारित इनोवेशन, बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट्स को पूरा करने, पीएंडएल मैनेजमेंट और स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट में मजबूत क्षमताएं रखते हैं।

महेश बैंक द्वारा वरंगल में ग्राहक संवाद सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक द्वारा अपने ग्राहकों, व्यावसायिक सहयोगियों से सीधे संवाद की प्रक्रिया में दूसरी सभा का आयोजन वरंगल में किया गया। संवाद सभा में प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मून्दड़ा, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, वरंगल चैम्बर्स ऑफ कामर्स के मंत्री वेदप्रकाश, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष दौलत अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स वरंगल शाखा के चेयरमैन सीए सुजीत, वरंगल ग्रेनाइट असोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार सोनी, गोल्ड मर्चेन्ट्स असोसिएशन के अध्यक्ष शीनिवास, बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, निदेशक मण्डल के सदस्य देवेन्द्र झँवर, कैलाश मंत्री व श्रीमती कविता तोष्णीवाल, बैंक के जनरल मैनेजर शीनिवास, कमलकिशोर राठी, महेश बैंक वरंगल शाखा के शाखा प्रबंधक कोट्टय्या, श्याम दरक, अमरनाथ आदि ने भाग लिया।

सभा का संचालन विष्णुप्रकाश बल्दवा ने किया। सभा को संबोधित करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने बताया कि पिछले पाँच वर्षों में किन्ही कारणों से ग्राहकों से संवाद की जो कमी आई थी उसे पूरा करने हेतु ग्राहकों से सीधे संवाद सभा आयोजित करने का फैसला बोर्ड द्वारा लिया गया। इसी क्रम में पहली ग्राहक संवाद बैठक का आयोजन राजस्थान स्थित महेश बैंक की भीलवाड़ा शाखा में आयोजित की गई थी। तेलंगाना में पहली बैठक वरंगल शाखा द्वारा आयोजित की गई है।

उन्होंने बताया कि बैंक का कुल कारोबार नए बोर्ड के गठित होने के बाद पिछले 7 महीनों में 350 करोड़ की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि बैंक अपने कर्मचारियों के कौशल को बढाने हेतु मैनपॉवर ट्रेनिंग पर ज्यादा जोर दे रहा है जिससे ग्राहक सेवा की गुणवत्ता बढेगी। उन्होंने सभी उपस्थित व्यापारिक संगठनों से महेश बैंक के साथ व्यापार बढाने व जुडने का निवेदन किया। महेश बैंक तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान में 45 शाखाओं के माध्यम से व्यापार कर रहा है।

सभा को सम्बोधित करते हुए निदेशक देवेन्द्र झँवर ने बताया कि सभी लोग बैंक से जुड़े और इसे आगे बढाने में बैंक के बोर्ड की मदद करें। निदेशक कैलाश मंत्री ने बताया कि चुनाव के बाद संवाद प्रक्रिया के माध्यम से सभी स्टेक होल्डर्स से मिलने तथा अपनी बात रखने का अवसर मिला है। निदेशक कविता तोष्णीवाल ने बताया कि ग्राहक संवाद सभा से ग्राहकों के सुझाव, शिकायतों को बैंक के प्रबंधकों तक सीधे पहुँचाने का एक माध्यम है जिससे बैंक प्रबंधन अपनी सेवाओं में सुधार कर ग्राहक सेवाओं की गुणवत्ता बढा सकता है।

बैंक के जनरल मैनेजर कमलकिशोर राठी एवं शीनिवास ने बैंक की गतिविधियों एवं लोन व डिपाजिट प्रॉडक्ट्स की विस्तृत जानकारी दी। सभा में माहेश्वरी समाज द्वारा बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, निदेशक मण्डल सदस्य देवेन्द्र झँवर, कैलाश मंत्री, कविता तोष्णीवाल, जनरल मैनेजर कमलकिशोर राठी व शीनिवास का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ

सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रहलाद सोनी, डॉ. बी. विष्णु कुमार, वेणुगोपाल काबरा, सत्यनारायण कांकाणी, वेणुगोपाल मून्दड़ा, प्रेमकुमार डालिया, किशनचन्द बोरा, सीए चंचल अग्रवाल, श्यामसुन्दर जाखोटिया, नरसिंगदास लड्ढा, रामकिशोर मणियार, सर्वेश मून्दडा सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

फायर सेफ्टी ऑटोमेशन के लिए वर्कशॉप आयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया) हैदराबाद, (नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल) और एफएसएआई और (फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया) हैदराबाद चैप्टर ने तेलंगाना स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज डिपार्टमेंट, तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर एक वर्कशॉप आयोजित की। इसका मकसद ऊंची इमारतों वाले रेजिडेंशियल, रिटेल, हॉस्पिटल, होटल, स्कूल और कमर्शियल डेवलपमेंट में लाइफ सेफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करते हुए रेगुलेटरी रुकावटों को खत्म करना था। हैदराबाद में एक इंटेंसिव इंडस्ट्री वर्कशॉप के लिए बड़ी रियल एस्टेट बॉडीज़, आर्किटेक्ट्स, स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स, एमईपी कंसल्टेंट्स, फायर सेफ्टी एक्सपर्ट्स, ऑडिटर्स और सरकारी अधिकारी इकट्ठा हुए। वर्कशॉप का फोकस प्रोविजनल नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट्स फ्रेमवर्क को आसान बनाना और न्यू एज एडवांस्ड फायर सेफ्टी टेक्नोलॉजीज़ को अपनाने की वकालत करना' था।

यह वर्कशॉप नेशनल बिल्डिंग कोड ऑफ़ इंडिया 2016 को वापस लेने और एडवाइजरी नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन स्टैंडर्ड्स लाने के बाद हो रही है। इसके जवाब में, डिपार्टमेंट ने रेजिडेंशियल, बिज़नेस, मर्केंटाइल और एजुकेशनल ऑक्यूपेंसी के लिए प्रैक्टिकल चेकलिस्ट वाले प्रोविजनल एनओसी डॉक्यूमेंट्स का ड्राफ्ट तैयार किया है। सेशन की एक बड़ी खासियत एक नई सर्विस की शुरुआत थी, जिससे एक ही प्रोजेक्ट के अंदर कई ब्लॉक्स के लिए सिंगल प्रोविजनल एनओसी की इजाज़त मिलती है, जिससे बड़े डेवलपर्स के लिए अप्रूवल प्रोसेस काफी आसान हो गया है।

वर्कशॉप के बारे में बात करते हुए विक्रम सिंह मान आईपीएस, डायरेक्टर जनरल, तेलंगाना डिज़ास्टर रिस्पॉन्स एंड फायर सर्विसेज़ डिपार्टमेंट ने कहा प्रोविजनल एनओसी सिर्फ़ एडमिनिस्ट्रेटिव फॉर्मैलिटीज़ नहीं हैं; ये ज़रूरी रोडमैप हैं जो यह पक्का करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि फायर सेफ्टी सीधे किसी रेजिडेंशियल, कमर्शियल या रिटेल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के आर्किटेक्चरल डीएनए में बनी हो।

प्रेसिडेंट, एन. जयदीप रेड्डी के अनुसार डेवलपर कम्प्लायंस को ग्लोबल सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के साथ अलाइन होना चाहिए। किसी भी प्रोजेक्ट के डेवलपमेंट फेज़ में फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल की प्लानिंग और डेवलप करना ज़रूरी है।

इसमें जोड़ते हुए, श्रीधर रेड्डी कोप्पुला, प्रेसिडेंट, नारेडको प्रोविजनल एनओसी प्रोसीजर को आसान बनाने से रियल एस्टेट डेवलपर्स स्ट्रक्चरल सेफ्टी से कॉम्प्रोमाइज़ किए बिना प्रोजेक्ट की रफ़्तार बनाए रख सकते हैं।

एफएसएआई हैदराबाद के चैप्टर प्रेसिडेंट, मनोज वाही के अनुसार फायर सेफ्टी टेक्नोलॉजी पारंपरिक एक्सटिंग्विशर और बेसिक अलार्म पैनल से कहीं आगे निकल गई है।

भाजपा ने आयुष छात्रवृत्ति में समानता की मांग की

आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को राज्य सरकार से मांग की कि वह आयुष स्नातकोत्तर डॉक्टरों और हाउस सर्जनों के वजीफे को एलोपैथी डॉक्टरों और हाउस सर्जनों के बराबर तत्काल बढ़ाए और सभी लंबित बकाया राशि का भुगतान करे। डॉ. बीआरकेआर सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल, एर्रागड्डा में आयुष स्नातकोत्तर छात्रों और हाउस सर्जनों द्वारा की जा रही रिले भूख हड़ताल का दौरा करने के बाद राव ने यह मांग रखी। छात्र पिछले 16 दिनों से छात्रवृत्ति में वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राव ने आरोप लगाया कि आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी की पढ़ाई कर रहे आयुष छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है, जबकि वे एलोपैथी डॉक्टरों के समान कार्य करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में 2006 के एक सरकारी आदेश में आयुष और एलोपैथी छात्रों के बीच समानता का प्रावधान था, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में 2016 से यह लाभ प्रभावी रूप से बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश आयुष स्नातकोत्तर छात्रों को प्रति माह 60,000 रुपये और हाउस सर्जनों को 25,000 रुपये का भुगतान कर रहा है, जबकि तेलंगाना क्रमशः केवल 30,000 रुपये और 13,000 रुपये का भुगतान कर रहा है। राव ने कहा कि अदालतों ने आयुष स्नातकोत्तर छात्रों, हाउस सर्जनों और प्रशिक्षुओं को एलोपैथी छात्रों के बराबर वजीफा पाने के अधिकार को भी बरकरार रखा है। उन्होंने सवाल उठाया कि तेलंगाना अपने पड़ोसी राज्य द्वारा अपनाई गई प्रथा का अनुसरण क्यों नहीं कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से इस मुद्दे को तुरंत हल करने और बकाया राशि का भुगतान करने का आग्रह किया। राव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो भाजपा विरोध कर रहे आयुष डॉक्टरों के समर्थन में अपना आंदोलन तेज करेगी।

मंथनी में 164.64 करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्यों का शिलान्यास

पेद्दापल्ली , 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंथनी बस डिपो के समीप 164.64 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सड़क विकास कार्यों का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामशी कृष्ण ने मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव के साथ शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर सांसद वामशी कृष्ण ने कहा कि राज्य सरकार पेद्दापल्ली लोकसभा क्षेत्र के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि 164.64 करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्यों से मंथनी क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सांसद ने कहा कि जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मजबूत अनुसंधान-मीडिया सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला

एनएएआरएम में कृषि-मीडिया समन्वय कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि अनुसंधान संस्थानों और मीडिया के बीच सहयोग को मजबूत करने और किसानों और अन्य हितधारकों तक वैज्ञानिक विकास की जानकारी बेहतर ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) में कृषि-मीडिया तालमेल: सहयोगात्मक संचार को बढ़ावा देना विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एनएएआरएम के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए शोधकर्ताओं, किसानों और आम जनता के बीच की खाई को पाटने के लिए एक स्पष्ट संचार रूपरेखा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कृषि विज्ञान को अधिक सुलभ बनाने के लिए रणनीतिक संचार, पारदर्शिता और नवाचार पर जोर दिया।

बिजनेस लाइन के कंसल्टिंग एडिटर डॉ. कुर्मनाथ ने मुख्य भाषण देते हुए वैज्ञानिक कहानियों को अधिक आकर्षक और सुगम बनाने के लिए डेटा, तथ्यों, आंकड़ों, इन्फोग्राफिक्स, तस्वीरों और लघु वीडियो के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने डिजिटल और एआई-आधारित मीडिया परिवेश में आईसीएआर प्रौद्योगिकियों की दृश्यता बढ़ाने के लिए बहु-स्वरूप संचार को अधिक अपनाने का भी आह्वान किया। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार प्रणाली के तहत क्षमता निर्माण में अकादमी की भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए, एनएएआरएम के विस्तार प्रणाली प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख डॉ. वेंकट कुमार ने आईसीएआर विज्ञान संचार नीति के महत्व को समझाया। इस कार्यशाला में उभरते मीडिया तौर-तरीकों, प्रभावी सूचना प्रसार, किसानों की सूचना संबंधी आवश्यकताओं और संचार संबंधी बाधाओं को दूर करने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसमें लगभग 35 मीडिया पेशेवर, कृषि ब्यूरो प्रमुख, वरिष्ठ पत्रकार, कृषि अधिकार अधिकारी और संचार अधिकारी शामिल हुए। एनएएआरएम की सीटीओ और कार्यशाला निदेशक जी अनीजा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

छात्रों ने जीओ 97 का विरोध किया, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के संरक्षण की मांग की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पॉलिटेक्निक छात्रों और छात्र संगठनों ने तेलंगाना सरकार से जीओ 97 को वापस लेने का आग्रह किया है, जिसमें यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी (वाईआईएसयू) और शक्ति ढांचे के तहत पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) को शामिल करते हुए तकनीकी शिक्षा के प्रस्तावित पुनर्गठन पर चिंता व्यक्त की गई है। छात्रों ने कहा कि तीन वर्षीय पॉलिटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अपना पाठ्यक्रम, शैक्षणिक मानक, पेशेवर मान्यता, उच्च शिक्षा के रास्ते और रोजगार के अवसर होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि डिप्लोमा शिक्षा को आईटीआई स्तर के कौशल प्रशिक्षण के साथ मिलाने से पॉलिटेक्निक योग्यताओं का महत्व और मान्यता कम हो सकती है। छात्रों ने प्रस्तावित सुधारों की व्यापक समीक्षा की मांग की और छात्रों, संकाय सदस्यों, तकनीकी शिक्षा विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी अनियोजित पुनर्गठन से तकनीकी रोजगार पात्रता, उच्च शिक्षा के अवसर और हजारों डिप्लोमा धारकों की कैरियर संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। छात्रों ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास को मजबूत करने के साथ-साथ पॉलिटेक्निक डिप्लोमा शिक्षा की पहचान, शैक्षणिक मानकों, मान्यता और कैरियर के अवसरों की पूरी तरह से रक्षा की जानी चाहिए।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला अशोक कुमार लाखोटिया अजय कुमार अग्रवाल भारत भूषण सेसैया डॉ गिरजा किशोर गुप्ता सुभाष अग्रवाल सुरेंद्र मोहन सुरेश कुमार अग्रवाल सीए विजय कुमार अग्रवाल, विनोद टिकमानी श्रीनिवास वेंकटेश्वर राव विजय लक्ष्मी विजय लक्ष्मी रेड्डी एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

कैबिनेट के अहम फैसले...

यह कदम 'गति शक्ति' जैसे राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टर प्लान के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

यह निर्णय देश के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इन परियोजनाओं के समय पर पूरा होने से माल और यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी, जिससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य अवसंरचना के माध्यम से देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर रहना है।

बच्चों को संपत्ति ...

इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है। इसलिए ट्रिब्यूनल को कानून के उद्देश्य को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने की शक्ति भी है।

सुप्रीम कोर्ट में...

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, एफएआईएमए और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में वही कमजोरियां दोबारा न लौटें।

1. प्रश्नबैंक: कई मॉडरेटर (सब्जेक्ट एक्सपर्ट) प्रश्न बैंक बनाते हैं। फिर 100-100 सवाल चुनकर 4 अलग पेपर तैयार होते हैं। इनमें से 2 पेपर NTA महानिदेशक चुनते हैं। किसी को पहले से पता नहीं होता कि अंतिम पेपर कौन-सा होगा।

2. 13 भाषाओं में प्रश्न बैंक: 500 सवालों का प्रश्न बैंक 13 भाषाओं में तैयार होता है। ट्रांसलेशन एक्सपर्ट करते हैं।

3. 2 प्रिंटिंग प्रेस में छपते हैं पेपर: पेपर सीलबंद कवर में दो तय प्रिंटिंग प्रेस भेजे जाते हैं। वहां सीसीटीवी और सीआईएसएफ की निगरानी रहती है। प्रिंटर को भी पता नहीं होता कि पेपर किस परीक्षा का है।

4. बॉक्स डिजिटल चाबी और कोड से खुलता है: पेपर ले जाने वाले व्यक्ति के पास डिजिटल चाबी होती है, लेकिन बॉक्स खोलने का कोड उसके पास नहीं होता। यह कोड एनटीए महानिदेशक की अनुमति से दिया जाता है।

5. पेपर लोहे के बक्से में रखते हैं: पेपर ऐसे लोहे के बॉक्स में रखे जाते हैं, जिसे बंद करने के बाद बिना लॉक तोड़े खोला नहीं जा सकता।

6. हर पैकेट में अलग क्रम वाले पेपर: 24 पेपर के पैकेट में सवालों का क्रम अलग-अलग होता है। पैकेट पर वॉटरमार्क नंबर, शहर, केंद्र और पैकेट नंबर दर्ज होता है।

7. पेपर स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं: पेपर के दो सेट अलग-अलग बैंकों के स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है और संबंधित अधिकारी हस्ताक्षर करते हैं।

8. जीपीएस से ट्रैक होती है गाड़ी: बैंक से परीक्षा केंद्र तक पेपर ले जाने वाली गाड़ी में जीपीएस लगा होता है। उसकी छोटी से छोटी गतिविधि रिकॉर्ड होती है। पुलिस सुरक्षा में पेपर केंद्र तक पहुंचते हैं।

9. परीक्षा से पहले बॉक्स खोला जाता है: परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले 2 छात्रों की मौजूदगी में बॉक्स खोला जाता है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है।

10. 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट: हर कक्षा के 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट होता है। कक्षा समन्वयक यह पैकेट छात्रों को देते हैं और छात्र खुद इसे खोलते हैं।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा संख्याः वीएसकेपी-इएलइसीटीजी-26-27-डब्ल्यूसी-12, दि.14-08-2026

PUB/SCoR-192

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना संख्या विवरणः वीएसकेपी-इएलइसीटीजी-26-27-डब्ल्यूसी-12, टेंडर नं. वीएसकेपी-इएलइसीटीजी- 26-27-डब्ल्यूसी-12, कार्य विवरणः परंपरागत छत पंखे / कन्वेशनल सीलींग फैन्स के स्थान पर ऊर्जा कुशल बीएलडीसी छत पंखे / एनर्जी एफीशीयन्ट बीएलडीसी सीलींग फैन्स का प्रतिस्थापन।

वाल्टेर डिवीजन के पीएसए-डीवीडी सेक्शन पर एसइ/इएलजी युनिट्स क्षेत्राधिकार के तहत सर्विस बिल्डिंग्स, स्टेशनों, चेम्बर्स आदि पर सेन्सर्स, एलइडी इन्वर्टर बैट्टन लाइट & स्ट्रीट लाइट्स का प्रावधान। गुणवत्ताः निविदा दस्तावेज में उल्लेखितनुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 180 दिन, निविदा मूल्य रु.1,44,83,144.82 (रु. एक करोड चवालीस लाख तिरासी हजार एक सौ चवालीस & बयासी पैसे मात्र), बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.2,89,700.00 (रु.दो लाख उनासी हजार व सातसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.0.00 (शून्य), ऑफर की वैधताः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः तत्संबंधित कार्यो हेतु जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, निविदाकरण प्रणालीः खुली निविदा-सिंगल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि & समयः14-09-2026 के 13.30 बजे, निविदा दस्तावेज & शुद्धिपत्रः **वेबसाइटः**http://www.ireps.gov.in देखें।

पत्राचार हेतु डाक का पताः एसआर.डीईई/जी/वीएसकेपी का कार्यालय, डीआरएम ऑफिस बिल्डिंग, दोंडापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (जी), विशाखापत्तनम

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः बी/ई.इजीएस/09/2026-27,दि.12-08-2026

PUB/SCoR-193

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु विवरित तत्संबंधित तिथि नुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

बी/ई.29/I/ईजीएस/22/26-27, दि.07-08-2026, कार्य विवरणः (I) विजयवाडा डिवीजन-एबीएसएस के तहत 14 स्टेशनों जैसे तुनी, वायएलएम, एपीटी, एनडीडी, एसएलओ, सीसीटी, एकेपी, बीवीआरटी, आरवायपी, एसकेएम, ओजीएल, इइ, सीएलएक्स & बीपीपी पर साफ्ट अपग्रेडेशन तथा सीओपी शेल्टर्स की बिजली व्यवस्थाओं के प्रति अतिरिक्त मात्रा / मदों का प्रावधान।(II) विजयवाडा डिवीजनः कावली & बीवीआरटी रेलवे स्टेशनों पर रोशनाई स्तरों या इल्लुमिनेशन लेवल्स का सुधार कार्य एवम् हवाई अड्डा रोशनाई व्यवस्था।

कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा मूल्य रु.7,64,66,152.55, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.15,29,300.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथिः 31-08-2026

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना संख्याः इटीसीईसी॥वीएसकेपी2026005, दि.11-08-2026

PUB/SCoR-194

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए सीएओ/सीओएन/ एससीओआर/ वीएसकेपी द्वारा निविदा संख्याः इटीसीईसी॥ वीएसकेपी2026005, के प्रति बंद करने की तिथि/समयः 03-09-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदातागण या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल ऑफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल ऑफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

कार्य विवरणः विजयवाडा जंक्शन तथा नीडाडवोलु जंक्शन स्टेशनों पर (127.05 किमी) के बीच तृतीय & चतुर्थ लाइन के लिए, अंतिम स्थान सर्वेक्षण करना/फाइनल लोकेशन सर्वे करना। विज्ञापित मूल्य रु.3,81,15,000.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.0.00, जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.7,62,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः6 महिने, निविदा बंद करने की तिथि/समयः 03-09-2026 के 11.00 बजे

उपरोक्त ई-निविदा की ई-निविदा दस्तावेजों सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध। किसी भी शुद्धिपत्र को केवल ऑनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

निविदाकारों को चाहिए कि, वे तत्संबंधित सभी सूचनाओं को ध्यान से पढ़ें तथा सभी सूचनाओं के पालन करने की सुनिश्चिति करें।

मुख्य प्रशासन अधिकारी, (निर्माण), विशाखापत्तनम

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना संख्याकः सी/ई.29/इलेक/जीएस/एससी/10/डब्ल्यूएस/ओटी/2026-27, दि.13-08-2026

PUB/574

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.04-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः1, ई-निविदा संख्याः निविदा संख्या- सी/ई.29/इलेक/जीएस/एससी/10/डब्ल्यूएस/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. सी-ई-जीएस-एससी-10-ओटी-2026-27,

कार्य विवरणः गति शक्ति-सिकंदराबाद डिवीजनः राजुरा-एमएजीएच-जीडीसीआर सेक्शन- राजुरा स्टेशन पर फ्राइट ट्रेन एग्जामिनेशन सुविधाओं का विकास करना-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.4,68,49,490.12, अग्रधन रु.9,37,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने।

1 आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो मे निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है, तत्संबंधित यदि कोई हो तो परिवर्तनों को भी देखा जा सकता है।

A667 **उप मुख्य बिजली अभियन्ता (गति शक्ति)/सिकंदराबाद**

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत 600वें टेस्ट में जीता, श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए

कोलंबो, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए।

राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया।

भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया।

मानव सुथार ने गॉल टेस्ट के पांचवें दिन लंच के बाद मानो कहर ही बरपा दिया।

इस खिलाड़ी ने सिर्फ 10 गेंदों में चार विकेट उड़ा दिए।

सुथार ने पहले सोनल दिनुषा को 84 रनों पर आउट किया। इसके बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने प्रभात जयसूर्या को बोल्ड कर दिया। चार गेंद बाद इस खिलाड़ी ने लाहिरु कुमारा को भी निपटा दिया।

एक ओवर में तीन विकेट लेकर भी सुथार नहीं रुके और उन्होंने अपने अगले ओवर की चौथी गेंद पर नुवांता को बोल्ड कर गॉल टेस्ट टीम इंडिया को जिता दिया।

मानव सुथार ने गॉल टेस्ट में 10 विकेट लेकर 18 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। मानव सुथार श्रीलंका में सबसे अच्छी गेंदबाजी करने वाले भारतीय टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले हरभजन सिंह के नाम ये रिकॉर्ड था, उन्होंने 2008 में श्रीलंका के खिलाफ 160 रन देकर 10 विकेट चटकाए थे। अब मानव सुथार ने इस मैच में 153 रन देकर 10 विकेट झटक लिए हैं।मानव सुथार इसके साथ-साथ विदेशी सरजमीं पर टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय स्पिनर भी बन गए हैं।

वैसे तो गॉल की विकेट स्पिनर्स के लिए अच्छी थी लेकिन मानव ने परफॉर्मेंस के मामले में जडेजा और कुलदीप यादव जैसे अनुभवी गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया।

जडेजा पूरे मैच में चार ही विकेट ले पाए वहीं कुलदीप ने सिर्फ एक विकेट झटका। जबकि मानव 10 विकेट ले गए।

हॉकी वर्ल्डकप: भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराया

हरमनप्रीत, अभिषेक और हार्दिक ने गोल किया

इंडिया टॉप-8 में, पाकिस्तान बाहर

एम्स्टेलवीन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 5-3 से हरा दिया है। इसी के साथ टीम टूर्नामेंट के टॉप-8 राउंड में प्रवेश कर गई है। वहीं, पाकिस्तान बाहर हो गया है।

एम्स्टेलवीन के वेगनर हॉकी स्टेडियम में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अभिषेक ने 2-2 गोल किए। जबकि, हार्दिक सिंह और सुखजीत सिंह ने एक-एक गोल दागे। पाकिस्तान की ओर से हन्नान शाहीद ने गोल गोल किए। एक गोल सुफियान खान की स्टिक से आया।

भारत ने एक मैच जीता, एक हारा

इंडिया को पूल-डी से अगले दौर में जाने के लिए इस मैच में कम से कम ड्रॉ खेलना होगा। भारत पहला मुकाबला वेल्स से 3-1 से जीता, जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हार गया। टीम 2 मैचों में 3 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। टीम यह मैच जीती तो 6 अंक के साथ अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं अगर पाकिस्तान हारा तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारतः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, सुमित, नीलकंता शर्मा, लालगे आदित्य अर्जुन, शशिकुमार मोहिथ होन्नेनहल्ली, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुखजीत सिंह, यशदीप सिवाच, संजय, सूरज करकेरा (गोलकीपर), राजिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

पाकिस्तानः महमूद अबू (कप्तान), वकार (गोलकीपर), मुहम्मद अब्दुल्ला, सुफियान खान, मोइन शकील, वहीद अशरफ राणा, हन्नान शाहिद, जिक्रिया हयात, अरशद लियाकत, अदील लतीफ, अहमद नदीम, गजनफर अली, अम्माद बट, मुहम्मद हम्मादुद्दीन, अब्दुल रहमान, अफराज, उमर मुस्तफा, अबू महमूद, अली रजा (गोलकीपर), अब्दुल मनान, मुहम्मद अम्माद।

सरकार 5 साल में खेलों पर 36,441 करोड़ खर्चेगी

2036 ओलिंपिक में टॉप-10, 2048 में टॉप-5 आने का टारगेट; पिछली बार 71वां नंबर था

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार अगले 5 साल में खेलों में 36,441 करोड़ रुपए खर्च करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण ने बताया कि खेलो इंडिया योजना के तहत यह पैसा 2026 से 2031 तक खर्च किया जाएगा। सरकार ने बजट जारी करने के साथ ओलिंपिक के लिए मेडल टारगेट भी तय किए हैं। सरकार का लक्ष्य 2036 ओलिंपिक की मेडल लिस्ट के टॉप-10 और 2048 ओलिंपिक में टॉप-5 देशों में जगह बनाना है। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी करना चाहता है, जबकि 2048 ओलिंपिक में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो चुके होंगे। भारत ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिर्फ 6 मेडल जीते थे। मेडल टेली में भारत 71वें स्थान पर था। 2036 में 12-14 गोल्ड समेत कुल 30-35 मेडल और 2048 में 35-40 गोल्ड समेत कुल 90-100 मेडल जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इसे हासिल करने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, खेल ढांचे में सुधार, कोचिंग की क्वालिटी बढ़ाने, खेल विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जाएगा। एसएआई रीजनल सेंटर मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक पांडुरंग चाटे ने कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना का मकसद अलग-अलग योजनाओं के बजाय खिलाड़ियों के लिए पूरी खेल यात्रा तैयार करना है। रिवैंप्ड योजना का बजट 8 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। 2026 से 2031 के बीच योजना के तहत मदद पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी 10 गुना बढ़ाई जाएगी। रिवैंप्ड योजना के तहत केंद्र और राज्य के बीच खर्च बांटने का अनुपात 60:40 रखा गया है। इसमें 30 हजार खिलाड़ियों को सहयोग देने का प्लानिंग है। एसएआई रीजनल सेंटर मुंबई ने एक रिलीज में कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना महाराष्ट्र के मौजूदा स्पोर्ट्स इको सिस्टम को मजबूत करने का मौका देगा।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

सेंट लुइस, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और एमवीएल के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है। प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को

संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं। अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है; दोनों के 5-5 अंक हैं। वहीं 4.5 अंक वाले सिंदारोव और केमर भी खिताब की रेस में बने हुए हैं।

चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने 8वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक से ड्रा खेला। इसके बाद उनके 4 अंक हो गए हैं और वह संयुक्त रूप से 5वें स्थान पर हैं। दिव्या ने अब तक 2 मुकाबले जीते हैं, 4 ड्रा खेले हैं और 2 मैच गंवाए हैं। आखिरी राउंड में उनके पास अपनी स्थिति बेहतर करने का मौका है।

राउंड-8 के बाद अन्ना मुजीचुक के भी 4 अंक हैं। भारतीय खिलाड़ियों में हम्पी कोनेरू 3 अंक के साथ 8वें और आर वैशाली 2.5 अंक के साथ 9वें स्थान पर हैं।

ग्रैंड चेस टूना का फाइनल 21 से 28 अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में खेला जाएगा। टूर के टॉप-4 खिलाड़ी नॉकआउट फॉर्मेट में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज का खिताब जीतकर भी टूर में अहम अंक जुटाए थे।

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी मकाऊ के लियोंग ईओक चोंग और नेग वेंग ची की जोड़ी को 21-11, 21-11 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। अन्य भारतीयों में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बुधवार को महिला एकल में चुनौती पेश करेंगी। वहीं, आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन भी कोर्ट पर उतरेंगे।

एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक-स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी के दूसरे दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया

देहरादून, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाद्रि आइस रिंक में चल रही एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2026 के दूसरे दिन भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा जारी रहा. खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत को मेडल टेबल में शीर्ष पर पहुंच गया है. 14 देशों के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में पोडियम फिनिश हासिल की. होम आइस पर भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास साफ नजर आया, वहीं अलग-अलग देशों से आए खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए मुकाबलों को बेहद रोमांचक बना दिया. दर्शकों की जोरदार हूटिंग और तालियों के बीच कई रेस में आखिरी सेकेंड तक रोमांच बना रहा.

जूनियर एफ में भारत का दबदबा, दोनों रेस में गोल्ड-सिल्वर-ब्रॉन्जः दूसरे दिन भारत की शुरुआत बेहद शानदार रही. जूनियर एफ गर्ल्स 222 मीटर रेस में भारत ने तीनों मेडल अपने नाम कर लिए. जीएस ब्राडिशा ने 28.91 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि समायरा त्यागी ने 29.34 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर और अमायरा शाह ने 30.02 सेकेंड में रेस पूरी कर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया. इस तरह पूरे पोडियम पर भारतीय तिरंगा नजर आया. इसके बाद जूनियर एफ बॉयज 222 मीटर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्लीन स्वीप किया. इवान अरोड़ा

ने 25.15 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि महज 0.04 सेकेंड के अंतर से युवराज मेहता 25.19 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे. शिवांश आहेर ने 26.74 सेकेंड में रेस पूरी कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. यानी जूनियर एफ की दोनों स्पर्धाओं में भारत ने छह में से छह मेडल अपने नाम कर लिए.

जूनियर ई बॉयज में आर्यन का लगातार दूसरा गोल्डः जूनियर ई बॉयज 333 मीटर में भी भारत को गोल्ड मिला. आर्यन सुजीत बाविस्कर ने 35.47 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया. आर्यन के लिए यह प्रतियोगिता का लगातार दूसरा गोल्ड रहा, क्योंकि उन्होंने पहले दिन भी जूनियर ई बॉयज 500 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था. मंगोलिया के बाटबयार एर्डेनबुलगन ने 35.56 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि भारत के राघव चौधरी ने 37.39 सेकेंड में रेस पूरी कर ब्रॉन्ज अपने नाम किया.

वहीं जूनियर सी बॉयज 1000 मीटर में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया. सिद्धांत मांजरे ने 1 मिनट 40.79 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि भारत के ही यश परिजात जमदार ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया. इस स्पर्धा में उज्बेकिस्तान के मखमुदोव अलीशेर ने सिल्वर मेडल जीता. चीन का भी जलवा, जूनियर ई और डी में पोडियम पर कब्जाः दूसरे दिन चीन के खिलाड़ियों ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई. जूनियर ई गर्ल्स 333 मीटर में चीन ने तीनों मेडल अपने नाम किए. रुइलिन यांग ने स्वर्ण, युन्नी शेन ने रजत और कैक्सिन जिओ ने कांस्य पदक जीता। वहीं जूनियर डी गर्ल्स 777 मीटर में भी चाइना के खिलाड़ियों ने पोडियम पर कब्ज़ा जमाया। लिंग्यु यांग ने स्वर्ण, ली वेन्क्सी ने रजत और लियू चेन्क्सी ने कांस्य पदक जीता। जूनियर डी बॉयज 777 मीटर में भी चीन का दबदबा देखने को मिला। तांग शेंगिजे ने गोल्ड और वेई शीहेंग ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि हांगकांग के वान जिन किउ ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इन मैचों ने साफ कर दिया कि चीन की जूनियर टीम भी इस प्रतियोगिता में बेहद मजबूत दावेदार पेश कर रही है।

विनेश फोगाट ने बृजभूषण को 'गुंडा बदमाश' बताया

कहा- पैसे के दम पर लड़कियों पर अत्याचार किए, गोंडा में लोगों की जमीन कब्जाई

जींद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर निशाना साधा है। विनेश ने कहा- बृजभूषण गुंडा और बदमाश है। उसने पैसे के दम पर लड़कियों पर अत्याचार किए हैं।

विनेश यहीं नहीं रुकी और मीडियाकर्मियों से कहा कि बृजभूषण को इतनी इज्जत मत दो। उसने गोंडा में लोगों की जमीन कब्जाई हुई है। वह आज भी लड़कियों का शोषण कर रहा है। भाजपा में रहकर ही ये सब किया जा रहा है। उस पर इतना पैसा कहां से आया? हेलीकॉप्टर में बैठकर उड़ता है। इस पैसे की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अब इस पूरे मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाया जाएगा। 3 अगस्त को यौन शोषण से जुड़े

मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण को बरी किया था।

विनेश फोगाट जींद में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में आई थीं। यहां उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, महिला पहलवानों के शोषण का मामला कोर्ट में चल रहा है। अब उसके बारे में ज्यादा नहीं बोल सकते। आगे सुप्रीम कोर्ट तक भी लड़ाई जाएगी तो हम उसे लड़ेंगे। हम पीछे हटने वाले नहीं है।

मीडियाकर्मी ने जैसे ही बृजभूषण का नाम लिया, विनेश भड़क गईं। उन्होंने कहा, अरे छोड़ो ना उसको। कौन है बृजभूषण...एक गुंडा बदमाश। गोंडा में लोग सताए हुए हैं। पैसे के बल पर ही उसने ये अत्याचार किए हैं। आज भी ऐसा ही हो रहा है। जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश ने कहा कि RSS कार्यालयों पर लंबे समय तक तिरंगा नहीं फहराया गया, और आज वे लोग तिरंगा यात्राएं निकाल रहे हैं। ऐसी यात्राओं के बाद राष्ट्रीय ध्वज सड़कों पर पैरों तले दिखाई देता है। उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद सामने आए कथित 'शुद्धिकरण' मामले पर उन्होंने कहा, क्या दलित समाज के बड़े नेताओं को किसी स्थान पर जाने का हक नहीं है।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड

सेरेना के लिए एक जगह रोकी, 46 की उम्र में फिर उतरेंगी

न्यूयॉर्क, 19 अगस्त (एजेंसियां)। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है।

यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।

46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए यूएस ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

वीनस ने 2000 और 2001 में यूएस ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच हार चुकी हैं। 44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 यूएस ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी।

अब यूएस ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है। वीनस और सेरेना ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन में डबल्स मैच खेला। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार था जब दोनों बहनें किसी टूर्नामेंट में साथ डबल्स खेल रही थीं। हालांकि, उन्हें मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टियर्न्स के खिलाफ टाई-ब्रेकर में हार मिली।

दोनों बहनों ने विंबलडन में भी साथ डबल्स खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन सिंगल्स मैच के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था।

वर्ल्डकप में भारतीय विमेंस हॉकी टीम की सबसे बड़ी जीत

साउथ अफ्रीका को 6-1 से हराया, 52 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

एमस्टेलवीन, नीदरलैंड्स, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया। टीम इस जीत के साथ पुल-डी के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉप-8 में पहुंचने के लिए टीम को आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलना होगा। हारने कि स्थिति में चीन के खिलाफ साउथ अफ्रीका के जीत की दुआ करनी होगी। भारत की यह जीत विमेंस वर्ल्ड कप में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत 1974 में स्पेन के खिलाफ दर्ज की थी। तब भारतीय विमेंस टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी। एम्सटेलवीन में खेले गए पूल-डी के मुकाबले में पहले क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद नवनीत कौर और सुशीला चानू के गोल से भारत ने 3-0 से बढ़त बनाई। फिर दीपिका, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने गोल कर स्कोर 6-0 कर दिया। साउथ अफ्रीका के लिए एकमात्र गोल डी वाल कायला ने 55वें मिनट में किया। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज की। 17वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल किया। उन्होंने एंगल बदलते हुए लो और तेज शॉट लगाया, जिसे साउथ अफ्रीकी गोलकीपर रोक नहीं सकीं। इसके साथ भारत की बढ़त 2-0 हो गई। इसके बाद भारत ने साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाए रखा। लगातार सर्कल एंट्री और तेज पासिंग के जरिए भारतीय टीम गोल के मौके बनाती रही। 24वें मिनट में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले। 25वें मिनट में भारत ने तीसरा गोल किया। दीपिका के ड्रैगफ्लिक को साउथ अफ्रीका की पहली रशर से डिफ्लेक्शन मिला और गेंद सुशीला के पास पहुंची। सुशीला ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। भारत ने 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली। भारत इसके बाद भी लगातार अटैक करता रहा। 27वें मिनट में टीम को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला।

सबालेंका-एंड्रीवा और गॉफ ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई, नाकाशिमा भी आगे बढ़े

सिनसिनाटी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अरिना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ ही सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है।

सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियातेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं। इस बीच, पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा नंबर 32 वरीय जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीवा ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी हमवतन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली। गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियातेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं। पुरुष वर्ग में ब्रैंडन नाकाशिमा ने डेनियल मेदवेदेव को 6-7(3), 7-6(4), 6-1 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। नाकाशिमा ने 2 घंटे 51 मिनट तक चले मैच में जीत हासिल की। नाकाशिमा का अगले दौर में नूनो बोर्गेस से सामना होगा।

तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में बैंकों को प्रमुख भागीदार बनना होगा: भट्टी

डिप्टी सीएम ने राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी की बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना को 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के राज्य के लक्ष्य में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों को प्रमुख भागीदार बनना होगा। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि यह लक्ष्य केवल सरकारी खर्च से हासिल नहीं किया जा सकता है और इसके लिए बड़े पैमाने पर निजी निवेश, मजबूत वित्तीय संस्थानों, गहन वित्तीय बाजारों और नवीन वित्तपोषण तंत्रों की आवश्यकता है।

उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में आयोजित 50वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) की बैठक में भाग लिया और उसे संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राइजिंग 2047 केवल एक विजन दस्तावेज नहीं है, बल्कि तेलंगाना की जनता के साथ एक विकास समझौता है। उन्होंने कहा कि 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए बैंकिंग क्षेत्र में भी परिवर्तन आवश्यक है। भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना राइजिंग 2047 के उद्देश्यों के अनुरूप भविष्योन्मुखी बैंकिंग रणनीति तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बैंकों को केवल अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा ही नहीं करनी चाहिए, बल्कि समय-समय पर यह भी आकलन करना चाहिए कि दिए गए ऋणों से कितना विकास हुआ है, कितने उद्योग स्थापित हुए हैं और कितने रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग प्रदर्शन का वास्तविक मापदंड कृषि उत्पादकता में वृद्धि, ग्रामीण आय में सुधार और निजी निवेश में वृद्धि की सीमा होनी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि ग्रामीण और कृषि क्षेत्र तेलंगाना की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को ठीक उसी समय ऋण मिलना चाहिए जब उन्हें इसकी आवश्यकता हो। पात्र किसानों को ऋण के लिए बैंकों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "किसानों को ऋण के लिए बैंकों की खोज नहीं करनी चाहिए; बैंकिंग प्रणाली स्वयं किसानों तक पहुंचनी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, बागवानी, ताड़ के तेल उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य संबद्ध क्षेत्रों को औपचारिक ऋण प्रणाली में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उद्देश्य केवल किसान को ऋण प्रदान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उस ऋण को उच्च और टिकाऊ कृषि आय में परिवर्तित करना होना चाहिए।

40.96 करोड़ रुपये के सीएमआर धान के डायवर्जन मामले में रेखा नाइक पर केस दर्ज

निर्मल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को खानपुर की पूर्व एमएलए अजमीरा रेखा नाइक पर 'कस्टम मिलिंग राइस' प्रोसेस के तहत धान को इधर-उधर करने (डायवर्जन) के आरोप में केस दर्ज किया गया। डायवर्ट किए गए धान की कीमत 40.96 करोड़ रुपये आंकी गई।

पुलिस ने बताया कि खानपुर मंडल के सत्तेनापल्ली में एआरएस इंडस्ट्रीज की मालकिन रेखा नाइक के खिलाफ तीन कृषि सीज़न से जुड़े सीएमआर के कथित गबन का मामला दर्ज किया गया है। प्रवर्तन विभाग (एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट) के अधिकारियों ने मिल में फिजिकल स्टॉक की जांच की और पाया कि तीन वर्षों में 9,639 मीट्रिक टन धान कम था। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अधिकारियों ने बताया कि मिल को 2022-23, 2023-24 और 2024-25 सीज़न में 16,664 मीट्रिक टन धान आवंटित किया गया था। हालांकि, सरकार को 4,379 मीट्रिक टन चावल ही दिया गया। जांच में पता चला कि 9,639 मीट्रिक टन धान मौजूद नहीं था। इसके बाद, सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक मधु ने रेखा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

ट्रैफिक पुलिस ने एक हफ़्ते में 1,349 मामले दर्ज किए

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 'फ्री-लेफ्ट' मूवमेंट में बाधा डालने वाले वाहन चालकों और नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाने के खिलाफ एक हफ़्ते के विशेष अभियान के दौरान कुल 1,349 मामले दर्ज किए। 12 से 18 अगस्त तक चले इस विशेष अभियान के परिणामस्वरूप 'फ्री-लेफ्ट' मूवमेंट में बाधा डालने के 1,015 मामले और नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाने के 334 मामले सामने आए।

ट्रैफिक अधिकारियों ने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन को बेहतर बनाने और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रवर्तन अभियान जारी रहेगा। वाहन चालकों को सलाह दी गई कि वे 'फ्री-लेफ्ट' लेन को ब्लॉक न करें, जो जंक्शन पर ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही की सुविधा के लिए बनाई गई हैं। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों और अभिभावकों को नाबालिगों को गाड़ी चलाने की अनुमति देने के खिलाफ भी आगाह किया। वाहन मालिकों को याद दिलाया गया कि बिना लाइसेंस वाले व्यक्ति को गाड़ी चलाने की अनुमति देना एक अपराध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क उपयोगकर्ताओं से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सुरक्षित सड़कों व सुचारू ट्रैफिक प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तन कर्मियों का सहयोग करने का भी अनुरोध किया।

कोंडा सुष्मिता की पार्कल चुनौती से कांग्रेस में बढ़ी हलचल

वारंगल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता पटेल के हालिया बयानों ने पार्कल में संभावित चुनावी मुकाबले को लेकर अटकलें तेज़ कर दी हैं, क्योंकि उन्होंने खुले तौर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को चुनौती दी है। ऐसा लगता है कि उन्होंने पूरी राज्य कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और पार्टी के भीतर बीसी नेतृत्व के बार-बार अपमान पर सवाल उठाए हैं। सुष्मिता, जिन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर खुद को आगामी पार्कल विधायक कोंडा सुष्मिता पटेल बताया था, ने कहा कि वह पार्कल से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, भले ही निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ना पड़े। उन्होंने रेवंत रेड्डी या उनके परिवार के सदस्यों को अपने खिलाफ मैदान में उतरने की चुनौती दी। उन्होंने घोषणा की कि वह पार्कल में घर बनाएंगी और वहीं रहेंगी।

उनके बयान इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि रेवंत रेड्डी ने हाल ही में कहा था कि मौजूदा विधायक रेवुरी प्रकाश रेड्डी फिर से पार्कल से चुनाव लड़ेंगे। उनके पिता और पूर्व विधायक कोंडा मुरली ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि उनकी बेटी इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। सुष्मिता ने 10 साल तक मुख्यमंत्री बने रहने के रेवंत रेड्डी के दावे पर भी निशाना साधा और उन्हें कोडंगल विधानसभा चुनाव में उनकी पिछली हार की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने भी कभी ऐसे दावे नहीं किए थे। उन्होंने कई कांग्रेस नेताओं की राजनीतिक प्रासंगिकता पर सवाल उठाए और पूछा कि उनके पिता, कोंडा मुरली, को किसी भी पद के लिए क्यों नहीं चुना गया।

उन्होंने बीसी के प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठाया और हैदराबाद में 'इंदिरम्मा हाउस' वितरण कार्यक्रम से मंत्री पोन्नम प्रभाकर की तस्वीर हटाए जाने पर सवाल किया। उन्होंने पूछा कि टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड बीसी के साथ हो रहे कथित अन्याय पर चुप क्यों हैं।

सुष्मिता यह जानना चाहती थीं कि राज्यसभा सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी ने मुख्यमंत्री को क्या सलाह दी थी सिवाय इसके कि उन्होंने अपने भाई की 200 करोड़ रुपये की हेराफेरी के लिए एक शेल कंपनी बनाने में मदद की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उन पर कोई पलटवार किया गया, तो वह कांग्रेस नेताओं के असली चेहरे बेनकाब कर देंगी।

मंत्री विवेक ने चेन्नूर की जनता के लिए 'ओपन बॉक्स' पहल की शुरुआत की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रोजगार, प्रशिक्षण, कारखाना और खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने बुधवार को चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए 'ओपन बॉक्स' पहल का शुभारंभ किया। लोगों को अपनी शिकायतें और अनुरोध सीधे जमा करने में सक्षम बनाने के लिए एक 'खुला बॉक्स' स्थापित किया गया है। मंत्री ने कहा कि वे स्वयं बॉक्स खोलेंगे, पत्रों की जांच करेंगे और लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पारदर्शी शासन को बढ़ावा देना और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करना है। विवेक ने इसे राज्य में अपनी तरह की पहली पहल बताते हुए कहा कि 'ओपन बॉक्स' लोगों और सरकार के बीच एक सीधा सेतु का काम करेगा। बाद में, मंत्री ने कोटापल्ली हाई स्कूल में विकास कार्यों की आधारशिला रखी, जिन्हें सीएसआर फंड से 50 लाख रुपये की लागत से शुरू किया जाएगा। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और पेद्दापल्ली सांसद वामसी कृष्णा ने सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए चेन्नूर में एक निःशुल्क कोचिंग केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र का नाम पूर्व केंद्रीय मंत्री काका वेंकटस्वामी के नाम पर रखा गया है।

शराबी दोस्तों ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के बंदलागुडा जागीर में शराब पीने के बाद दोस्तों के बीच हुई एक बहस जानलेवा साबित हुई, जिसमें एक युवक की कथित तौर पर उसके दोस्तों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित अनिकेत कुमार (21) और उसके दोस्त रोहित, राहुल और अंकित कुमार (सभी बिहार के रहने वाले) बंदलागुडा जागीर में 'रिवर्स स्केट विला' साइट के पास काम कर रहे थे। सोमवार रात साइट पर काम खत्म करने के बाद, चारों अपने कमरे पर लौटे और शराब पी। शराब पीने के दौरान, कथित तौर पर अनिकेत और रोहित के बीच पैसों के मामले को लेकर बहस हो गई। इस दौरान, रोहित ने कथित तौर पर आपा खो दिया और लोहे की रॉड से अनिकेत के सिर पर हमला कर दिया। राहुल और अंकित भी कथित तौर पर हमले में शामिल हो गए और अनिकेत पर हमला किया। घायल युवक को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां मंगलवार को उसकी मौत हो गई। राजेंद्रनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

वेप और ई-सिगरेट बेचने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को टास्क फोर्स और बंजारा हिल्स पुलिस ने श्रीनगर कॉलोनी की एक दुकान पर ई-सिगरेट और प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 53 वेप, 10 लिक्विड और विदेशी सिगरेट के 76 बॉक्स ज़ब्त किए, जिनकी कुल कीमत 2 लाख रुपये है। संदिग्धों की पहचान मोहम्मद मुनीर, अब्दुल रहमान मेहराज़ और मोहम्मद इयास के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध कथित तौर पर मुंबई से कम कीमत पर सिगरेट खरीदते थे और ज़्यादा मुनाफ़े के लिए उन्हें हैदराबाद में बेचते थे।

दो लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स जोन के कमिश्नर टास्क फोर्स ने बंजारा हिल्स पुलिस के साथ मिलकर ई-सिगरेट (वेप्स) और प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट की अवैध बिक्री में कथित रूप से शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। संदिग्धों की पहचान मोहम्मद मुनीर (26), अब्दुल रहमान मीहराज (25) और मोहम्मद इयास (19) के रूप में हुई, ये सभी श्रीनगर कॉलोनी में स्मोकर्स डॉट इन नामक एक दुकान से जुड़े हुए थे। पुलिस ने 53 वेप, 10 बोतल लिक्विड और 76 डिब्बे सिगरेट जब्त किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वे मुंबई से विदेशी सिगरेट मंगवाते थे और उन्हें हैदराबाद में काफी ऊंची कीमतों पर बेचते थे। पुलिस ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम के तहत ई-सिगरेट की बिक्री, निर्माण, आयात, वितरण, परिवहन, भंडारण और विज्ञापन प्रतिबंधित हैं। यह अभियान इंस्पेक्टर च. यादेंद्र की देखरेख में, एसआई मोहम्मद जाहेद और अन्य कर्मियों के साथ मिलकर चलाया गया।

पूर्व मंत्री ने बीआरएस के 22ए पीड़ितों को समर्थन का आश्वासन दिया

मुफ्त कानूनी सहायता सेल की घोषणा की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के उपसभापति टी. हरीश राव ने बुधवार को तेलंगाना भवन में धारा 22ए के तहत प्रतिबंधित सूची में अपनी जमीनों को विवादास्पद रूप से शामिल किए जाने से प्रभावित कई संपत्ति मालिकों से बातचीत की। बीआरएस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और विधायक सबिता इंदिरा रेड्डी, कलेरू वेंकटेश, मुत्ता गोपाल और देवीरेड्डी सुधीर रेड्डी सहित अन्य लोगों ने बैठक में भाग लिया। हरीश राव ने राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए पीड़ितों की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि बीआरएस उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और न्याय मिलने तक लड़ाई लड़ेगी। हरीश राव ने कहा कि धारा 22ए के तहत लगाए गए प्रतिबंधों से प्रभावित किसी भी पीड़ित को डरने या निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में हम हर कदम पर आपके साथ खड़े रहेंगे और आपके अधिकारों के लिए लड़ेंगे। उन्होंने घोषणा की कि अनुच्छेद 22ए के प्रतिबंधों से प्रभावित पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए तेलंगाना भवन में 10 सदस्यीय बीआरएस कानूनी प्रकोष्ठ की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानूनी टीम प्रभावित संपत्ति मालिकों का मार्गदर्शन करेगी और आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने पीड़ितों को यह भी आश्वासन दिया कि बीआरएस के विधायक और नेता जहां भी आवश्यक होगा, व्यक्तिगत रूप से अधिकारियों और कलेक्टरों से संपर्क करेंगे और उनकी शिकायतों का समाधान होने तक उनके साथ रहेंगे। हरीश राव ने पीड़ितों से अपील की कि वे किसी को भी 20 या 30 प्रतिशत कमीशन न दें और डर के मारे अपनी संपत्तियों को संकटकालीन कीमतों पर न बेचें। उन्होंने पूरी प्रक्रिया की गहन जांच की मांग की और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं की पहचान की जानी चाहिए।

नलगोंडा स्कूल प्रिंसिपल की हत्या के मामले में 10वीं क्लास के दो छात्र गिरफ्तार

नलगोंडा, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडामाल्लेपल्ली में नागार्जुन ग्रामर कॉन्सेप्ट स्कूल की प्रिंसिपल के. रूपा रेड्डी की सनसनीखेज हत्या का रहस्य सुलझ गया है; पुलिस ने उसी स्कूल के 10वीं क्लास के दो छात्रों को गिरफ्तार किया है।

11 अगस्त को रूपा रेड्डी की उनके घर पर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। जिला पुलिस ने मामले की जांच के लिए देवराकोंडा डीएसपी की देखरेख में पांच स्पेशल टीमें बनाई थीं। पुलिस ने लगभग 70 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया और 80 से ज़्यादा संदिग्धों से पूछताछ की।

हत्या से कुछ समय पहले, रूपा रेड्डी अपनी मौसी से फोन पर बात कर रही थीं, जब उनके मुंह से आखिरी शब्द बाबू निकला। इसके तुरंत बाद उनका फोन बंद हो गया। वह किसके बारे में बात कर रही थीं, यह पता लगाना जांच का एक अहम हिस्सा बन गया। बाद में पुलिस को पता चला कि रूपा रेड्डी अक्सर अपने छात्रों को बाबू कहकर बुलाती थीं। इसके बाद जांच का फोकस स्कूल के छात्रों पर केंद्रित हो गया। छात्रों से पूछताछ में थोड़ी देरी हुई क्योंकि प्रिंसिपल की मौत के बाद स्कूल में लगातार छह दिनों की छुट्टी घोषित कर दी गई थी। स्कूल खुलने के बाद पुलिस ने छात्रों से अलग-अलग पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान, पुलिस ने उन कुछ छात्रों पर बारीकी से नज़र रखी जो दो दिनों से स्कूल से गैर-हाजिर थे। उन्होंने उन पांच छात्रों पर खास ध्यान दिया जिनकी हाल ही में आलीशान जीवनशैली की आदत बन गई थी।

घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का संदिग्ध छात्रों के फुटेज से मिलान करने के बाद, पुलिस ने अपना दायरा सीमित किया। पक्की जानकारी मिलने पर, उन्होंने बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे डोनियाला चौराहे के पास बाइक पर जा रहे 10वीं क्लास के दो छात्रों को रोका। जिला पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वे पेंडलीपाकाला चौराहे से मल्लेपल्ली की ओर जा रहे थे। पूछताछ और तलाशी के दौरान, पुलिस को उनके अंडरगारमेंट्स में छिपाकर रखा गया कैश मिला। लगभग 1.54 लाख रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि 500 रुपये के तीन नोटों पर खून के धब्बे मिले थे। जब उनसे कैश के सोर्स के बारे में पूछा गया, तो छात्रों ने रूपा रेड्डी की हत्या करने और पैसे चुराने की बात कबूल कर ली।

दोनों आरोपी नागार्जुन ग्रामर कॉन्सेप्ट स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र हैं और एक ही हॉस्टल रूम में रहते थे। पुलिस के अनुसार, उन्हें आलीशान जीवनशैली की लत थी और वे हॉस्टल के कमरे में चुपके से मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके सोशल मीडिया पर आसानी से पैसे कमाने के तरीके ढूंढते थे।

पिछले महीने, रूपा रेड्डी ने उन्हें हॉस्टल में पैसे के साथ पकड़ा था और उनके माता-पिता के सामने उन्हें डांटा था। इस घटना के बाद छात्रों के मन में उनके प्रति गुस्सा पैदा हो गया। यह मानकर कि रूपा रेड्डी के पास काफी कैश है, उन्होंने कथित तौर पर बिना कोई सुराग छोड़े हत्या करने के तरीके सोशल मीडिया पर खोजे।

फिलीपींस की प्रवासन नीति का अध्ययन कर रही है तेलंगाना की टीम

1हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एनआरआई सलाहकार समिति की टीम ने बुधवार को फिलीपींस के मनीला स्थित भारतीय दूतावास का दौरा किया और प्रवासी श्रमिकों के कल्याण और प्रभावी प्रवासन नीतियों पर कमीशन ऑन फिलिपिनो ओवरसीज (सीएफओ) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपींस की प्रवासन नीति पर चर्चा की और फिलीपींस के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इसके तौर-तरीकों का अध्ययन किया।

टीम ने देश के सर्वोत्तम तौर-तरीकों की जांच करने और खाड़ी देशों में कार्यरत लगभग 15 लाख तेलंगाना श्रमिकों के कल्याण के लिए अधिक प्रभावी प्रवासन नीति विकसित करने की दिशा में काम करने का इरादा व्यक्त किया। सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और निजामाबाद ग्रामीण विधायक डॉ. आर. भूपति रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण के अनुरूप खाड़ी देशों के श्रमिकों के लिए संरक्षण और कल्याणकारी उपायों को मजबूत करने के लिए फिलीपींस से उपयुक्त प्रथाओं को अपनाने की दिशा में काम करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपींस में भारतीय राजदूत हर्ष कुमार जैन और प्रथम सचिव नीलेश कुमार राय के साथ प्रवासी श्रमिकों से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा भी की।

एनआरआई सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. बीएम विनोद कुमार, उपाध्यक्ष मंधा भीम रेड्डी, सदस्य सिंगिरेड्डी नरेश रेड्डी, नांगी देवेंदर रेड्डी, स्वदेश परिकिपांडला, प्रोफेसर विजय कोर्रा, प्रोफेसर श्रीनिवास जुनुगुरु, संपर्क अधिकारी आदी कार्तिक और अन्य प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

पेद्दी सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति हटाने के विरोध में नरसमपेट बंद

वारंगल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति हटाने के विरोध में बीआरएस द्वारा बुलाया गया नरसमपेट बंद सफल रहा और बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। नगरपालिका अधिकारियों ने पुलिस के साथ मिलकर सोमवार देर रात नरसमपेट में सरकारी मेडिकल कॉलेज के सामने निजी जमीन पर लगी विधायक की मूर्ति को हटा दिया, जिससे बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध जताया।

इसके बाद, पूर्व मंत्री एरबेली दयाकर राव ने नरसमपेट निर्वाचन क्षेत्र में बंद का आह्वान किया; इस आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, विभिन्न व्यापारिक समुदायों, शिक्षण संस्थानों और अन्य लोगों ने बंद को स्वेच्छा से समर्थन दिया। आरटीसी सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुईं। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नरसमपेट शहर और निर्वाचन क्षेत्र के अन्य हिस्सों में बड़ी रैलियां निकालीं। नरसमपेट में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जबकि वारंगल और हनमकोंडा में कई बीआरएस नेताओं को नज़रबंद कर दिया गया।

मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस नेताओं दास्यम विनय भास्कर, नन्नापुनेनी नरेंद्र, दयाकर राव और अन्य ने सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति हटाने को बर्बर कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि रातों-रात मूर्ति हटाकर, रेवंत रेड्डी सरकार और नरसमपेट के विधायक डोंथी माधव रेड्डी ने एक बार फिर अपनी प्रतिशोधात्मक प्रकृति का प्रदर्शन किया है। नरसमपेट में सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति का होना ही कांग्रेस सरकार और उसके नेताओं के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था। बीआरएस नेताओं का कहना है कि कांग्रेस नेताओं ने भले ही उनकी मूर्ति हटा दी हो, लेकिन वे नरसमपेट के लोगों के दिलों में उनके लिए मौजूद प्यार को मिटा नहीं सकते। नेताओं ने निर्वाचन क्षेत्र की जनता का धन्यवाद किया कि उन्होंने सरकारी पाबंदियों और पुलिस की गिरफ्तारियों के बावजूद बंद का समर्थन किया और उसे सफल बनाया।

सावधान रहें- एपीके फ़ाइलें न खोलें

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्क रहें। साइबर अपराधी बहुत सक्रिय हैं और भोले-भाले लोगों को ठगकर आसानी से पैसा कमाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। अगर आपको आरटीए चालान (18 या इसी तरह का कुछ) नाम से कोई एपीके फ़ाइल मिलती है, तो उसे न खोलें। खोलने पर आपका फ़ोन हैक हो जाएगा और आपके बैंक खाते तुरंत खाली हो जाएंगे। स्पैम संदेशों का जवाब न दें। स्कैमर पुलिस चालान, बैंक खाता जाँच आदि के नाम पर अलग-अलग तरह की एपीके फ़ाइलें भेज सकते हैं। ऐसी एपीके फ़ाइलों को तुरंत डिलीट कर दें और खुद को धोखाधड़ी से बचाएं।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में लिपिक संवर्ग में कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) की भर्ती

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित आधार पर कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

रिक्तियों की संख्या :
नियमित: 7680 + बैकलॉग: 287

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर विज्ञापन क्र. **CRPD/CR/2026-27/17** के अंतर्गत लिंक उपलब्ध हैं. प्रत्याशियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.

- **ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क के भुगतान की तिथि: 11.08.2026 से 31.08.2026 तक.**

अधिक जानकारी के लिए **"CONTACT US" → "Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो ऊपर उल्लिखित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 11.08.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.